ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा के भीतर छिपी लड़ाई को खत्म करना विजयेंद्र की चुनौती @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 14 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |✻| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-256

हिंदुओं के लिए सीताराम येचुरी के थे 'अभूतपूर्व-योगदान'

नेपाल से हिंदू-राष्ट्र खत्म होने के पीछे था येचुरी-फार्मूला

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर तमाम नेता शोक ज्ञापित कर रहे हैं। नेता के मरने पर नेता को शोक होता है, क्योंकि उन सबकी एक ही प्रजाति होती है। हिंदुओं के लिए सीताराम येचुरी के अभूतपूर्व योगदान हैं। येचुरी फार्मूले पर ही विश्व के इकलौते हिंदू राष्ट्र नेपाल से हिंदू राष्ट्र शब्द का खात्मा किया गया था। इसीलिए येचुरी के निधन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, वे मेरे अच्छे दोस्त थे। वे भारत के विचार के सच्चे रक्षक थे। वे देश को अच्छी तरह समझते थे। मैं उनके साथ की गई लंबी चर्चाओं को बहुत याद करूंगा। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

चेन्नई के तेलुगू भाषी ब्राह्मण परिवार में 12 अगस्त 1952 को जन्मे सीताराम येचुरी नेपाल के राजा वीरेंद्र सिंह की लोकतांत्रिक पद्धति के खिलाफ और चरम वामपंथियों के सहयोगी थे। वे नेपाल के विद्रोही वामपंथियों की समय-समय पर मदद और समर्थन दोनों किया करते थे। दुनिया के इकलौते हिंदू राष्ट्र के खिलाफ माकपा के सीताराम येचुरी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के डीपी त्रिपाठी ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

येचुरी और त्रिपाठी की मुलाकात माओवादी नेता बाबूराम भट्टाराई से दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में हुई थी, जहां वे छात्र नेता थे। साल 2006 में नेपाल में हिंदू राजशाही खत्म हो गई और वह हिंदू राष्ट्र से एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बन चुका था। उस दौरान येचुरी

शुभ-लाभ विमर्श

और त्रिपाठी नेपाली संसद में भी शामिल हुए थे।

नेपाल के पूर्व विदेश मंत्री और भारत के अच्छे मित्र चक्र प्रसाद बस्तोला सहित नेपाली नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया था। संसद में येचुरी ने कहा था, यह पूरी तरह से नेपाली लोगों की जीत है। अक्सर भारत को बड़े भाई के रूप में देखा जाता है। भारत और नेपाल भाई हैं, लेकिन जुड़वां हैं। एक की पीड़ा दूसरे में झलकती है। एक की जीत का जश्न दूसरा मनाता है।

येचुरी और त्रिपाठी ने साउथ एशिया फाउंडेशन के राहुल बरुआ के साथ मिलकर साल 2005 में भारत में नेपाल डेमोक्रेसी सॉलिडेरिटी कमेटी की स्थापना की थी। नेपाल में लोकतंत्र लाने के लिए येचुरी ने माओवादियों के साथ-साथ अपने प्रभाव का खूब इस्तेमाल किया। वहीं, त्रिपाठी नेपाली कांग्रेस और शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाले उसके अलग हुए गुट नेपाली कांग्रेस (डेमोक्रेटिक) के करीब थे।

▶10पर

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में चल रहा एजेंडा

शंकराचार्य पहाड़ी तख्ते सुलेमान और हरि पर्वत हुआ कोहे मारन

श्रीनगर, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद अब कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। जैसे-जैसे चुनाव की तारीख निकट आती जा रही है, वैसे-वैसे यह भी स्पष्ट होता जा रहा है कि कश्मीर की राजनीति में कश्मीर की पुरातन पहचान मिटाने का एजेंडा लाया जा रहा है। ऋषि कश्यप के नाम पर बसे इस क्षेत्र की कश्मीरी पहचान मिटाकर कश्मीरियत करने का षड्यंत्र आज का नहीं है। यह आदि गुरु शंकराचार्य की पहचान मिटाने का भी षड्यंत्र है।

ऋषियों और तपस्वियों की भूमि कश्मीर के क्षेत्रों के नामों के साथ जो छल किए गए हैं, वह वराहमूल जिले के वर्तमान में वारामूला तक की यात्रा से समझा जा सकता है। शेक्सपियर ने कहा था कि नाम में क्या रखा है? मगर क्या नाम में कुछ भी नहीं रखा है? यदि नाम में कुछ भी नहीं रखा है तो भारत पर जिन आततताइयों ने आक्रमण किया था तो उन्होंने भारत के स्थानों के नाम क्यों बदल दिए? नाम दरअसल पहचान बताते हैं। वह एक संस्कृति को आगे लेकर जाने वाला होता है। वह उस क्षेत्र के इतिहास का

पुरातन संस्कृति नष्ट करने की साजिश में नेशनल कॉन्फ्रेंस

प्रख्यात संत लल्लेश्वरी देवी को लैला आरिफ कह रहे दुष्ट

विस्तारक होता है। जैसे भारत में राम नाम है! प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को नकारने वाले दल के लोगों के नाम भी सीताराम जैसे ही हैं। जब पहचान नामों के माध्यम से यात्रा करती है तो वह समूचे क्षेत्र का इतिहास और संस्कृति बन जाता है। और नरसंहार समझने वाले लोग नाम का महत्व भली प्रकार से जानते हैं। इस बात से कोई भी इन्कार नहीं कर सकता है कि भारत में कश्मीर में कश्मीरी पहचान के साथ सैकड़ों वर्षों से नरसंहार होता आया है और वह अभी तक जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि जो नरसंहार हो चुका है, उसे और पुख्ता करने के लिए उसमें और प्रयास किए जा रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणा पत्र में शंकराचार्य पहाड़ी को तख्त-ए-सुलेमान के रूप में संबोधित किया गया है। हरिपर्वत को कोहे मारन बताया गया। जरा सोचें कि जिस कश्मीर की पहचान स्वयं महादेव और महादेवी से होती हो और जहां के पर्वतों के नाम भी उसी पहचान को लेकर हों, अब नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में इनके नाम बदल दिए गए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में क्या घोषणा की गई है? इसमें लिखा गया है कि हम तख्त-ए-सुलेमान (शंकराचार्य हिल) को कोह-ए-मारन (हरि पर्वत किला) के साथ एक गोंडोला प्रणाली के माध्यम से जोड़ने की व्यवहार्यता का आकलन करेंगे, जिससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

एक पहाड़ी से दूसरी पहाड़ी तक जाने के लिए मार्ग बनाने में कोई समस्या नहीं है और न ही कोई मुद्दा है, ▶10पर

सिखों को भड़काने में लगे राहुल गांधी की पार्टी की असलियत

84 के सिख दंगों में लिप्त थे कांग्रेस नेता टाइटलर

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में सिखों को भड़काने के लिए अनाप शनाप बोलने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पार्टी की असलियत 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद ही पता चल गई थी। लेकिन अब उसकी प्रामाणिकता भी सामने आने लगी है। अदालत ने कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर को 1984 के सिख विरोधी दंगों में लिप्त पाया है और उन पर आरोप तय कर दिए हैं। अदालत ने कहा कि सिख विरोधी दंगों में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के लिप्त होने के पर्याप्त प्रमाण मिल चुके हैं, लिहाजा उन पर आरोप तय किए जाते हैं।

इस तरह कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में शुक्रवार 13 सितंबर को जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप तय किए। विशेष न्यायाधीश राकेश सियाल ने यह निर्देश दिया कि टाइटलर को अब इन आरोपों का सामना अदालत में करना होगा, क्योंकि उन्होंने इन अपराधों के लिए खुद को निर्दोष बताया है। अदालत का यह आदेश सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले के संबंध में आया है।

जगदीश टाइटलर के खिलाफ पर्याप्त सबूत : अदालत

टाइटलर ने कांग्रेसियों को हिंसा के लिए उकसाया था

अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में शुक्रवार को जगदीश टाइटलर के खिलाफ हत्या और अन्य अपराधों के आरोप तय किए, लेकिन जगदीश ने आरोपों से इनकार कर दिया। जिसके बाद विशेष न्यायाधीश राकेश सियाल ने निर्देश दिया कि टाइटलर द्वारा अपराध के लिए दोषी न होने की बात स्वीकार करने के बाद उन्हें मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। उन पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत है।

इससे पहले, 30 अगस्त को अदालत ने कहा था कि टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। इस मामले में एक गवाह ने आरोप लगाया था कि 1 नवंबर, 1984 को टाइटलर ने गुरुद्वारा पुल बंगश के पास एक सफेद एम्बेसडर कार से उतरकर भीड़ को उकसाया। गवाह के अनुसार, टाइटलर ने भीड़ से कहा, सिखों को मारो, उन्होंने हमारी मां को मार डाला है, जिसके बाद हिंसा भड़क गई। इस उकसावे का परिणाम कई सिखों की हत्या के रूप में सामने आया।

अदालत ने टाइटलर के खिलाफ हत्या, गैरकानूनी सभा, दंगा, विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, घर में अतिक्रमण और चोरी जैसे गंभीर अपराधों के तहत आरोप तय किए हैं। इन सभी आरोपों के तहत अब टाइटलर को कानूनी प्रक्रिया से गुजरना होगा, जहां उन पर मुकदमा चलेगा। 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद पूरे देश में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे, जिसमें दिल्ली सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। इन दंगों में हजारों सिखों की हत्या कर दी गई थी और सैकड़ों गुरुद्वारों और घरों को लूटा व जलाया गया था। कांग्रेस के कई नेताओं पर इन दंगों में शामिल होने और भीड़ को ▶10पर

अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

सीएम ऑफिस जाने पर रोक, बोलेंगे भी नहीं

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त जमानत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय नहीं जाएंगे और मामले से संबंधित की बयान नहीं देंगे। केजरीवाल को सीबीआई मामले में 10 लाख रुपए के बेल बॉन्ड पर जमानत दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे

यह समझ पाने में असफल हैं कि केजरीवाल को गिरफ्तार करने में सीबीआई को इतनी जल्दबाजी क्यों थी, जबकि उसने उन्हें 22 महीने तक गिरफ्तार नहीं किया था और उन्हें तभी गिरफ्तार किया जब वे ईडी मामले में जमानत पाने के कगार पर थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी शक्तियों का संयम से प्रयोग किया जाना चाहिए, किसी व्यक्ति की एक दिन के लिए भी अनावश्यक गिरफ्तारी एक दिन ज्यादा है। ▶10पर

भाजपा ने अप्रासंगिक सीएम से इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल को जमानत दिए जाने पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी गिरफ्तारी वैध है, उन पर आरोप वैध हैं। केजरीवाल को सशर्त जमानत मिलना कोई विशेष उपलब्धि नहीं है।उन्होंने कहा कि मुकदमा चलेगा और उन्हे शीघ्र लंबी सजा होगी। ▶10पर

बांग्लादेशी हिंदुओं की त्रासदी पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया मांगी तो

...पत्रकार से हाथापाई की और कैमरा छीन लिया

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी विदेश में जाकर अफवाह उड़ाते हैं कि भारत की मौजूदा सरकार के शासन में देश में पत्रकारिता की स्वतंत्रता कम हो गई है। वे अपनी हर अमेरिकी यात्रा में इस बात को दोहराते रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी के टीम के लोग ही मनमाफिक सवाल नहीं पूछने पर पत्रकारों के साथ मारपीट करते हैं और उनके मोबाइल फोन छिन लेते है। भारत के पत्रकार के साथ अमेरिका में ऐसा ही किया गया।

अभिव्यक्ति की आजादी के भक्त राहुल गांधी की करतूत

राहुल गांधी की हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान एक राष्ट्रीय मीडिया समूह के वरिष्ठ पत्रकार रोहित शर्मा के साथ राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेसियों ने दुर्व्यवहार हुआ। रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को लेकर सवाल किया कि क्या राहुल गांधी बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार का मसला उठाएंगे? इस सवाल बुरी तरह बिदके कांग्रेस समर्थकों ने पत्रकार का मोबाइल फोन छीन लिया, फुटेज डिलीट करने के लिए धमकाने लगे और उनके साथ बदसलूकी की। पत्रकार से बदसलूकी करने वालों में राहुल गांधी के निजी सचिव अलंकार भी शामिल थे। अलंकार ने ही रिकॉर्डिंग डिलीट करने को कहा। पत्रकार ने मना कर दिया तो अलंकार ने उनका आईफोन छीन लिया और उनकी गर्दन पकड़ ली। इसके बाद फोन को जबरन अनलॉक करके रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी। पत्रकार रोहित शर्मा ने बताया कि वे 7 सितंबर 2024 को भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी की बहुप्रतीक्षित यात्रा का कवरेज करने के लिए अमेरिका के डलास स्थित टेक्सास गए थे। वहां राहुल गांधी आने वाले थे और भारतीय प्रवासियों, छात्रों, प्रेस और कैपिटल हिल के नेताओं के साथ मुलाकात करने वाले थे। रोहित शर्मा ने वहां इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा से भी सम्पर्क किया। पित्रोदा का भी इंटरव्यू लिया। शाम को टेक्सास के इरविंग में रिट्ज कार्लटन स्थित सैम के विला में ले जाया गया, वहां करीब 30 लोग बैठे थे, जिनमें भारत से आए कुछ लोग भी थे। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,820/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,740/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 22^0

झारखंड के संथाल परगना में बेइंतिहा आबादी असंतुलन

हिंदू आदिवासी 16% घटे, ईसाई 6000 गुणा बढ़े

रांची, 13 सितंबर (एजेंसियां)।

झारखंड में हो रहे डेमोग्राफिक बदलावों पर कुछ हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। ये खुलासे केंद्र सरकार द्वारा झारखंड हाईकोर्ट में एक याचिका पर दिए गए जवाबों से हुए हैं। अपने जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि झारखंड के संथाल परगना में जनजातीय आबादी में 16 फीसदी की कमी आई है। ये आबादी परगना में पहले 44 फीसदी थी लेकिन अब ये मात्र 28 रह गई है।

केंद्र ने अपने जवाब में बताया कि जनजातीय आबादी के कम

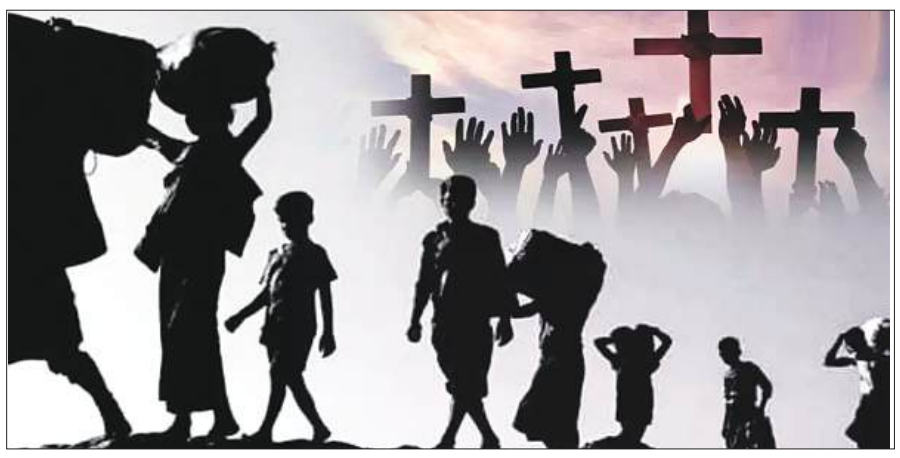

होने के पीछे दो कारण हैं, पहला पलायन और दूसरा धर्मांतरण। केंद्र सरकार के जवाब में ये भी बताया गया कि एक तरफ जहां जनजातीय आबादी घटी है तो वहीं दूसरी ओर संथाल परगना के छह अलग-अलग जगहों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 फीसदी तक बढ़ी है। वहीं ईसाइयों की संख्या भी इन इलाकों में 6000 गुणा तक बढ़ी है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों झारखंड में हो रही बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर दानियल दाश की ओर से जनहित याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में बताया गया था कि संथाल के छह जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठिए आ रहे हैं जिसकी वजह से संथाल की जनसंख्या बदल रही हैं। इलाकों में मदरसे बनाए जा रहे हैं। स्थानीय जनजातीय महिलाओं को फंसा कर वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है। याचिका के कोर्ट पहुंचने के बाद उस समय संथाल के छह जिलों (पाकुड़, साहिबगंज, दुमका, गोड्डा, देवघर और जामताड़ा) के डिप्टी कमीशनरों ने कहा था कि उनके जिले में कोई बांग्लादेशी घुसपैठ नहीं हुई है। इस तरह साफ नकारे जाने की बात पर कोर्ट ने उन्हें चेताया भी था कि अगर इलाके में एक भी घुसपैठ का मामला मिला तो उनके ऊपर कोर्ट की अवमानना का मामला चलेगा। इस मामले में इससे पहले 5 सितंबर को हाईकोर्ट में एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मल्लिकार्जुन खड़गे को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाएं: भाजपा सांसद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेता और विजयपुरा के सांसद रमेश जिगाजिनागी का मानना है कि सिद्धरामैया कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने शुक्रवार को विजयपुरा में संवाददाताओं से कहा सिद्धरामैया निश्चित रूप से मुख्यमंत्री पद से हटेंगे।

ऐसा होने पर कांग्रेस को मल्लिकार्जुन खड़गे को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। अगर कांग्रेस दलित को मुख्यमंत्री बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, तो उसे खड़गे को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। सिद्धरामैया कहते रहते हैं कि वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे। यह ऐसा है जैसे मैं कह रहा हूं कि मैं प्रधानमंत्री बनना चाहता हूं। यह कितना सच है? वे बने रहेंगे या नहीं, यह दो दिन में स्पष्ट हो जाएगा। आइए देखते हैं। जिगाजिनागी ने आरोप लगाया कि अमेरिका की अपनी

यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वे भारत में आरक्षण बंद कर देंगे। इससे पता चलता है कि कांग्रेस को दलितों से केवल दिखावटी सहानुभूति है। दलित नेता ने कहा आरक्षण सरकार की तरफ से कोई एहसान नहीं है। यह हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अमेरिका में कुछ भारत विरोधी अलगाववादी नेताओं से मुलाकात की थी। उन्होंने नागमंगला में हुई हिंसा के लिए कांग्रेस सरकार की कथित तुष्टीकरण नीतियों को जिम्मेदार ठहराया।

क्रोधी नहीं सहनशील बनो पर कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारों के सिंचन हेतु संस्कारशाला के अंतर्गत क्रोधी नहीं सहनशील बने विषय पर कार्यशाला का आयोजन कामाक्षीपाल्या के सरकारी मॉडल प्राइमरी स्कूल एवं अतिकुप्पे में स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में गुरुवार को किया गया। दोनों स्कूलों में अध्यक्ष मंजू गाड़िया ने कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से करते हुए सभी का स्वागत किया। कामाक्षीपल्या स्थित स्कूल में मुख्य वक्ता की भूमिका

उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने निभाई तथा दूसरे स्कूल में मुख्य

वक्ता की भूमिका सपना मंडोत ने निभाई। उन्होंने बच्चों को मेडिटेशन एवं यौगिक क्रिया करवाया। विषय में अपनी प्रस्तुति देते हुए विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को समझाया कि हमें क्रोध नहीं करना चाहिए। क्रोध करने से हमारे क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं। जब भी क्रोध आए तो चुप रह कर उसे सहने का प्रयास करना चाहिए। काफी बच्चों ने संकल्प किया कि वे भविष्य में क्रोध नहीं करने का प्रयास करेंगे। कार्यशाला के प्रति बच्चों में काफी उत्साह नजर आया। सह मंत्री ललिता डागा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़, कार्यकारी सदस्य मोनिका बांटिया, कविता बाफना और निशा रांका आदि मौजूद थी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में श्रावक श्राविकाओं का सौ सदस्यीय दल पांच दिवसीय गुरु दर्शन सेवा यात्रा के लिए बेंगलूरु से हुब्बल्ली के लिए रवाना हुआ। संघ अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया के नेतृत्व में संघ 2023 में अलसूर में चातुर्मास किए साध्वी प्रज्ञा श्री के दर्शन कर पुणे पूज्य ज्ञान प्रभाजी, अहमद नगर पूज्य श्रुत मुनिजी, संभाजी नगर पूज्य प्रवीण ऋषि जी, जालना समाधि, गंगापुर पूज्य धीरज कंवर जी के दर्शन कर, अंतरिक्ष पार्श्वनाथ के दर्शन कर डोड्डबल्लापुर में चातुर्मास कर रहे चंद्रयशा जी के दर्शन कर मंगलवार को बेंगलूरु लोटेगा। जैन युवक संघ अलसूर व्यवस्था में सहयोगी है।

पूजा-अर्चना के बाद विसर्जन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीरवी समाज ट्रस्ट कनकपुरा रोड जरगनहल्ली आईमाताजी वडेर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर स्थापित गणपति का विसर्जन गुरुवार को सीरवी युवा मंडल द्वारा धूमधाम से किया गया।

इस अवसर पर भक्तों ने गणपति की पूजा-अर्चना की और उनकी विदाई की। पूजा-अर्चना के बाद उनका विसर्जन किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक पेमाराम गहलोत, भेराराम हाम्बड, अध्यक्ष जगदीश चंद्र काग, सचिव हरजीराम बर्फा, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार चोयल, सेवा संघ अध्यक्ष पुखराज राठोड़, सचिव सोहनलाल देवड़ा समस्त कार्यकारिणी, गैर मंडल अध्यक्ष पुखाराम हाम्बड़, सचिव चेनाराम सेपटा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

वरघोड़े में झलकी राजस्थानी संस्कृति, गूंजे बाबा के जयकारें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रामदेव भक्त मंडल बेंगलूरु पश्चिम अग्रहारा दासरहल्ली की ओर से 14वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में शुक्रवार को भव्य वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़ा पैदल यात्रा संघ सुबह 7 बजे हनुमान मंदिर दासरहल्ली से प्रारम्भ हुआ, जो विभिन्न मार्गो से होते हुए रामदेव मंदिर में पहुंचा। जहां श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। उसके बाद महाआरती की गई। वरघोड़ा में सबसे आगे बाबा का ध्वज एकता का ध्वज एकता का परिचय दे रहा था। रामदेव भक्त मंडल के सदस्य धर्म ध्वज के साथ बाबा रामदेव के जयकारे लगाते चल रहे थे। वरघोड़े में राजस्थान की संस्कृति का मेल भी दिखा। इसमें बाबा रामदेव की झांकी के

आगे ढोल नृत्य करते अनेक क्षेत्रों के गैर मंडलों ने भाग लिया। वरघोड़े में गैर मंडलों ने हाथों में रंग-बिरंगी छतरिया एवं कलर पेपर से सुसज्जित डांडियों के साथ गैर नृत्य की। वरघोड़े रथ में सवार शीतल संत राजाराम व गौ ऋषि संत प्रकाश दास महाराज ने सभी का अभिवादन किया। ढोल की थाप पर महिलाएं घोल गेरे में बाबा के गुणों का बखान किया। मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक इन्द्रलाल सोलंकी, राजेश पारिक, सोहनसिंह राजपुरोहित, रमेशचंद चावत एवं अध्यक्ष चेतन सीरवी, उपाध्यक्ष पर्वतसिंह राजपुरोहित, सचिव पंकज शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश सीरवी, चेतन बागरेचा, संगठन मंत्री अनिल कुमार सीरवी, रामनिवास जांगिड, महेंद्र सिंह राजपुरोहित बन्नूर एवं महिला मंडल, रामदेव भक्त मंडल के कार्यकारिणी सदस्य आदि मौजूद थे।

क्षमापना सह स्नेह मिलन का आयोजन कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा सामूहिक क्षमापना सह स्नेहमिलन का आयोजन मुनिराज मलयप्रभ सागर एवं साध्वी प्रियस्वर्णजना श्री जी की पावन निश्रा में रविवार को श्री संभवनाथ जैन भवन वी. वी. पुरम में होगा। इस सामूहिक क्षमापना के लाभार्थी चुन्नीलाल, तनसुखराज, जवेरीलाल, राजेन्द्रकुमार, मनीषकुमार, कल्पेशकुमार, नन्दीशकुमार, अंकितकुमार, दीपेशकुमार, क्रिश, क्रितेश, कनिष्क, रियांश एवं समस्त गुलेच्छा परिवार है। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अश्विनी सेमलानी ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु रेल मंडल की उपयोगकर्ता सलाहकार समिति का सदस्य बनने के बाद पहली बार राज्य के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने सेमलानी को सदस्य बनने पर बधाई देते हुए गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर गौतम जैन भी मौजूद रहे।

मनुष्य जन्म में ही धर्माराधना संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि परमात्मा ने तो साधना करके अपनी आत्मा को तार लिया लेकिन हमें भी ऐसी ही साधना करके अपनी आत्मा को परमात्मा बनाना है। बेंगलूरु नगर में अभी तपस्या की अनुमोदना की बहार आई हुई है। नन्हें मुन्हें बच्चों, भाईयों और बहनों में तपस्या की होड़ लगी हुई है। तपस्या आराधना को हमें जीवन पर्यन्त धारण करना है। खान पान के साथ हम जहां भी जाएं वहां हमारी जैनत्व की एक अलग ही पहचान होनी चाहिए। चार भूमियों में पूरा जगत समाहित है। पहली नरक गति की भूमि जहां इतनी वेदना है जहां धर्म का बीज बोना नामुमकिन है। दूसरी तिर्यंच गति की भूमि जहां भी धर्म साधना नहीं हो सकती है क्योंकि वहां रहने की भी जगह समुचित नहीं है। तीसरी देवलोक गति की भूमि जो कि आरस यानि कांच के जैसी है जहां भी धर्माराधना नहीं हो सकती। सिर्फ और सिर्फ मनुष्य गति की भूमि ही उपजाऊ है जहां धर्माराधना की खेती की जा सकती है। हमें आर्य देश में और जैन कुल में जन्म मिला है जहां हमें पुण्य, प्रभु की और प्रतिज्ञा की प्यास को बुझाना है। पुण्य की प्रकृति में मन में खुशी ही मिलती है। दान शील, तप और भाव से हम पुण्य उपार्जन कर सकते हैं जिसे सतत चालू रखना है। लेकिन अनुकूलताओं में हम रच पच जाते हैं और धर्म को गौण कर देते हैं। नित्य मात्र एक नवकारसी करने से भी सौ वर्ष की नरक का आयुष्य टल जाता है।

पेरियाशांति से बीसी रोड तक एनएच 75 को

चार लेन का बनाने का काम मार्च 2025 तक हो जाएगा पूरा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक अब्दुल्ला जावेद आजमी ने कहा कि मेंगलूरु को बेंगलूरु से जोड़ने वाले एनएच 75 पर पेरियाशांति से बी.सी. रोड तक चार लेन का काम मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। डीके सांसद कैप्टन बृजेश चौटा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में बोलते हुए आजमी ने बताया कि पेरियाशांति से गुंड्या तक एनएच 75 के पैकेज एक के तहत 94 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। कर्नाटक उच्च न्यायालय के स्थगन के कारण रेंख्या गांव में हाथी अंडरपास फ्लाईओवर (ईयूएफ) का काम स्थगित कर दिया गया है। डीसीएफ एंटनी मरियप्पा ने कहा कि उन्होंने ईयूएफ के लिए दो और वैकल्पिक स्थानों का प्रस्ताव दिया है।

आजमी ने आगे बताया कि पेरियाशांति से बीसी रोड तक 48 किलोमीटर लंबे हिस्से में से 31 किलोमीटर सड़क का काम पूरा

हो चुका है। खान एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा खुदाई और उत्खनन पर लगाए गए प्रतिबंध के कारण काम स्थगित कर दिया गया है। हालांकि, अतिरिक्त डीसी संतोष कुमार ने कहा कि खान एवं भूविज्ञान विभाग ने खुदाई और उत्खनन पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। इसके बजाय, इसने एनएचएआई को साइट पर साइन बोर्ड लगाने और एहतियाती कदम उठाने के लिए आगाह किया है। अधिकारी ने कहा कि कल्लदका में फ्लाईओवर जनवरी तक पूरा हो जाएगा क्योंकि 72 फीसदी काम पूरा हो चुका है। मणि फ्लाईओवर वाहन अंडरपास का काम पूरा हो चुका है और सड़क का काम प्रगति पर है। पनमेंगलूरु फ्लाईओवर वीयूपी नवंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जब फोरलेन का काम चल रहा हो तब भी एनएच 75 को मोटर योग्य बनाया जाए।

एनएचएआई पीडी ने कहा कि कुलूर में छह लेन के पुल पर डिजाइन में बदलाव प्रस्तुत किया गया है जिसे कुछ दिनों के भीतर मंजूरी दे दी जाएगी। डिजाइन में बदलाव को मंजूरी मिलने के बाद पुल पर काम तेज हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पुल का मुख्य कैरिजवे मार्च तक पूरा हो जाएगा और जून में सर्विस रोड का काम शुरू किया जाएगा, क्योंकि पुराने पुल के खंभों को हटाना है। सांसद ने एनएचएआई को बीसी रोड से सूरतकल तक राष्ट्रीय राजमार्ग के खंड का स्थायी समाधान खोजने के लिए एक योजना बनाने का भी निर्देश दिया। नालों से संबंधित मुद्दे, तालापडी से सूरतकल तक एनएच 66 पर कनेक्टिविटी भी है, जिस पर भी गौर करने की जरूरत है। एनएचएआई ने यातायात को मोड़ने के लिए सर्विस रोड के निर्माण के लिए एनएच 66 के दोनों ओर के किनारों को चौड़ा करके नंथूर जंक्शन पर वाहन ओवरपास पर प्री-वर्क शुरू कर दिया है। वीओपी पर काम 15 अक्टूबर से शुरू होगा। कैप्टन चौटा ने एमसीसी और एनएचएआई को समन्वय में काम करने और वीओपी पर काम शुरू होने से पहले सभी मुद्दों को हल करने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के कार्यकारी अभियंता ने बताया कि चारमाडी से 11वें मोड़ तक सड़क चौड़ीकरण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। तकनीकी मूल्यांकन पूरा हो चुका है तथा वित्तीय मूल्यांकन सितंबर के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर संघ के सदस्यों ने चेन्नई में विराजित युवाचार्य महेंद्रऋषिजी, साध्वी प्रतिभाश्री एवं साध्वी शशिप्रभा के दर्शन वंदन का लाभ लिया। समस्त संघों से आगामी 22 सितंबर को बेंगलूरु में आयोजित गुरु अमर संयम अमृत महोत्सव के अवसर पर पधारने की विनंती की गई। इस अवसर पर राजाजीनगर संघ के पूर्व अध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, पूर्व उपाध्यक्ष शांतिलाल चाणोदिया, पूर्व मंत्री ज्ञानचंद लोढ़ा व तमिलनाडु महासंघ के अध्यक्ष सुरेश लुणावत, भिकमचंद लुंकड़, धर्मीचंद सिंघवी, सुनील चपलोत, गौतमचंद दुगड़ व अन्य उपस्थित रहे।

मनुष्य के मन में अहंकार की ऊंचाई सबसे ज्यादा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि जिस प्रकार किसान जमीन में बीज बोने से पहले खेत की विशुद्धि करता है, उसी प्रकार साधक भी आवश्यक आराधना में प्रथम सामायिक भी क्षेत्र विशुद्धि के समान ही मानी गई है। साधक चारित्र आत्मा द्वारा पैदल विहार तथा नैसर्गिक साधनों के सिवाय अद्यतन कृत्रिम साधनों की जीवन में प्रयोगिता का अभाव ही रहता है। इंसानों में जितना वैर का जहर भर जाता है। शायद नारकी में भी इतना वैर का जहर नहीं होगा। इंसानियत से इंसान मानवता की शुरुआत करता है, परन्तु जड़के राग में सामाजिक प्रतिष्ठा वाहवाही के नाम पर अपनों की उपेक्षा करना शुरू कर देता है। तब नेकी घटती जाती है, मेरुपर्वत की उचाई एक लाख योजन की है परन्तु उस से भी लाखों करोड़ों गुणा अहंकार इगो की ऊंचाई मनुष्य के मन में भरी है। इंसानों में दान-पुण्य-सेवा सहयोग का दिखावा इतना ज्यादा बढ़ गया है कि भाव कमजोर है। फोटो प्रतिष्ठा पर जोर है।

प्रज्वल रेवन्ना मामले की चार्जशीट हो रही लीक: एचडी रेवन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना ने आरोप लगाया कि आरोप पत्र अदालत में जमा होने से पहले ही लीक किया जा रहा है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने पत्रकारों द्वारा पूछे गये सवाल कि पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दूसरा आरोपपत्र दाखिल किया जा रहा है, का जवाब देते हुए यह आरोप लगाया। सब जानते हैं कि सरकार की कमियों और खामियों पर पर्दा डालने के लिए क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि लीक हुई जानकारी किसके हाथ लग रही है। कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल करने से पहले कौन लीक कर रहा है? ईडी ने वाल्मीकि विकास निगम के अवैध धन हस्तांतरण मामले में पूर्व मंत्री नागेंद्र को आरोपी 1 के रूप में नामित किया है। लेकिन एसआईटी ने उस तरह से उन्हें आरोपी नहीं बनाया। कांग्रेस सरकार अधिकारियों के अलावा हमें भी डराने की कोशिश कर रही है। मैं 40 साल से राजनीति में हूं। मैं 25 साल तक विधायक रहा हूं। किसी से भी भयभीत नहीं हुआ। अगर गलती है तो कोर्ट फांसी दे। हमें भगवान पर भरोसा है, कानून पर भरोसा है, न्यायपालिका पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि हमने अपने ऊपर लगे आरोपों के खिलाफ कोर्ट के जरिए लड़ाई लड़ी। पूछताछ के बहाने हमारे घरेलू कर्मचारियों, रसोइयों और करीबी सहायकों को भी नहीं बख्शा गया। भाजपा नेताओं ने पहले कहा था कि कांग्रेस पर भरोसा मत करो। मैं आपको विधानसभा सत्र में बताऊंगा कि उन्होंने जांच के बहाने हमें कैसे परेशान किया। सब जानते हैं कि एसआईटी किस तरह से जांच कर रही है। नागमंगला में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई घटना का कारण पुलिस की विफलता है।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मुश्किलें बढ़ी

विधायकों, सांसदों की अदालत में 68 करोड़ की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मुश्किलें बढ़ाते हुए, उनके और अन्य के खिलाफ बेंगलूरु में विधायकों/सांसदों के लिए विशेष अदालत में एक और निजी शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के खिलाफ 68 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है।

वरिष्ठ भाजपा नेता और आरटीआई कार्यकर्ता एन.आर. रमेश ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की अनुमति देने के लिए अदालत से शिकायत की। याचिकाकर्ता ने ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज, तत्कालीन प्रधान सचिव लक्ष्मीनारायण, तत्कालीन प्रधान सचिव मेजर पी. मणिवन्नन और बीबीएमपी के तत्कालीन आयुक्त मंजूनाथ प्रसाद और अन्य को भी मामले में पक्ष बनाया है। रमेश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 के तहत शिकायत का ज्ञापन प्रस्तुत किया है। शिकायतकर्ता ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के 2013-2018 के पिछले कार्यकाल के दौरान सिद्धरामैया सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और लोकायुक्त एजेंसियों के पास शिकायत दर्ज कराई गई थी। याचिका राज्य सरकार द्वारा बीबीएमपी के स्वामित्व वाले 493 बस शेल्टरों का दुरुपयोग सिद्धरामैया सरकार की उपलब्धियों को बढ़ावा देने के लिए करने के संबंध में है, जबकि बीबीएमपी को 68.14 करोड़ रुपए का शुल्क नहीं दिया गया है।

रमेश ने कहा एसीबी और लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2015 से 2017 तक सिद्धरामैया सरकार ने विज्ञापन शुल्क के रूप में एक भी पैसा दिए बिना प्रचार गतिविधियों के लिए बीबीएमपी के 493 बस शेल्टर का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि बीबीएमपी, जिसके पास संपत्ति कर, मानचित्र अनुमोदन शुल्क, व्यापार लाइसेंस शुल्क, सड़क खुदाई शुल्क और विज्ञापन शुल्क जैसे सीमित राजस्व स्रोत हैं, अपने अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन और पार्कों, स्ट्रीट लाइट और क्षतिग्रस्त सड़कों के रखरखाव के लिए सालाना कम से कम 10,000 करोड़ रुपए खर्च करता है। ऐसे में, एसीबी और लोकायुक्त के पास शिकायत दर्ज होने के बाद, बीबीएमपी के तत्कालीन विशेष आयुक्त (वित्त) ने 5 जुलाई, 2017 को तत्कालीन सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को बीबीएमपी को कुल 12.98 करोड़ रुपए का भुगतान करने के लिए डिमांड नोटिस जारी किया। हालांकि, सिद्धरामैया सरकार ने मांग नोटिस की अनदेखी की। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया के दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद, उनके प्रभाव और दबाव में, लोकायुक्त पुलिस ने बिना किसी अधिसूचना के, 26 जुलाई, 2024 को सिद्धरामैया सरकार द्वारा बीबीएमपी को विज्ञापन शुल्क में 68.14 करोड़ रुपए के घोटाले से संबंधित शिकायत को बंद कर दिया। इस बड़े घोटाले से संबंधित संपूर्ण रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के बावजूद, लोकायुक्त पुलिस ने कथित तौर पर सीएम सिद्धरामैया के दबाव में और पक्षपातपूर्ण तरीके से मामले को बंद कर दिया। इस कदम का विरोध करते हुए जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष न्यायालय में एक निजी शिकायत दायर की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और अन्य के खिलाफ जांच के लिए आदेश की मांग करते हुए अदालत में एक निजी शिकायत रजिस्टर (पीसीआर) दायर किया गया है। सीएम सिद्धरामैया मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में आरोपों का सामना कर रहे हैं और उन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के आदेश के खिलाफ राहत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अदालत ने मामले को आदेश के लिए सुरक्षित रख लिया है।

भाजपा के भीतर छिपी लड़ाई को खत्म करना विजयेंद्र की चुनौती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरएसएस नेताओं के हस्तक्षेप के कारण कथित तौर पर भाजपा की अंदरूनी कलह की स्थिति सुलझ गई है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के लिए भाजपा के भीतर की परोक्ष लड़ाई को खत्म करना एक चुनौती बन गया है। संघ परिवार के नेताओं के हस्तक्षेप से, आरएसएस नेता विजयेंद्र और यतनाल टीम को एकजुट करने में सफल रहे हैं। भाजपा के वफादार और असंतुष्ट नेता, जो एक-दूसरे से बात नहीं करने की स्थिति में थे, ने वरिष्ठों से वादा किया है कि वे एक साथ पार्टी का आयोजन करेंगे, लेकिन पार्टी के सदस्यों का कहना है कि विजयेंद्र के लिए यतनाल को संभालना आसान नहीं होगा। क्योंकि यतनाल गुट के रमेश जारकीहोली, प्रताप सिम्हा, कुमार बंगारप्पा, जीएम सिद्धेश्वर, बीपी हरीश और अन्य किसी न किसी तरह से सीएम सिद्धरामैया के करीबी हैं। भले ही सिद्धरामैया का दावा है कि सतही तौर पर यतनाल और हमारा एक-दूसरे से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन भाजपा के भीतर इस बात पर नाराजगी है कि उनके प्रतिनिधित्व

वाले निर्वाचन क्षेत्रों में अनुदान का आवंटन और अधिकारियों का स्थानांतरण तेज गति से हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि जब भाजपा और जेडीएस मुडा कांड के विरोध में बेंगलूरु से मैसूरु तक संयुक्त मार्च कर रहे थे तो पार्टी को जानबूझकर शर्मिंदा किया गया। सरकार के इशारे पर यतनाल और उनकी टीम द्वारा जानबूझकर भाजपा, खासकर येदियुरप्पा के परिवार को निशाना बनाने की योजनाबद्ध साजिश की गूंज जगन्नाथ भवन में सुनाई दे रही है। हालांकि यतनाल ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में हम एक पार्टी नेता की तरह काम करेंगे, लेकिन कोई भी उनकी बातों पर इतनी आसानी से यकीन करने की स्थिति में नहीं है। यतनाल हमेशा स्वपक्षियों के खिलाफ हो जाते हैं। उनके करीबी लोगों का कहना है कि उनके परिवार के सदस्यों को भी नहीं पता कि वह किसी भी समय पार्टी के पक्ष में होंगे या नहीं, यह अपरिहार्य है कि राज्य के तीन विधानसभा क्षेत्रों के उप-चुनाव में भाजपा की जीत होगी। लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने 19 से ज्यादा सीटें जीतीं। लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद स्थिति और खराब हो गई है और कांग्रेस एक तरफ उभर कर सामने आई है तो वहीं भाजपा आंतरिक कलह से जूझ रही है। यदि वह तीन में से कम से कम दो सीटें जीतते हैं, तो विजयेंद्र के नेतृत्व को कुछ ताकत मिलेगी। ऐसे में आने वाले दिनों में विजयेंद्र पर सभी को संभालने और पार्टी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी है।

फिलहाल हमारे बीच कोई भ्रम कोई मतभेद नहीं: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। संघ परिवार के नेताओं द्वारा पार्टी में पैदा हुई छोटी-मोटी समस्याओं को सुलझाने के बाद पूर्व मंत्री और भाजपा के असंतुष्ट नेता बसन गौड़ा पाटिल यतनाल ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल हमारे बीच कोई भ्रम या मतभेद नहीं है। राजभवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा गुरुवार की बैठक के बाद हम हाईकमान के फैसले पर सहमत हो गए हैं और हमने अपने फैसले से परिवार के नेताओं को अवगत करा दिया है। हमारे बीच कोई भ्रम और मतभेद नहीं है। उन्होंने दोहराया कि नेतृत्व का सवाल ही नहीं उठेगा। मीडिया के इस सवाल पर कि राज्यपाल से शिकायत करते समय आपके पास पार्टी के अन्य नेता नहीं थे, उन्होंने कहा आपके अनुसार नेता और प्रभावशाली व्यक्ति कौन हैं? एक साधारण कार्यकर्ता भी प्रभावशाली होता है। उन्होंने कहा कि पदयात्रा का फैसला हाईकमान करेगा।

उसी के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली जायेगी। उन्होंने कहा हर कोई हमारे साथ आएगा। एससी एसटी के 14,000 करोड़ रुपए का उपयोग गारंटी के लिए किया गया है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए निर्धारित धनराशि का आवंटन करना एक आपराधिक और अक्षम्य अपराध है। उन्होंने कहा कि हम सभी ने राज्यपाल से कड़ी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

नागमंगला कस्बे में दंगा मामला

पुलिस कर रही 94 फरार आरोपियों की तलाश, इंस्पेक्टर निलंबित

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने शुक्रवार को मांड्या जिले के नागमंगला कस्बे में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में 10 एफआईआर दर्ज कीं और पुलिस कार्रवाई के बाद भूमिगत हुए 94 आरोपियों की तलाश शुरू की। शुक्रवार को कुछ और गिरफ्तारियों के साथ अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 56 हो गई है। इस बीच, दंगों के सिलसिले में कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में शुक्रवार को एक पुलिस इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया। पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार को निलंबित कर दिया गया है क्योंकि वह पिछले साल गणेश चतुर्थी के दौरान इसी तरह की दंगा जैसी घटना के बारे में अपने वरिष्ठों को सूचित करने में विफल रहे थे। मांड्या के एसपी मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा कि मांड्या के बदरीकोप्पलु गांव में मस्जिद के पास का स्थान एक संवेदनशील क्षेत्र था, जहां अधिक सुरक्षा बल तैनात किए जा सकते थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हिंसा और दंगा करने के आरोप में 150 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने गायब हुए आरोपियों की सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर ली है और उनकी पहचान और पते के बारे में जानकारी जुटा रही है।

बीएनएसएस के तहत 109, 115, 118, 121, 132, 189, 190 और अन्य सहित 16 धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। गिरफ्तार किए गए लोगों में से 52 को गुरुवार शाम को अदालत में पेश किया गया और मांड्या जिला अदालत ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

इस बीच, निषेधाज्ञा के बीच नागमंगला शहर में स्थिति सामान्य हो गई है और स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। पुलिस विभाग ने शनिवार तक कर्फ्यू लगा दिया है। पुलिस ने स्थिति को देखते हुए नागमंगला शहर में फ्लैग मार्च किया और कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया। कर्नाटक के मांड्या जिले में बुधवार रात को दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जब नागमंगला शहर में गणपति प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर कथित तौर पर पथराव किया गया। घटना के बाद हुए दंगों में दोनों समुदायों की करीब 25 दुकानें और वाहन आग के हवाले कर दिए गए। पुलिस ने इलाके में प्रतिबंधात्मक आदेश लगा दिए हैं और हाई अलर्ट पर हैं। घटना के बाद, कुछ हिंदुओं ने स्थानीय पुलिस स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया और पथराव के लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। ज्ञातव्य है कि घटना के बाद केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी और कर्नाटक भाजपा ने राज्य में हिंसा और कानून-व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने में विफलता को लेकर कांग्रेस सरकार की निंदा की है। भाजपा ने पुलिस स्टेशन के सामने हिंदू भक्तों पर हमले पर आश्चर्य व्यक्त किया है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस सरकार के शासन के दौरान एक बार फिर राज्य ने कट्टरपंथी ताकतों के अत्याचारों को देखा है, जिससे कर्नाटक में शांति भंग हुई है, जो कभी सभी समुदायों के लिए सद्भाव का प्रतीक था।

राज्य में कानून का कोई डर नहीं

बुधवार रात को मांड्या जिले के नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान हुई घटना अत्यंत निंदनीय है और कांग्रेस शासन में कानून व्यवस्था के पतन का एक और उदाहरण है। हालांकि पिछले साल भी नागमंगला में गणेश विसर्जन के दौरान ऐसी ही घटना हुई थी, लेकिन इस साल पुलिस कोई भी निवारक उपाय करने में विफल रही, जिससे साबित होता है कि कांग्रेस सरकार पूरी तरह विफल रही है। अशोक ने कहा, तथ्य यह है कि मुस्लिम कट्टरपंथी, पूर्व नियोजित इरादों के साथ, शांतिपूर्ण गणेश विसर्जन जुलूस को दंगा करके, जनता और पुलिस पर पत्थर और चप्पल फेंककर, पेट्रोल बम फोड़कर और तलवारें लहराकर बाधित करते हैं, यह दर्शाता है कि इन कट्टरपंथियों को राज्य में कानून का कोई डर नहीं है। इसके अलावा, जब लोग सुरक्षा की मांग करने के लिए पुलिस स्टेशन जाते हैं, तो ये कट्टरपंथी उन पर हमला करते हैं और उन पर अत्याचार करते हैं, जिससे पता चलता है कि कांग्रेस सरकार के तहत तालिबान जैसी मानसिकता वाले इन लोगों को किस हद तक प्रोत्साहन और समर्थन मिलता है।

नागमंगला दंगा मामला

नाराज हिंदू संगठनों ने गणेश प्रतिमा के साथ किया विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु महानगर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि नागमंगला में गणेश उत्सव पर हमला एक पूर्व नियोजित कृत्य था और राज्य सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और एनआईए से जांच करानी चाहिए। नागमंगला दंगा मामला अब बेंगलूरु में भी फैल गया है। शुक्रवार को सैकड़ों सदस्य गणेश प्रतिमाएं लेकर सिटी हॉल के पास जमा हो गए। लोगों ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। कुछ बदमाश बिना किसी डर के हिंदुओं पर अत्याचार कर रहे हैं।

इसके परिणामस्वरूप उपद्रवियों ने नागमंगला में शांतिपूर्ण विसर्जन पर हमला किया और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। हालांकि, गृह मंत्री ने इसे मामूली पथराव बताया। इसे देखते हुए लोगों ने शिकायत की कि राज्य में तुष्टीकरण की राजनीति जोरों पर है। जब लोगों ने गणेश प्रतिमाएं लेकर नारेबाजी की तो उन्हें पुलिस ने रोक लिया और हिरासत में ले लिया। हालांकि, वह बिना हिले बीच सड़क पर बैठ गए और आक्रोश जताते हुए कहा कि न्याय चाहिए। इस दौरान पुलिस ने गणेश प्रतिमाएं जब्त कर लीं और अपनी जीप में ले गईं। साथ ही बेंगलूरु महानगर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया।

ऊंची जाति के युवक के खिलाफ बलात्कार की रिपोर्ट करने पर दलितों का बहिष्कार

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में शुक्रवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जिसमें नाबालिग दलित लड़की के साथ बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज कराने पर एक दलित परिवार का बहिष्कार कर दिया गया। पीड़ित नाबालिग दलित लड़की के परिवार द्वारा बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के कानून (पॉक्सो) के प्रावधानों के तहत पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद सवर्ण समुदाय भड़क गया। यादगीर जिले के हुनासागी तालुक के पास एक गांव में कथित तौर पर ऊंची जाति के युवक ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार किया था। 15 वर्षीय पीड़िता गर्भवती थी और परिवार को इस घटना के बारे में तब पता चला जब लड़की गर्भावस्था के पांचवें महीने में थी। इसके बाद परिवार ने 12 अगस्त को नारायणपुरा पुलिस स्टेशन में पुलिस शिकायत दर्ज कराई। उच्च जाति के समुदाय के नेताओं ने संदेशवाहक भेजकर दलित परिवार से समझौता करने को कहा था। हालांकि, दलित परिवार ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और आरोपी के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने पर जोर दिया। इसके बाद, ऊंची जाति के नेताओं ने गांव के दुकानदारों को दलितों का बहिष्कार करने का आदेश दिया। दुकानदार अब दलित समुदाय के बच्चों को कलम, नोटबुक और पेंसिल जैसी बुनियादी स्टेशनरी की चीजें बेचने से मना कर रहे हैं। दलित परिवारों को गांवों में दुकानों पर रोजाना का राशन नहीं मिलता और उन्हें दूर से राशन लाना पड़ता है। गांव के दलितों को इसके परिणामों का डर सता रहा है और उन्होंने अधिकारियों से मदद मांगी है। दलित संगठनों ने इस घटना पर चिंता जताई है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस और जिला प्रशासन समुदायों के बीच शांति बैठक आयोजित करने की कोशिश कर रहा है।

जब भी कांग्रेस सत्ता में आती है तो टीपू के वंशज हिंदुओं पर करते हैं अत्याचार : तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कर्नाटक में जब भी कांग्रेस सत्ता में आती है तो टीपू के वंशज जैसी कुछ सांप्रदायिक ताकतें रातोंरात उठ खड़ी होती हैं और हिंदुओं पर अत्याचार और हमले करती हैं। उन्होंने भाजपा कार्यालय में पूर्व भाजपा सदस्य उमेश शेट्टी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि कर्नाटक के लोग जानते हैं कि मांड्या जिले के नागमंगला में गणपति विसर्जन के दौरान क्या हुआ था। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि गणपति के विसर्जन के दौरान हुए सांप्रदायिक दंगे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण थे। जब कांग्रेस राज्य में सत्ता में आई, तो कुछ राजनीतिक ताकतें जो निष्क्रिय थीं, अचानक उठ खड़ी हुईं। कुछ राजनीतिक दल जानबूझकर उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि ऐसा तुष्टिकरण की नीति के कारण हुआ है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल

गांधी विदेश में बैठकर भारत की मानवता को नीलाम कर रहे हैं। उन्हें इस बात का सामान्य ज्ञान भी नहीं है कि जन्म देने वाले देश के बारे में क्या बात करें। कोई भी उनकी बातों पर यकीन करने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर वह एक समय में एक दिन देश की अखंडता, आध्यात्मिकता और सद्भाव के बारे में बात करते हैं तो उन्हें आश्चर्य नहीं होता है। राहुल गांधी की बात कोई सुनने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि उनकी बातें झूठ से भरी हैं। उनका एक सूत्री कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करना है। वह विदेश में जिन लोगों से मिले हैं, अगर वह देखें तो उन्हें उनका इतिहास पता चल जाएगा। भारत के दुश्मन राहुल गांधी के दोस्त हैं। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि जब ऐसे लोग देश के बारे में बात करते हैं तो यह भूत के मुंह से भगवद गीता सुनने जैसा है। उनका कहना है कि अगर हमारी पार्टी सत्ता में आई तो हम आरक्षण को खत्म कर देंगे। नेहरू और राजीव गांधी आरक्षण विरोधी थे। इसलिए उनके बयान से हमें कोई आश्चर्य नहीं हुआ। राहुल गांधी को दस्तावेज उठाकर देखना चाहिए कि राजीव गांधी ने मंडल कमीशन के बारे में क्या कहा था। उन्होंने यह कहकर एससी/एसटी, ओबीसी के साथ अन्याय किया है कि हम आरक्षण की आड़ में बौद्धों को मौका नहीं दे सकते। कांग्रेस ने सिखों का नरसंहार किया। जब इंदिरा गांधी की हत्या हुई तो एक समुदाय को निशाना बनाया गया और बदला लेने के लिए हजारों लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। तेजस्वी सूर्या ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ऐसे समुदाय को लेकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं।

नागमंगला दंगा कांग्रेस द्वारा प्रायोजित: केंद्रीय मंत्री

पुलिस का रवैया संदिग्ध

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि गणेश जुलूस के दौरान शहर में हुआ दंगा एक पूर्व नियोजित कृत्य, एक सुनियोजित साजिश थी। इतना ही नहीं,यह कांग्रेस प्रायोजित दंगा है। उन्होंने शुक्रवार सुबह नागमंगला के दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और उन दुकानों को देखने के बाद पत्रकारों से बात की, जो दंगा में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। यह अनादिकाल से किया जाता रहा है। 1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल को हटाने के लिए रामानगर और चन्नपट्टना में सांप्रदायिक दंगे कराए गए और आगजनी की गई। जुड़वां शहर जल गए। उन्होंने आरोप लगाया कि नागमंगला में भी इसी तर्ज पर दंगा कराया गया। डीजी हल्ली पुलिस स्टेशन को आग लगा दी गई और जला दिया गया। उसके लिए कांग्रेस नेता भी जिम्मेदार हैं। मुझे नहीं पता कि उस मामले में जो लोग जेल गये उनका क्या हुआ। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि उन्होंने नागमंगला में किस दुर्भावनापूर्ण इरादे से दंगा कराया है। नागमंगला में भी यही संशय है। अब चन्नपट्टना में उपचुनाव आ रहा है। तरह-तरह की घटनाएं भी हो रही हैं। इसलिए हो सकता है कि किसी समुदाय को लुभाने के लिए यह साजिश रची गई हो। पूरे घटनाक्रम को देखते हुए उन्हें संदेह हुआ कि नागमंगला की हरकत के पीछे कांग्रेस का हाथ है। उन्होंने इस घटना के लिए राज्य की कांग्रेस सरकार की विफलता और स्थानीय पुलिस की कर्तव्यहीनता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पुलिस को असली अपराधियों को पकड़ने और उन्हें सजा देने का काम करना चाहिए। दंगों की एफआईआर कॉपी हाथ में लेते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि आरोपों की सूची चूक से भरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस का रवैया संदिग्ध है। स्थानीय पुलिस उस जुलूस को सुरक्षा मुहैया नहीं करा सकी, जिसमें केवल 100-150 लोग थे। हंगामा शुरू होने से दस मिनट पहले ही मौके पर रिजर्व पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि स्थानीय पुलिस निरीक्षक और डीएसपी मौके पर मौजूद नहीं थे। तो ये दोनों अधिकारी कहां थे? रिजर्व फोर्स को अन्यत्र क्यों भेजा गया? दस मिनट में कहां से पत्थर और पेट्रोल बम आए? मार्च कर रहे लोगों पर पत्थर, चप्पल और पेट्रोल बम फेंके गए, जो संदेश को उजागर करता है। मात्र दस मिनट में इतनी मात्रा में पत्थर, चप्पल, लोहे के पाइप, पेट्रोल बम कहां से आये? क्या आप उन सभी को दस मिनट में एकत्र कर सकते हैं? उन्होंने कहा कि पूरे दंगे की प्रकृति को देखें तो ऐसा लगता है कि इसके पीछे कोई बड़ी साजिश है। इतना बड़ा हंगामा मचा हुआ है। योजनाबद्ध तरीके से दुकानों में आग लगायी गयी। हालाँकि गृह मंत्री जी. परमेश्वर का यह कहना है कि यह एक छोटी, आकस्मिक घटना है, क्या उन्हें गृह मंत्री कहा जाना चाहिए? कांग्रेस नेताओं को अपना आचरण सुधारना चाहिए। पुराने मैसूरु में दोनों समुदायों के लोग सौहार्दपूर्ण ढंग से रह रहे हैं। राजनीति के लिए लोगों की जिंदगी बर्बाद न करें। यह छोटी सी बात नहीं है। गृह मंत्री का कहना है कि इसे कोई महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। ऐसा कहकर वह लोगों को क्या संदेश देते हैं? जुलूस को सुरक्षा मुहैया कराना भी आपकी जिम्मेदारी है। घटना स्थल पर कितने पुलिसकर्मी तैनात थे? आपका इंस्पेक्टर कहाँ था?

घटना से पहले जो रिजर्व गाड़ी यहां थी उसे वापस बुला लिया गया है। घटना के एक घंटे के अंदर मीडिया को घटना की जानकारी मिल गई। पुलिस को क्यों नहीं पता चला? उन्होंने जोर देकर कहा कि इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। अधिकारी को निलंबित करने की रणनीति पर उन्होंने कहा मैंने आपको गुरुवार को बताया था कि मैं नागमंगला आऊंगा। गुरुवार शाम भाजपा नेता वहां गए। इसलिए इंस्पेक्टर अशोक को सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह ध्यान खींचने वाली तकनीक है। मस्जिद के पास 10 मिनट तक डांस करने की इजाजत किसे थी? तब पुलिस क्या कर रही थी? यदि अधिक पुलिस होती तो स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता था। जुलूस के दौरान इंस्पेक्टर और डीएसपी मौजूद नहीं थे। लेकिन एफआईआर में लिखा है कि वे वहां थे। यह कौन सा जादू है? शिकायत करने वाले अधिकारी रवि को दोपहर 1.30 बजे एफआईआर में उल्लिखित व्यक्तियों के नाम कैसे पता चले? उसे इतने सारे लोगों के नाम कैसे याद रहे जिनका इलाज चल रहा था?

कांग्रेस हर मामले में राजनीति कर रही

कांग्रेस हर मामले में राजनीति कर रही है। यहां मासूम लोगों की जिंदगी सड़क पर आ गई है। राज्य में लचर सरकार है जो पुलिस को सुरक्षा नहीं देती। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि चूक को स्वीकार किए बिना समुदायों के बीच खाई पैदा करना सही नहीं है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने दंगों में अपनी संपत्ति और आजीविका खोने वाले कई लोगों को व्यक्तिगत रूप से वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने दस लाख से अधिक मुआवजा दिया। सरकार को उचित आकलन कर कम से कम 70 से 80 फीसदी मुआवजा देना चाहिए। कई व्यापारियों ने अपनी पूरी संपत्ति खो दी है। मुझसे जितना हो सका मैंने उनकी मदद की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने दोनों समुदाय के लोगों की मदद की है। इस मौके पर पूर्व विधायक सुरेश गौड़ा, रवींद्र श्रीकांतैया, डॉ. के. अन्नदानी, मांड्या जिला जेडीएस अध्यक्ष रमेश समेत कई अन्य नेता मौजूद थे।

सीएम की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया

शैतान उपदेश नहीं दे सकता: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की उस टिप्पणी जिसमें उन्होंने भाजपा से कहा कि राहुल गांधी की आरक्षण विरोधी टिप्पणी के खिलाफ उनका विरोध कसाई द्वारा पशु क्रूरता के खिलाफ विरोध करने जैसा है, पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री आर अशोक ने कहा कि शैतान उपदेश नहीं दे सकता। वह सिद्धरामैया द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई उस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं पर आरक्षण विरोधी भावनाओं के लिए कटाक्ष किया था। अशोक ने शुक्रवार को पोस्ट कर कहा एक मुख्यमंत्री, जिसकी सरकार पर अनुसूचित जनजाति समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित 187 करोड़ रुपए हड़पने का आरोप है, आरक्षण के बारे में बात करना शैतान द्वारा शास्त्रों का हवाला देने जैसा है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 27 जून, 1961 को लिखे एक पत्र में जाति-आधारित कोटा और विशेषाधिकारों की परंपरा के बारे में अपनी आपत्ति व्यक्त की थी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि नेहरू ने लिखा था मैं किसी भी तरह के आरक्षण को नापसंद करता हूँ, खास तौर पर नौकरी में। मैं ऐसी किसी भी चीज के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया करता हूँ जो अकुशलता और दोयम दर्जे के मानकों को बढ़ावा देती है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1980 में उन्हें सौंपी गई मंडल आयोग की रिपोर्ट को कभी लागू नहीं किया। अशोक ने लिखा उन्होंने एक नारा गढ़ा, 'न जात पर न पात पर, मोहर लगेगी हाथ पर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने मार्च 1985 में एक साक्षात्कार में कहा था आरक्षण के नाम पर मूर्खों को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए और आरक्षण के नाम पर मूर्खों को बढ़ावा देने से पूरे देश को नुकसान होगा। अब कांग्रेस कहती है कि भाजपा एससी, एसटी और ओबीसी के खिलाफ है। क्या यह विडंबना नहीं है? कांग्रेस और भाजपा के बीच वाकयुद्ध कुछ दिनों पहले तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी ने अमेरिका के जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में कहा जब भारत एक निष्पक्ष जगह होगी, तब हम आरक्षण को खत्म करने के बारे में सोचेंगे। भारत एक निष्पक्ष जगह नहीं है। गांधी भारत में आरक्षण के भविष्य के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

सांसद ने बेलगावी से बेंगलूरु तक वंदे भारत ट्रेन चलाने का किया वादा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी के सांसद जगदीश शेट्टर ने बेलगावी के लोगों से वादा किया कि बेंगलूरु और हुब्बल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को बेलगावी तक बढ़ाया जाएगा। यहां शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि बेलगावी से बेंगलूरु तक वंदे भारत ट्रेन चलाना उनकी जिम्मेदारी है।

पुणे के लिए वंदे भारत ट्रेन 16 सितंबर से चलनी शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो लिंक के जरिए इसका उद्घाटन करेंगे। शुरुआत में यह सप्ताह में तीन दिन चलेगी। मैं इसे हर दिन चलाने की कोशिश करूंगा। वह यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि बेलगावी-कित्तूर-धारवाड़ रेलवे लाइन समय पर पूरी हो।

वह बेलगावी के सांबरा में हवाई अड्डे के उन्नयन के लिए भी काम कर रहे हैं। भाजपा सांसद ने कहा अधिकारियों ने मुझे बताया है कि लगभग 14 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने के साथ काम प्रगति पर है। उन्होंने नागमंगला में हुई हिंसा के लिए कांग्रेस की तुष्टीकरण नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा जब उपद्रवी हिंसा कर रहे थे, तब पुलिस मूकदर्शक बनी रही। मैं कांग्रेस नेताओं से कहना चाहता हूं कि हिंसक घटना के लिए जिम्मेदार राष्ट्रविरोधी ताकतें आपके घरों में घुसकर उन्हें जला देंगी। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, उन्हें कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस के सत्ता में आने पर आरक्षण बंद करने की बात कही थी। यह दिखाता है कि कांग्रेस विरोधी विचारधारा वाले लोग किस तरह से आरक्षण खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

मुझे भाजपा से प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं

क्या कोई सरकार झड़प भड़का सकती है? परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मांड्या जिले में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हुई हिंसा से निपटने को लेकर आलोचनाओं पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें भाजपा से प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है और पूछा कि क्या कोई सरकार अपने राज्य में दंगे भड़का सकती है। शुक्रवार को बेंगलूरु में अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा गृह मंत्री के तौर पर मैं जिम्मेदारी के साथ काम कर रहा हूं। मुझे भाजपा से प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। मेरे पास जिम्मेदारी है और मैं बिना जवाबदेही के इस पद पर नहीं हूं। हम अपना काम कर रहे हैं। क्या मैं नागमंगला घटना का बचाव कर रहा हूं? जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्या हमने बिना कारण 56 लोगों को गिरफ्तार किया है? भाजपा के इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए कि सरकार की मिलीभगत थी और घटना पूर्व नियोजित थी, परमेश्वर ने कहा क्या कोई सरकार झड़प भड़का सकती है? यह कहना गलत नहीं है कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। क्या वे कन्नड़ भाषा नहीं समझते? मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं, राज्य में किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा चाहे कोई भी हो, अगर गणेश उत्सव या किसी अन्य त्यौहार के दौरान अनावश्यक गड़बड़ी और झड़पें होती हैं, तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। हम बिना किसी समझौते के कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा भाजपा को बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने दें और उन्हें अपनी मर्जी से व्याख्या करने दें। उन्हें यह कहने दें कि परमेश्वर ने यह कहा, यह छोटा या बड़ा था। मैं भी उनकी तरह बोलने में सक्षम हूं। मैंने गुरुवार को ही विपक्ष से इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की अपील की थी। अगर वे राजनीति जारी रखना चाहते हैं, तो उन्हें ऐसा करने दें।

हम संभाल लेंगे। उन्होंने कहा हमें किसी समुदाय को खुश करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाता है और किसी के बयान के मुताबिक गलत व्याख्या की जाती है, तो हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। हमने पुलिस अधिकारियों को पहले ही चेतावनी दी थी कि किसी भी घटना के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा। पुलिस उप-धीक्षक (डीवाईएसपी) के खिलाफ भी जांच चल रही है। मैंने निर्देश दिया है कि घटना के कारणों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इसके आधार पर महानिदेशक (डीजी) ने सभी पुलिस अधीक्षकों (एसपी) और संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संवाद किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एडीजीपी और एसपी द्वारा जनता के साथ बैठकें की गईं। एहतियात के तौर पर केएसआरपी वाहनों को स्थान पर स्टैंडबाय पर रखा गया था। परमेश्वर ने कहा ऐसी घटनाओं में राहत प्रदान करने के लिए कुछ नियम हैं। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद हम स्थिति की समीक्षा करेंगे। परमेश्वर ने कहा नागमंगला झड़प के सिलसिले में ड्यूटी में ला-परवाही बरतने के लिए पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार को निलंबित कर दिया गया है। गणेश जुलूस के लिए पहले से ही मार्ग बता दिया गया था, लेकिन इंस्पेक्टर ने इसे बदल दिया।

कोई बड़ी चोट या झगड़ा नहीं हुआ

इससे पहले परमेश्वर ने गुरुवार को कहा था कि मांड्या जिले के नागमंगला शहर में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच हुई झड़पों को सांप्रदायिक हिंसा नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह घटना क्षणिक आवेश में हुई। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों से 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, और पथराव और वाहनों तथा संपत्तियों को आग लगाने जैसी घटनाओं में उनकी संलिप्तता के बारे में सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करने के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। परमेश्वर ने कहा घटना नहीं होनी चाहिए थी। जो एक छोटी सी घटना के रूप में शुरू हुई थी, वह समाप्त हो गई है। कोई बड़ी चोट या झगड़ा नहीं हुआ है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। जब जुलूस चल रहा था, तो पथराव किया गया, जिससे कुछ झड़पें हुईं। उसके बाद जब लगा कि सब कुछ सुलझ गया है और लोग तितर-बितर हो रहे हैं, तो कुछ लोगों ने बाइक और दुकानों में आग लगा दी, और बाद में (पुलिस) ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

वाल्मीकि विकास निगम घोटाला

भाजपा नेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात कर चुनाव रद्द करने की सिफारिश करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिकायत की है कि केंद्रीय चुनाव आयोग को बेल्लारी और रायचूर लोकसभा क्षेत्रों के चुनाव रद्द करने की सिफारिश की जाए क्योंकि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि विकास निगम में घोटाले में एक मंत्री मुख्य आरोपी है। पूर्व मंत्री बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, रमेश जारकिहोली, अरविंद लिंबावली, कुमार बंगारप्पा, विधायक बीपी हरीश, चंद्रप्पा, पूर्व सांसद जीएम सिद्धेश्वर, अन्ना साहेब जोले, बीवी नायक, पूर्व विधायक समेत अन्य नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने गहलोत से मुलाकात की और शिकायत दर्ज कराई। नेताओं ने कहा मामले की जांच करने वाले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट में सौंपी गई चार्जशीट में पूर्व मंत्री बी नागेंद्र को मुख्य आरोपी बताया है।

यह पता चला कि महर्षि वाल्मीकि विकास निगम के फंड का इस्तेमाल बेल्लारी और रायचूर लोकसभा क्षेत्रों के लिए किया गया था। ऐसे में उन्होंने राज्यपाल से केंद्रीय चुनाव आयोग से इन दोनों लोकसभा क्षेत्रों का चुनाव रद्द करने की अनुशंसा करने का अनुरोध किया। भ्रष्टाचार नियंत्रण अधिनियम 1988 के अनुसार

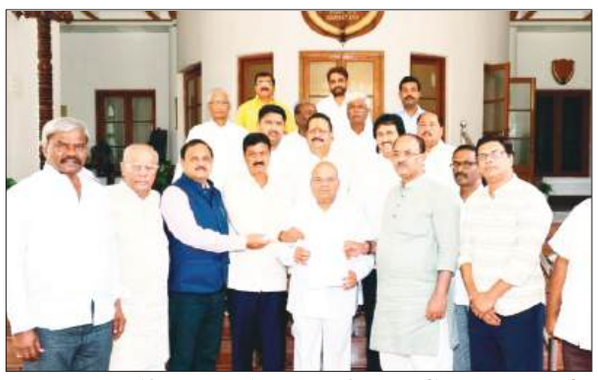

चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया गया है। यह स्पष्ट है कि संविधान के अनुच्छेद 46 और 14 के अनुसार राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने खुद माना था कि सदन में भ्रष्टाचार हुआ है। जैसा कि ईडी द्वारा प्रस्तुत आरोप पत्र में भी यह साबित हुआ है, पत्र में पूर्व मंत्री और बेल्लारी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक बी नागेंद्र की सदस्यता को अयोग्य घोषित करने के लिए चुनाव आयोग से सिफारिश करने का अनुरोध किया गया है। बेल्लारी विधानसभा क्षेत्र से गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले अरुण एस हिरेहल ने वोटों की गिनती खत्म होने से पहले चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। इस सब पर विचार करते हुए, नागेंद्र को सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित करने और बेल्लारी और रायचूर लोकसभा क्षेत्रों का चुनाव रद्द करने का अनुरोध किया गया है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली ने कहा कि उन्होंने शिकायत की है कि वाल्मीकि विकास निगम के घोटाले के पैसे का इस्तेमाल चुनावों में किया गया और गारंटी के लिए 16 हजार करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया गया। वोटों की गिनती से पहले हारे हुए प्रत्याशी अरुण हिरेहल ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। ईडी पहले ही कार्रवाई कर चुकी है। निगम के दद्दल को बर्खास्त किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने इसे गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि इसे अदालत में भी चुनौती देने का निर्णय लिया गया है।

एफएसएल टीम ने जुटाए कई सबूत

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

एफएसएल टीम ने मांड्या जिले के नागमंगला कस्बे में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में दंगा स्थल का दौरा किया और कई सबूत एकत्र किए। स्थानीय पुलिस के साथ पहुंची फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम ने जली हुई दुकानों पर जाकर उनके मालिकों से जानकारी ली और मौके पर मिले सामान, बोतलें, पत्थर और लाठियां जब्त कर लीं। यह पाया गया कि पेट्रोल बम के कारण सामग्री पिघल गई थी और सभी एकत्रित सामग्री को प्रयोगशाला में भेजा गया। जांच के दौरान यह एक पूर्व नियोजित साजिश प्रतीत हुई और उस स्थान पर कड़ी सुरक्षा प्रदान की गई। पुलिस गाड़ियों से गश्त कर रही है1 मैसूरु जोन के डीआईजीपी डॉ. बोरालिंगैया ने घटनास्थल पर डेरा डाल दिया है। एहतियात के तौर पर धारा 144 लागू कर दी गई है।

शिमला के बाद अवैध मस्जिद का मसला मंडी में भड़का

हिंदुओं का उग्र प्रदर्शन, अवैध मस्जिद हटाएगा प्रशासन

मंडी, 13 सितंबर (एजेंसियां)। शिमला में अवैध मस्जिद के खिलाफ चल रहे आंदोलन के साथ ही अब मंडी में भी अवैध मस्जिद का मसला गरमा गया है। इसके खिलाफ हिंदुओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रशासन ने मंडी में अवैध मस्जिद को सील करने का फैसला लिया है। इलाके के डिप्टी कमिश्नर ने सील करने का आदेश सुनाया है। इस मस्जिद को लेकर काफी विवाद था, कई हिंदू संगठन सड़क पर उतर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग भी करना पड़ा, वॉटर कैनन के जरिए पानी की बौछार भी हुई। लेकिन अब विवाद को बढ़ता हुआ देख डिप्टी कमिश्नर ने मस्जिद को सील करने का फैसला किया है।

उल्लेखनीय है कि कंगना रनौत मंडी से ही भाजपा सांसद हैं। अवैध मस्जिद को लेकर हिमाचल की राजनीति में भूचाल मचा हुआ है। जबकि शिमला की संजौली मस्जिद को लेकर बवाल थमा नहीं है। हिंदू संगठन अभी भी सड़क पर उतर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच अब मंडी विवाद ने तनाव बढ़ा दिया है।

संजौली विवाद खत्म करने के लिए सीएम सुखविंदर सिंह सिक्खू एक्शन में आ गए हैं। उनकी तरफ से एक सर्वदलीय बैठक की जा रही है, एक कमेटी का गठन भी किया गया है। कहा गया है कि हिमाचल एक शांति प्रिय प्रदेश है और इसे ऐसा ही बने रहने दिया जाना चाहिए। अभी के लिए सर्वदलीय बैठक के जरिए वर्तमान हालात पर मंथन किया जाना है और के रोडमैप को लेकर भी चर्चा होनी है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला मुख्यालय के जेल रोड में बिना नक्शा पास करवाए मस्जिद में किए गए निर्माण कार्य के विरोध में मंडी शहर में हिंदू संगठन आंदोलन कर रहे हैं। हिंदू संगठनों ने सेरी मंच से शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन शुरू किया। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद हिंदू संगठनों ने सेरी मंच से नारेबाजी करते हुए चौहाटा बाजार की तरफ रैली निकाली। इसके बाद स्कूल बाजार से जेलरोड की तरफ जाते ही प्रदर्शन उग्र हो गया। बेकाबू प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। उधर, भगदड़ में बहुत से लोगों की तबीयत बिगड़ी है। कई प्रदर्शनकारी पानी की बौछारों के लगने से मौके से हट गए। जबकि एक युवती की तबीयत बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

इलाके में माहौल तनावपूर्ण बना है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों को नेता लगातार आह्वान करते रहे कि शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया जाए। मंडी के डीसी ने प्रदर्शनकारियों से बात की और शांति बनाए रखने का अनुरोध किया। डीसी के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी पीछे हटने लगे और धीरे-धीरे प्रदर्शन स्थल को छोड़कर चले गए। मौके पर पुलिस पूरी तरह से नजर बनाए हुए हैं। जिला दंडाधिकारी अपूर्व देवगन ने मंडी शहर के सात वार्डों में बीएनएस की धारा 163 लागू कर दी है। पुलिस और प्रशासन मामले की गंभीरता को देखते हुए अलर्ट पर है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस का कड़ा पहरा है।

नगर निगम मंडी के तहत पैलेस कॉलोनी-1 में जेल रोड के पास मस्जिद में कथित अवैध निर्माण को लेकर उपजे विवाद के बाद मुस्लिम वेलफेयर कमेटी ने खुद निर्माण हटाना शुरू कर दिया था। आयुक्त कोर्ट में मामले की सुनवाई शुरू होने से 20 घंटे पहले समुदाय ने निर्माण गिराना शुरू किया। मुस्लिम वेलफेयर कम्यूनिटी के प्रधान रहीम अहमद और सदस्य इकबाल अली ने बताया कि लोनिवि की निशानदेही के बाद अवैध निर्माण गिराया जा रहा है। सुबह निर्माण हटाने को कहा था। मस्जिद अपनी मलकियत पांच बिस्वा जमीन पर बनी है। 33 वर्ग मीटर अवैध हिस्सा निकला है जिसे हटाया जा रहा है। अक्टूबर 2023 में निगम में नक्शे के लिए अप्लाई किया था। तब पीडब्ल्यूडी की एनओसी के बारे में किसी ने अवगत नहीं करवाया था। अब निगम कार्यालय में मस्जिद में अवैध निर्माण हटाने को लेकर पत्र दिया है।

आंदोलनकारी डॉक्टरों ने राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी को लिखा पत्र

चिकित्सकों को दिलाएं न्याय, अब बहुत देर हो रही

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। डॉक्टरों ने पत्र में आरजी कर मामले में मृत चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों को न्याय दिलाने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है। डॉक्टरों ने लिखा है कि उन्हें शीघ्र न्याय दिलाएं, क्योंकि काफी देर हो चुकी है।

डॉक्टरों ने पत्र में लिखा है, हम देश के प्रमुख के तौर पर आपके समक्ष मुद्दा रखते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे जो सहयोगी अपराध का शिकार हुए हैं, उनको न्याय मिले। आपके हस्तक्षेप के बाद ही पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के तहत स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर भय और आशंका के बिना जनता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम हो सकते हैं। उन्होंने लिखा कि कठिन समय में आपका हस्तक्षेप हमारे लिए प्रकाश की किरण के रूप में काम करेगा। जो हमें अंधेरे से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट द्वारा लिखे गए चार पन्नों के पत्र की प्रतियां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को भी भेजी गईं। डॉक्टर अनिकेत महतो ने बताया कि पत्र को महीने की शुरुआत में तैयार किया गया था और गुरुवार रात को भेजा गया।

गौरतलब है, अस्पताल के सेमिनार कक्ष में नौ अगस्त को प्रशिक्षु डॉक्टर का शव मिलने के बाद से घटना के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन हो रहे हैं। पुलिस ने इस सिलसिले में कोलकाता पुलिस के नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को गिरफ्तार किया था। टीएमसी सरकार और पश्चिम बंगाल पुलिस कठघरे में है। सुप्रीम कोर्ट से लगातार फटकार लग रही है। तनाव बढ़ता देख कलकत्ता हाईकोर्ट ने 13 अगस्त को जांच सीबीआई को सौंप दी थी। इससे पहले कोलकाता पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

वहीं, घटना के बाद देशभर के डॉक्टर सड़कों पर उतर आए थे। इससे मरीजों को दिक्कत होने लगी।

एक करोड़ से अधिक का एमडी ड्रग्स जब्त, दो गिरफ्तार

कर्णावती, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद के सरखेज विस्तार से क्राइम ब्रांच ने एक करोड़ से ज्यादा की कीमत का 984 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त किया है। इस मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस बार ड्रग्स की हेरा-फेरी के लिए नई मोडस ऑपरेंडी सामने आई है। एमडी ड्रग्स का यह जत्था विष्णु वादी नाम का आरोपी उदयपुर से मारुति ईको कार में लाया था। आरोपियों ने ड्रग्स के बारे में पुलिस को भनक न लगे इसलिए ड्रग्स को स्पेयर व्हील में छुपा कर रखा हुआ था। आरोपी विष्णु वादी यह ड्रग्स सरखेज सर्कल के पास रहने वाले आसिफ हुसैन को देने वाला था। लेकिन, ड्रग्स की डिलीवरी होने से पहले ही पुलिस ने दोनों आरोपियों को ड्रग्स के साथ दबोच लिया। आरोपी विष्णु वादी ईडर तालुका के सादापुर का रहने वाला है। जब्त किए गए ड्रग्स की कीमत 94.86 लाख है। अन्य सभी जब्त किए गए सामान समेत पुलिस ने कुल मिलाकर 1.02 करोड़ की चीजें जब्त की है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि उदयपुर के अतीक नाम के शख्स ने ड्रग्स का यह जत्था विष्णु वादी को दिया था और विष्णु यह दूसरी बार ड्रग्स की हेराफेरी कर रहा था। ड्रग्स की हेराफेरी के लिये जो कार इस्तेमाल की गई वह विष्णु के भाई की थी। विष्णु ने अपने भाई से घूमने जाने का बहाना बनाकर उसकी कार मांगी थी। विष्णु के खिलाफ इससे पहले दो शिकायत पुलिस में दर्ज की गई है। ड्रग्स लेने से पहले आरोपी ने ड्रग पैडलर को डाउन पेमेन्ट भी दिया था।

अहमदाबाद का आसिफ हुसैन पिछले डेढ़ साल से ड्रग्स के कारोबार से जुड़ा हुआ है। शातिर आरोपियों ने पुलिस को शक ना हो इसलिए इको कार में अन्य सामान भी भरकर रखा हुआ था। पुलिस ने ड्रग्स का यह जत्था किस रुट से अहमदाबाद तक पहुंचा और इस ड्रग्स की डिलीवरी किसने मंगाई थी। उस दिशा में जांच को आगे बढ़ाया है। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के रास्ते यह ड्रग्स अहमदाबाद तक आया होने की पुलिस को आशंका है और इस दिशा में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने अपने एक्स हैन्डल पर अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम की सराहना करते हुए लिखा है कि पुलिस ने एक करोड़ से अधिक की कीमत का ड्रग्स जब्त कर ड्रग्स माफियाओं को बड़ा झटका दिया है। हर्ष संघवी ने स्पियर व्हील में छिपाए गए ड्रग्स का वीडियो भी साझा किया है।

कोलकाता कांड से दुखी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने कहा

मैं ममता के साथ कोई सार्वजनिक मंच साझा नहीं करूंगा

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य में हर जगह हिंसा है। बंगाल में कई चीजें सड़ चुकी हैं। बोस ने यहां तक कह दिया कि ऐसी स्थिति में वो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ कोई भी सार्वजनिक मंच साझा नहीं करेंगे।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्तव्य में विफल रही है। वो लोगों और समाज की भावनाओं को नहीं समझ पाई। बोस ने कहा कि वो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सामाजिक बहिष्कार करेंगे। जिन्हें उन्होंने बंगाल की लेडी मैकबेथ भी कहा। उन्होंने कहा कि बंगाल राज्य में कई चीजें सड़ चुकी हैं। बोस ने कहा कि वह कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में हुई घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जहां 9 अगस्त को एक जूनियर डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या कर दी गई थी। बोस ने कहा कि राज्य में हिंसा है, घर में हिंसा है, कैंपस में हिंसा है, अस्पताल में हिंसा है, शहर में हिंसा है। लोकतंत्र में बहुमत का चुप रहना ही इसका हिस्सा है, बहुमत के लिए चुप्पी नहीं। याद रखें, चुप्पी हिंसा है। बंगाल के समाज के साथ एकजुटता दिखाते हुए मैं मुख्यमंत्री का सामाजिक बहिष्कार करूंगा। मैं मुख्यमंत्री के साथ कोई सार्वजनिक मंच साझा नहीं करूंगा। न ही मैं किसी ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लूंगा जिसमें मुख्यमंत्री शामिल होंगी।

राज्यपाल सीवी. आनंद बोस ने कहा कि वे संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए मुख्यमंत्री के खिलाफ सक्रिय कदम उठाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे संविधान के अनुच्छेद 167 के तहत मुख्यमंत्री को अनुपालन के लिए निर्देश जारी कर रहे हैं। अनुच्छेद 167 में कहा गया है कि राज्य के मामलों के प्रशासन और कानून के प्रस्तावों से संबंधित मंत्रिपरिषद के सभी निर्णयों को राज्यपाल को बताना मुख्यमंत्री का कर्तव्य होगा। बोस ने कहा, मुझे लोगों की ओर से कई सवालों का सामना करना पड़ रहा है कि राज्यपाल वर्तमान स्थिति में क्या कदम उठाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। मैं भारत के संविधान के प्रति प्रतिबद्ध हूं। मैं बंगाल के लोगों के प्रति प्रतिबद्ध हूं। मैं आरजी कर पीड़ित के माता-पिता और विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों के प्रति प्रतिबद्ध हूं। मेरे आकलन में, सरकार लोगों और समाज की भावनाओं को समझने के अपने कर्तव्य में विफल रही है।

राज्यपाल ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात से बहुत दुख हुआ है कि सर्वोच्च अधिकारी कोलकाता पुलिस कमिश्नर, जिनसे कोलकाता में अपराध रोकने की अपेक्षा की जाती है।

उनके खिलाफ आपराधिक प्रकृति के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। राज्यपाल के अनुसार, आयुक्त ने जिस तरह से मामले को संभाला वह अत्यधिक संदिग्ध था। बोस ने कहा, कोलकाता पुलिस आयुक्त को राजभवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान आमंत्रित नहीं किया गया था, लेकिन उन्होंने जबरन समारोह में प्रवेश किया, जो कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, आपराधिक प्रकृति का है।

इस कथित मिलीभगत के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग थी। यह बात मुख्यमंत्री के संज्ञान में भी लाई गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब पुलिस आयुक्त के खिलाफ गंभीर कार्रवाई की जरूरत है, क्योंकि कानून इसकी मांग करता है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 329 के तहत दंडनीय है।

1987 के बाद पहली बार बदला कश्मीर का राजनीतिक परिदृश्य

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 13 सितंबर।

वर्ष 1987 के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर राज्य अपने राजनीतिक परिदृश्य में अभूतपूर्व क्षण देख रहा है। एक समय संघर्ष से घिरे इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और चुनाव एक साथ हो रहे हैं। जिन उम्मीदवारों को कभी सुरक्षा बलों की कड़ी सुरक्षा में दूर से मतदाताओं को संबोधित करना पड़ता था, वे अब अपने प्रचार अभियान के तहत हाथ मिला रहे हैं, समर्थकों को गले लगा रहे हैं और उनके साथ चाय भी पी रहे हैं।

यह जानकार आपको हैरानी होगी कि हिंसा के खतरे के कारण सूर्यास्त से पहले बंद होने वाला प्रचार अभियान अब आधी रात तक जारी है। श्रीनगर के ईदगाह निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व विधायक और वर्तमान पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के उम्मीदवार खुर्शीद आलम ने इस बदलाव पर टिप्पणी की, पहले हम सभी सूर्यास्त से पहले घर लौट आते थे। तब खतरा था। इन दिनों प्रचार रात 12 बजे तक चलता है। वे कहते हैं कि कभी संकोच और डर से ग्रस्त लोग अब खुलेआम नेताओं का अपने घरों में स्वागत करते हैं, उन्हें चाय पिलाते हैं और वोट के लिए आशीर्वाद देते हैं। पिछले 40 वर्षों में इस स्तर की भागीदारी अभूतपूर्व है।

पुलवामा में रहने वाले अब्दुल कयूम भट अतीत को याद करते हुए कहते थे कि प्रत्याशी घर-घर जाकर प्रचार करने से डरते थे। उन्हें आतंकवादी संगठनों और हुर्रियत नेताओं द्वारा किए जाने वाले पथराव और चुनाव बहिष्कार का डर था। अब लोग अपने घरों से निकल रहे हैं और अपने मुद्दों को सीधे उम्मीदवारों से साझा कर रहे हैं। हालांकि पिछले चुनाव चक्रों के घाव गहरे हैं। 1996 के चुनावों के दौरान, अलगाववादियों और आतंकवादी समूहों ने विशेष रूप से नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं को निशाना बनाया। हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों द्वारा पार्टी नेता मोहम्मद गुलाम की नृशंस हत्या और अन्य राजनीतिक हस्तियों पर अनगिनत हमलों ने खुले तौर पर राजनीतिक भागीदारी को हतोत्साहित किया।

पर इस बार एक बड़ा उलटफेर है, जो लोग कभी अलगाववादी समूहों के प्रभाव में चुनाव का बहिष्कार करते थे, वे अब सक्रिय रूप से राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं। अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद पहली बार, इस क्षेत्र में जमात-ए-इस्लामी के सदस्य, जो लंबे समय से चुनाव बहिष्कार से जुड़े हुए हैं, राजनीतिक मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। वैसे इस संगठन पर भारत के गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन इसके नेता निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। इन चुनावों को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है, कई लोगों का अनुमान है कि इस बार भारी मतदान होगा, चुनाव प्रचार जोरों पर होगा और राजनीतिक दलों की भागीदारी भी मजबूत होगी।

राजनीतिक विश्लेषकों को पिछले चुनावों की तुलना में इस बार अधिक मतदान की उम्मीद है, जहां प्रतिशत में नाटकीय रूप से उतार-चढ़ाव हुआ है। 1989 में मतदान प्रतिशत घटकर मात्र 5-10 प्रतिशत रह गया था, लेकिन 1996 तक सुरक्षा बलों ने इसे 50 प्रतिशत तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार बिना किसी जोर-जबरदस्ती के पूरे केंद्र शासित प्रदेश में उत्साह का माहौल है। इस राजनीतिक पुनर्जागरण में नए चेहरे उभर रहे हैं। मुफ्ती परिवार की तीसरी पीढ़ी इल्तिजा मुफ्ती राजनीति के मैदान में पदार्पण कर रही हैं, जबकि उमर अब्दुल्ला के बेटे पहली बार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। भाजपा जैसी स्थापित पार्टियों के साथ-साथ कई छोटे समूह भी चुनाव लड़ रहे हैं।

चुनाव भूल कर लोग निहारने लगते हैं धरती का स्वर्ग

जम्मू, 13 सितंबर (ब्यूरो)। यह सच है कि कश्मीर में इस समय चुनाव के माहौल में कहीं न कहीं खतरे की बू भी जरूर आ रही है पर कश्मीर आने वाले पर्यटकों के लिए न ही यह खतरा कोई मायने रखता है और न ही चुनाव। ऐसे में सबका एक ही मंत्र है। चुनावों को भूल जाइए, कश्मीर में सितंबर और अक्टूबर के लिए पर्यटकों की बुकिंग में फिर से उछाल देखने को मिल रहा है। जुलाई और अगस्त के दौरान कम आवक के बाद, एक बार फिर पर्यटकों की संख्या में उछाल देखने को मिल रहा है।

कश्मीर में पर्यटकों की आमद देखी जा रही है। ट्रैवल एजेंटों ने कहा कि पिछले महीने की तुलना में पर्यटकों की आवक में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। ट्रैवल एजेंट निसार अहमद भट के बकौल, पिछले महीने की तुलना में पर्यटकों की आवक में वृद्धि हुई है। अभी हमारे पास दक्षिण भारतीय राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात से पर्यटक आते हैं। हम एक सफल शरद ऋतु के मौसम की उम्मीद कर रहे हैं। वे मानते हैं कि अब तक, चुनाव की घोषणा का पर्यटन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। हम सितंबर और अक्टूबर के लिए पर्यटकों की आवक में फिर से उछाल देख रहे हैं। कश्मीर ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रऊफ अहमद ट्रंबू कहते थे कि जुलाई और अगस्त के दौरान जब कश्मीर में अमरनाथ यात्रा चल रही थी, तब हमने बहुत कम मांग देखी थी।

उनका कहना था कि कि डर यह था कि चुनावों के दौरान कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट देखी जाएगी। कश्मीर हमेशा से पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित गंतव्य रहा है। ट्रंबू कहते थे कि पहले चुनाव के दौरान पर्यटकों की संख्या में गिरावट देखी जाती थी, लेकिन इस चुनाव में पर्यटन क्षेत्र सबसे कम प्रभावित हुआ है।

यही कारण है कि 20 अक्टूबर को होने वाला कश्मीर मैराथन 2024 भी देश के विभिन्न हिस्सों और दुनिया भर से पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित करने वाला है। भट के बकौल, यह एक मेगा मैराथन होने जा रहा है। हमें मैराथन की तारीख के बारे में पर्यटकों से पूछताछ मिल रही है और वे अक्टूबर के लिए अपनी यात्राएँ बुक कर रहे हैं। गौरतलब है कि जून 2024 तक एक करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए हैं। जून तक 26,000 विदेशियों सहित 15.65 लाख पर्यटक कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि अक्टूबर और नवंबर में पर्यटकों की आमद में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

योगी के मंत्रियों ने अखिलेश यादव पर किया चौतरफा हमला

लुटेरों डकैतों की कोई जाति नहीं होती

सिपाही शैलेश राजभर को किसने मारी थी गोली?

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई कैबिनेट मंत्रियों ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर निशाना साधा। सुल्तानपुर डकैती प्रकरण पर उनके बयान को लेकर मंत्रियों ने आईना दिखाते हुए कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती है। सर्राफा एसोसिएशन ने भी सुल्तानपुर डकैती के खुलासे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस की तारीफ की है। इन लोगों ने पूछा कि अब अखिलेश यादव बताएं मंगेश अपराधी था कि नहीं। वह किसी अपराधी को लेकर भला कैसे प्रेस कांफ्रेंस कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जबसे उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से कानून व्यवस्था चुस्त और

अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं। सुल्तानपुर में ज्वेलर्स के यहां हुई दिनदहाड़े डकैती में सपा समेत विपक्षी पार्टियों के लोग डकैतों के संरक्षण का काम कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सुल्तानपुर की घटना में सरकार ने गंभीरता से जांच कराई है। तथ्यों पर जानकारी एकत्र की है, जो लोग वांछित थे सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन निकाल, वांछित लोगों की पहचान कर कार्रवाई की। सुल्तानपुर की घटना हो या प्रदेश की अन्य घटना, समाजवादी पार्टी हमेशा अपराधियों के समर्थन में रही है। जिसके यहां अपराध हुआ उस ज्वेलर्स के समर्थन समाजवादी पार्टी के मुखिया की तरफ से एक भी शब्द नहीं निकले। समाजवादी पार्टी अपराधियों के साथ खड़ी रहती है। जिस बेटी के साथ रेप हुआ है, सपा उसकी बजाय अपराधियों के साथ खड़ी नजर आई।

सुल्तानपुर घटना में वांछित अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान अपराधी के एनकाउंटर पर अब समाजवादी पार्टी जाति के आधार पर उसके समर्थन में जुट गई है।

हमारे सरकार की प्रतिबद्धता है कि अपराधी अपराधी होता है, अपराधी कोई जाति नहीं होता। हमारे साथ सर्व समाज के लोग जुड़े हुए हैं। घटना में वांछितों के घर से लूट का 2.5 किलो से अधिक सोना बरामद हुआ। जनता जानती है कि समाजवादी पार्टी की जब-जब सरकार रही है, अपराधियों को पुष्पित पल्लवित करती रहती है। सपा राज में राजधानी लखनऊ में हजरतगंज के क्षेत्राधिकारी को लोहिया वाहिनी के गुंडो ने बोनट पर घुमाया था।

जीप को ले जाकर एसएसपी लखनऊ के बंगले में घुसा दिया गया था। आज तक उस घटना में कितनों की सजा हुई। यह समाजवादी पार्टी जानती है। बदायूं और मथुरा के जवाहर बाग कांड को कौन भूल सकता है। इसमें पुलिस अधिकारी वीरगति को प्राप्त हुए थे। मुजफ्फरनगर में हमारी एक बहन बेटी के साथ दुर्व्यवहार हुआ था। मुजफ्फरनगर दंगे में कितने निर्दोष मारे गए थे, समाजवादी पार्टी को इसका जवाब देना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि सुल्तानपुर एनकाउंटर के बारे में विपक्ष के लोग उल्टा-पुल्टा बयान दे रहे हैं। अपराधी की कोई जाति नहीं होती है। इनकी सरकार में अखिलेश निषाद को मार दिया गया था। उन्होंने कहा कि अयोध्या मछुआ समुदाय के लिए ऐतिहासिक जगह है। अयोध्या में गोली चलाने वाले उसके विकास को क्या जानेंगे।

अयोध्या के बारे में कुछ बोलने का मतलब निषाद समाज के बारे में कहना है। यूपी पहले बीमारू राज होता है, आज उत्तर प्रदेश विकास की राजधानी है।

कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि योगी सरकार जाति के आधार पर काम नहीं करती है। मैं उत्तर प्रदेश पुलिस को बधाई देता हूं कि सुल्तानपुर डकैती का निष्पक्ष तरीके से

अनावरण किया है। आखिर अखिलेश यादव किसी अपराधी को लेकर कैसे प्रेस कांफ्रेंस करते हैं जबकि आज प्रदेश के लॉ एंड आर्डर को लेकर हर जगह सराहना हो रही है। उन्होंने अयोध्या मामले पर अखिलेश यादव के बयान को गलत बताया है। लोकसभा चुनाव में झूठ बोलकर अखिलेश यादव जीते चुके हैं, लेकिन काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है।

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सर्राफा एसोसिएशन ने सुल्तानपुर डकैती के खुलासे पर पुलिस की तारीफ है। अब अखिलेश यादव ही बताएं कि वह अपराधी था या नहीं। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई में जब पुलिसकर्मी भी शहीद हो जाते हैं तब अखिलेश यादव क्यों कुछ नहीं बोलते हैं। ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव से पूछा कि सिपाही शैलेष राजभर को गोली किसने मारी, यह जवाब भी मिलना चाहिए। सपा अब कांग्रेस के अलगावाद पर चल रही है। अखिलेश यादव अब चोर और लुटेरों की तस्वीर में अपने लोगों को खोज रहे हैं। अपराधियों को टिकट देना और उनको नेता बनाना पहले से इनका इतिहास रहा है।

सपा नेता अखिलेश यादव के बयान पर भड़के साधु-संत

मुख्तार-अतीक को गोद में बिठाने वाले क्या जानेंगे संत और माफिया का फर्क

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के बयान पर सूबे के साधु-संत नाराज हैं। धर्माचार्यों ने अखिलेश पर कहा कि मुख्तार-अतीक को गोद में बिठाने वाले मठाधीश और माफिया का फर्क और मठ-मंदिर की मर्यादा क्या जानेंगे। संतों ने कहा कि मानसिक संतुलन खो बैठे अखिलेश को ईश्वर सद्बुद्धि प्रदान करें। मठाधीश को माफिया से जोड़ना निकृष्टता का परिचायक है। संतों ने कहा, अखिलेश यादव का बयान बेहद निंदनीय है।

श्री पंचायती अखाड़ा उदासीन निर्वाण के महंत दुर्गा दास ने कहा,

योगी आदित्यनाथ जिस गद्दी के पीठाधीश्वर हैं, वह बहुत पूज्यनीय है। मठाधीश तो सभी संत होते हैं, सबकी गद्दी होती है। अखिलेश यादव का ऐसा कहना गलत बात है। मठाधीश की तुलना सनातन धर्म में भगवान से की गई है। मठाधीश को माफिया से जोड़ना निकृष्टता का परिचायक है।

आगरा स्थित श्री मनकामेश्वर मंदिर के महंत योगेश पुरी महाराज ने कहा, मठाधीश तो वो भी हैं, राज सत्ता वो भी चलाते हैं। अखिलेश अगर कह रहे हैं कि मठाधीशों और माफिया में कोई अंतर नहीं है तो पहले वह अपने को देखें। उन्होंने क्या किया है? जिसके पिता ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाई थीं, जिनके मंत्री श्रीराम के बारे उल्टी सीधी बातें करें। उनकी मंशा मठों के प्रति क्या होगी, यह सब समझ सकते हैं। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें।

श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी के सचिव संत यमुना पुरी ने कहा, अखिलेश यादव मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। जिसके पिता ने अपने शासन में अयोध्या में राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। उनका रक्त बहाया। जिन्होंने मुख्तार और अतीक अहमद जैसे माफिया को गोद में बिठाकर उनका संरक्षण किया, उन्हें मठाधीश और माफिया में फर्क कैसे समझ आएगा।

हनुमान गढ़ी के संत वरुण दास जी महाराज ने कहा, अखिलेश यादव को लुटेरों और सज्जनों में अंतर नहीं पता है। यह तुलनात्मक दृष्टिकोण से तनिक भी ठीक नहीं है। माफिया विध्वंस-असामाजिक कार्यों में शामिल होता है और मठाधीश संस्कृति बचाने के लिए सार्वभौमिक जनकल्याण में लगा रहता है। उसका प्रथम ध्येय सर्वे भवन्तु सुखिनः होता है। मठाधीश भारतीय संस्कृति का संवर्धन करते हैं। यूपी का नेतृत्व कर चुके अखिलेश यादव का यह बयान अशोभनीय है।

हनुमानगढ़ी के संत डॉ. देवेशाचार्य जी महाराज ने कहा, जिस प्रदेश में सर्वाधिक संतों का निवास हैं, वहां के पूर्व मुख्यमंत्री का यह दुर्भाग्यपूर्ण बयान है। उन्हें मठाधीश व माफिया का अंतर बिल्कुल भी नहीं पता है। माफिया अराजकता फैलाकर समाज को पीड़ा देते हैं, जबकि मठाधीश मठ-मंदिर के माध्यम से संस्कार-संस्कृति फैलाते हैं और विश्व को शिक्षित-संस्कारवान बनाते हैं।

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा, अखिलेश यादव का बयान राजनीति में नीचता की पराकाष्ठा है। राजनीति में दुष्चरित्र व्यक्तियों को परिवार मानने वाले से और क्या अपेक्षा की जा सकती है। यह सनातन धर्म व हिंदू धर्माचार्यों से उनकी नफरत को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश की जनता माफिया के इन दलालों को ठीक समय पर जवाब देगी। आवश्यकता पड़ने पर संत समाज अखिलेश यादव के विरुद्ध अभियान भी चलाएगा।

सुल्तानपुर के सराफा व्यापारियों ने दी अपनी प्रतिक्रिया

अपराधी डरेंगे नहीं तो अपराध रुकेगा कैसे!

लखनऊ, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता दोहराई है। सुल्तानपुर डकैती कांड में पुलिस के गुडवर्क पर सराफा व्यापारियों ने हर्ष और संतोष जताया है। सभी ने एक स्वर से कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारियों का इकबाल दिख रहा है। अपराधी के एनकाउंटर पर व्यापारियों ने एक सुर में बोला कि डकैत डर की ही भाषा समझते हैं, जब तक डर नहीं होगा, तब तक घटनाएं नहीं रुकेंगी।

उत्तर प्रदेश रिटेलर सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष रत्नेश कुमार अग्रवाल ने कहा, सुल्तानपुर में हुई डकैती की बड़ी घटना को सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में पुलिस ने सुमगता से सुलझा लिया। इस मामले में पूरे मॉल की बरामदगी व्यापारियों के लिए हर्ष का विषय है। पुलिस के टीमवर्क से इतनी बड़ी घटना का खुलासा और पूरे माल की बरामदगी हुई। इसके लिए सभी सराफा व्यापारी सीएम योगी आदित्यनाथ व डीजीपी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाकर हमें विश्वास दिलाया था कि उप्र में कानून-व्यवस्था निरंतर मेंटेन रहेगी। इसके प्रति वे प्रतिबद्ध भी रहे। प्रतिबद्धता दोहराने के लिए ज्वेलर्स सीएम के आभारी हैं। लूटकांड का खुलासा कर पांचों अपराधी पकड़े गए और पूरा मॉल बरामद हुआ। उन्होंने जाति-धर्म देखकर यह कार्य नहीं किया। उम्मीद है कि इसी तरह पुराने पेंडिंग केस भी खुलेंगे। हमारी टीम सीएम योगी, डीजीपी व अन्य अधिकारियों का सम्मान करेगी।

लखनऊ महानगर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा ने कहा, सुल्तानपुर में हुई डकैती में पुलिस ने शानदार गुडवर्क किया है। सभी बदमाश पकड़े गए। पहली बार है कि प्रशासन और पुलिस ने पूरा माल बरामद किया है। इसके लिए प्रदेश के सराफा व्यापारियों की तरफ से सीएम योगी के नेतृत्व में सुल्तानपुर पुलिस टीम को धन्यवाद देता हूं। एक अपराधी का एनकाउंटर होने से व्यापारी प्रसन्न हैं, क्योंकि डकैत डर की ही भाषा समझते हैं। जब तक डर नहीं होगा, तब तक घटनाएं नहीं रुकेंगी।

लखनऊ सराफा एसोसिएशन के संरक्षक और चौक सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन ने कहा, मुझे याद है कि विपिन सिंह ने चौक में रात में डकैती डाली थी। उसमें आंशिक माल बरामद हुआ था। पूरा माल बरामद होता या उसे कड़ी सजा मिल जाती तो दोबारा वह दुस्साहस नहीं करता। सीएम योगी के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों का इकबाल दिख रहा है। कम समय में माल की बरामदगी होने से व्यापारियों में फिर विश्वास बढ़ा है कि यूपी में कानून है। कोई अपराधी बच नहीं पाएगा। कानून का राज कायम रखने के लिए योगी जी का धन्यवाद। 42 से लगातार अध्यक्ष हूं। डकैती की रिकवरी साहसिक कार्य है।

विदेशों तक फैला है मोहम्मद उमर गौतम का नेटवर्क

फतेहपुर में चला रहा था धर्मांतरण की फैक्टरी

50 से अधिक मुकदमे 400 आरोपी

फतेहपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पूरे देश में धर्म परिवर्तन का जाल बिछाने वाले जिले के मौलाना उमर गौतम को एनआईए कोर्ट ने महज तीन साल में आजीवन कारावास की सजा सुनाकर आस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है। वहीं जिले में धर्मपरिवर्तन की फैक्टरी चलाने वाले कानूनी दाव पेंच की वजह से बेखौफ घूम रहे हैं।

बीते दो साल में ईसाई मिशनरी और मुस्लिम धर्म में परिवर्तन के दो बड़े मामले सामने आए। इनमें पुलिस प्रशासन की लाख कोशिशों के बाद मजबूत कार्रवाई नहीं दिखी। पंथुआ के मौलाना उमर गौतम का आजीवन कारावास के बाद लोग इलाकाई लोग घृणित कार्य के लिए माफ नहीं कर रहे हैं। इस सजा को लोग कम मान रहे और फांसी की सजा चाहते हैं। मौलाना उमर व नुरुल हुदा प्रबंधक समेत तीन पर चार्जशीट लगने के करीब दो साल बीतने वाले हैं। यहां के मुकदमे में अभी कोई फैसला नहीं आ सका है। शहर के हरिहरगंज स्थित ईसीआई और प्रेस बिटेरियन चर्चों पर अवैध धर्मांतरण की फैक्टरी तीन से चार दशकों से चलती आ रही है।

मिशनरी का भांडाफोड़ 14 अप्रैल 2022 की शाम ईसीआई चर्च में विहिप के हंगामे के बाद हुआ। उस समय पादरी मुकुल समेत 55 नामजद हुए। इस मामले की जांच में प्रयागराज नैनी स्थित एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के चांसलर, वीसी समेत करीब 150 लोग नामजदगी बढ़ी। इस एक मुकदमे के चार मामले धर्मपरिवर्तन पीड़ितों की ओर 150-150 लोगों पर दर्ज कराए गए। इस जांच में वर्ल्ड विजन संस्था, मिशन हास्पिटल संस्था समेत मिशनरी की कई संस्थाएं कार्रवाई के दायरे में आई। संस्थाओं को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल सकी। सदर कोतवाली क्षेत्र तुराबअली का पुरवा सईद गार्डेन में 21 जून 2022 सामूहिक धर्मपरिवर्तन की फैक्टरी का भांडाफोड़ वाराणसी के सुधांशू की शिकायत पर हुआ था। यहां दो कमरों में 60 छात्र मिले थे। दूर-दूर के जिलों से बेरोजगारों को रोजगार का लालच देकर युवकों को बिहार के इकलाख और उसके गैंग के सदस्य बुलाते थे। उन्हें मौलवी से रोजगार प्रशिक्षण के नाम पर मुस्लिम धर्म की शिक्षा दिलाई जाती थी। उनके केंद्र आबूनगर, लखनऊ बाईपास समेत कई इलाकों में चलते थे। सुधांशू की शिकायत पर कंपनी के हेड इकलाख, अरमान अली, मोहसिन, यासीन, आलिम कई अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। बताया जाता है कि इकलाख अभी तक फरार है।

मोहम्मद उमर गौतम अलीगढ़ की गरीब बस्तियों में अपनी पैठ बना रहा था। यहां रहने वाले लोगों की छोटी मोटी मदद करने के लिए एक टीम भी बना ली थी। मदद के नाम पर यह लोग गरीब परिवारों के घरों में जाकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए कहते थे। कई प्रकार के लालच दिए जाते थे। एटीएस की जांच में भी यह बात सामने आई थी। अवैध धर्मांतरण और अन्य अपराधों में उम्रकैद की सजा पाने वाले मोहम्मद उमर गौतम का अलीगढ़ से जुड़ाव पुराना माना जा रहा है। वह यहां आयोजित होने वाले कई धार्मिक कार्यक्रमों में भी शरीक हुआ था। एएमयू में हुए कई कार्यक्रमों में भी वह आया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद एटीएस एएमयू में भी जांच करने पहुंची थी।

उस वक्त अलीगढ़ में ही दस से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई थी। एएमयू के माली नवीन का नाम भी उस वक्त काफी उछला था। कहा तो यहां तक गया था कि नवीन का भी धर्म परिवर्तन कराया गया है मगर बाद में खुद ही उसने इसका खंडन किया था। एजेंसी की जांच में यह बात जरूर सामने आ गई थी कि उमर ने गरीब बस्तियों में अपनी पैठ बनानी शुरू कर दी थी।

एटीएस की जांच में पता चला था कि उमर गरीब बस्तियों में जाकर लोगों को झांसा देता था वह मुस्लिम देशों में उन्हें नौकरी के लिए भेजेगा। वहां भेजने की पूरी व्यवस्था उनकी संस्था करेगी। इतना ही नहीं लोगों को धर्मांतरण के बाद एक मोटी रकम देने का लालच भी देता था। उस वक्त करीब तीन परिवारों को वह अपने जाल में फंसाने में कामयाब भी हो गया था। लेकिन उसके कुछ ही दिन बाद उसकी गिरफ्तारी हो गई थी। यह तीन परिवार अलीगढ़ की गरीब बस्ती के बताए जा रहे हैं।

पंथुआ मजरे रमवा गांव के क्षत्रिय परिवार के उमर गौतम का जन्म साल 1964 को हुआ था। उसका असली नाम श्याम प्रताप सिंह गौतम है। पिता स्व. धनराज सिंह बड़े काश्तकार व एडीओ पंचायत थे। उमर का 20 साल की उम्र में धर्म परिवर्तन करना ग्रामीणों के जेहन में कई सवाल पैदा करता है। एटीएस की जांच के दौरान पूरे परिवार के सदस्यों की टीम ने जांच की थी। उमर गौतम के पुश्तैनी मकान में अभी ताला पड़ा है। उसके हिस्से में 12 बीघा खेत हैं। उसकी संपत्ति पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई।

वह शादी के बाद पंतनगर एग्रीकल्चर से बीएससी करने गया था। जहां से दिल्ली जाने के बाद अलीगढ़ की एक मुस्लिम महिला के संपर्क में आया था। श्याम प्रताप ने मुस्लिम धर्म अपनाते हुए साल 1984 में दूसरी महिला से शादी कर ली थी। इधर, परिवार से वास्ता रखना बंद कर दिया था। करीब 10 साल बाद दबाव बनाकर पत्नी राजेश कुमारी को रजिया, बेटे का नाम आदिल उमर गौतम व दो बेटियों को तकदीश व फातिमा गौतम नए नाम रखे थे।

राम जन्मभूमि मंदिर की सफाईकर्मी से सामूहिक दुष्कर्म, आठ गिरफ्तार

अयोध्या, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अयोध्या जिले के रौनाही थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा से तीन युवकों ने पखवारे भर तक अलग-अलग होटलों में ले जाकर दुष्कर्म किया। उसके पांच अन्य दोस्तों ने भी उससे छेड़छाड़ की। छात्रा की तहरीर पर कैंट थाने की पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

रौनाही थाना क्षेत्र की रहने वाली एक छात्रा ने दर्ज एफआईआर में बताया कि वह एक महाविद्यालय में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा और राम जन्मभूमि मंदिर में सफाई कर्मी है। वह सहादतगंज निवासी वंश चौधरी नामक युवक को पिछले चार वर्ष से जानती है। 16 अगस्त को वंश चौधरी उसके दोस्त विनय और शारिक घूमाने के बहाने उसे अंगूरी बाग स्थित एक गेस्ट हाउस में ले गए। वहां तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

इसके बाद वे लोग उसे बनवीरपुर स्थित एक गैराज में लेकर गए, जहां वंश चौधरी ने फिर से दुष्कर्म किया और उसके दोस्त शिवा ने नशे की हालत में उसके साथ छेड़छाड़ की। इस बीच वह आरोपियों के चंगुल में रही और 18 अगस्त की सुबह 11:00 बजे विनय ने उसे देवकाली बाईपास के पास छोड़ दिया। 22 व 23 अगस्त की रात वंश चौधरी व विनय ने उसी गैराज में उससे दुष्कर्म किया।

25 अगस्त की सुबह चार बजे उदित, वंश चौधरी, सत्यम और दो अज्ञात लोग उसे रामजन्मभूमि ले जाने के बहाने आए और रास्ते में सभी ने छेड़छाड़ की। इस वजह से गाड़ी भी डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वह घायल हो गई तो सभी ने उसे नाका के पास छोड़ दिया। कैंट थानाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

'नैतिक नाकामी' के कारण

दिल्ली के भाजपा विधायकों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर केजरीवाल सरकार को बर्खास्त करने का आग्रह किया है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल कई महीनों से जेल में बंद हैं, पांच महीने से कैबिनेट की बैठक तक नहीं हुई है और न ही विधानसभा सत्र बुलाया जा सका है। मुख्यमंत्री किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते, लिहाजा दिल्ली के छठे वित्त आयोग का गठन नहीं किया जा सका है। यह संविधान का सरासर उल्लंघन है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की कई रपटें सदन में पेश नहीं की जा सकी हैं। दिल्ली अद्धराज्य में संवैधानिक, प्रशासनिक, सरकार और अंततः जनता के स्तर पर बहुत कुछ ठप पड़ा है, लिहाजा इस सरकार को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। भाजपा विधायकों ने यह पत्र तब लिखा है, जब विधानसभा चुनाव मात्र 4-5 माह दूर हैं और बर्खास्तगी के बाद वैकल्पिक सरकार बनाना व्यावहारिक नहीं है। चूंकि पत्र विधायकों ने लिखा है, लिहाजा यह राजनीतिक कवायद है। राष्ट्रपति ऐसे पत्रों के आधार पर सरकारें बर्खास्त नहीं किया करते।

संविधान का सरासर उल्लंघन है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की कई रपटें सदन में पेश नहीं की जा सकी हैं। दिल्ली अद्धराज्य में संवैधानिक, प्रशासनिक, सरकार और अंतत: जनता के स्तर पर बहुत कुछ ठप पड़ा है, लिहाजा इस सरकार को तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। भाजपा विधायकों ने यह पत्र तब लिखा है, जब विधानसभा चुनाव मात्र 4-5 माह दूर हैं और बर्खास्तगी के बाद वैकल्पिक सरकार बनाना व्यावहारिक नहीं है। चूंकि पत्र विधायकों ने लिखा है, लिहाजा यह राजनीतिक कवायद है। राष्ट्रपति ऐसे पत्रों के आधार पर सरकारें बर्खास्त नहीं किया करते। अलबत्ता औपचारिकता निभाते हुए राष्ट्रपति ने वह पत्र गृह मंत्रालय को भिजवा दिया। यदि दिल्ली के उपराज्यपाल सरकार और राजधानी शहर के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अपनी रपट भेजते और राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा करते, तो उस पर गंभीर विचार किया जा सकता था। प्रधानमंत्री के साथ भी इस मुद्दे पर विमर्श किया जा सकता था।

अलबत्ता औपचारिकता निभाते हुए राष्ट्रपति ने वह पत्र गृह मंत्रालय को भिजवा दिया। यदि दिल्ली के उपराज्यपाल सरकार और राजधानी शहर के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अपनी रपट भेजते और राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा करते, तो उस पर गंभीर विचार किया जा सकता था। प्रधानमंत्री के साथ भी इस मुद्दे पर विमर्श किया जा सकता था। तब भी यह जरूरी नहीं था कि फाइल 'राष्ट्रपति भवन' भेजी ही जाती। दरअसल यह अध्याय केजरीवाल ने खुद लिखा है। बीते दोनों चुनावों में उनकी आम आदमी पार्टी (आप) को एकतरफा, प्रचंड बहुमत मिला था। दिल्लीवालों ने उसे एक अवसर देना तय किया था। शराब घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोप में जब मुख्यमंत्री को ही जेल जाना पड़ा, तो उससे पहले ही केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था। यह केजरीवाल की 'नैतिक नाकामी' थी कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। बेशक संविधान इस संदर्भ में खामोश है कि यदि एक मुख्यमंत्री को जेल होती है, तो उसकी संवैधानिक बाध्यता और व्यवस्था क्या होगी? शायद संविधान रचने वाले हमारे पुरखों ने इस स्थिति की कल्पना तक नहीं की थी कि भ्रष्टाचार के आरोप में किसी मुख्यमंत्री को, बिना सजा सुनाए, जेल में बंद करने की नौबत आ सकती है। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने भी केजरीवाल की नैतिकता का फैसला उन्हीं पर छोड़ दिया था। केजरीवाल को अदालत से जमानत भी नहीं मिल पा रही है। इन परिस्थितियों में केजरीवाल एक राष्ट्रवादी आंदोलनकारी की तरह हुंकार भरते रहे हैं कि वह जेल से ही सरकार चलाएंगे। शायद उन्हें जानकारी नहीं थी कि जेल में हदबंदियां और पाबंदियां कितनी होती हैं! वह बैठक तक नहीं कर सकते थे। कैबिनेट की बैठक बुलाना निषेध था। मौखिक रूप से, अपनी पत्नी के जरिए, सरकार के मंत्रियों और 'आप' के ओहदेदारों को कितने निर्देश दे सकते थे? राष्ट्रीय राजधानी में इसके नतीजे सामने और स्पष्ट दिख रहे हैं। केजरीवाल ने अभी तक किसी भी नेता या विधायक पर भरोसा नहीं किया है कि वह उसे नया मुख्यमंत्री बनवा सकते। बेशक पूरी दिल्ली में अराजकता का माहौल है। गर्मियों में आम आदमी को पानी नसीब नहीं हुआ और उसे टैंकर के पानी के लिए हाथापाई तक उतरना पड़ा। मॉनसून का मौसम आया और बारिश होने लगी, तो दिल्ली पानी-पानी हो गई। सांसदों के अतिविशिष्ट क्षेत्र के घरों तक में पानी घुस गया। इतना जलजमाव और जलभराव हुआ कि 50 से अधिक मासूम लोगों की मौत तक हो गई। पानी में करंट तैरने लगा, जिसके संपर्क में आने से भी कुछ मौतें हुईं। चुनाव फरवरी, 2025 से पहले होने हैं। हमें नहीं लगता कि केंद्र सरकार 'राष्ट्रपति शासन' लगाने की पराकाष्ठा तक जाएगी। उससे केजरीवाल और 'आप' के पक्ष में सहानुभूति की लहर पैदा हो सकती है। वैसे भी दिल्ली सरकार पर पूरी हुकूमत केंद्र सरकार की है, क्योंकि उपराज्यपाल उसका प्रतिनिधि है और वही 'मुखिया' है।

भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे

'तरंग शक्ति': गरज रहा भारत का आसमान

योगेश कुमार गोयल

भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है।

भारत की निरंतर बढ़ती रक्षा क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर उजागर करने तथा विविध भागीदारी अंतर्राष्ट्रीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने में अभ्यास के महत्व को रेखांकित करने के लिए इन दिनों जोधपुर में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' का आयोजन चल रहा है, जो भारत की रक्षा कूटनीति और सैन्य सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इस 'वॉर एक्सरसाइज' में भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। जोधपुर के आसमान में जब भारत की 'सूर्य किरण टीम' ने 9 हॉक्स विमानों के जरिये जोधपुर के आसमान में 'तिरंगा' बनाते हुए विलक्षण करतब दिखाए तो हर कोई दांतों तले उंगली दबाये उसे निहारता ही रह गया। 'तरंग शक्ति' के दौरान 9 सितंबर को तो जोधपुर में भारत की तीनों सेनाओं ने उस समय इतिहास रच दिया, जब पहली बार जल, थल और वायु सेना के उप-प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। यह पहला अवसर था, जब आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और नौसेना के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन ने 'तेजस' में उड़ान भरी और भारत के तीनों वाइस चीफ की ये उड़ान भारत के लिए रणनीतिक तौर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तरंग शक्ति में भारतीय वायुसेना के राफेल, सुखोई, मिराज, जगुआर और तेजस विमान पूरी दुनिया को अपना जलवा दिखा रहे हैं, वहीं अमेरिका के ए-10 थंडरबोल्ट, ग्रीक के एफ-16 फाइटिंग

फाल्कन, ऑस्ट्रेलिया के एफए-18 हॉरनेट, जापान के मित्सुबिशी एफ-2 सहित अन्य देशों की एफ-16 विमान के साथ आई टीमें साथ मिलकर एयर-टू-एयर तथा एयर-टू-ग्राउंड ऑपरेशन में अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। 'तरंग शक्ति' के पहले और दूसरे चरण में कुल 800 सैनिक शामिल हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की रायल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स ने भारतीय वायुसेना के 'तरंग शक्ति' अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा के लेने के लिए पहली बार अपने लड़ाकू विमानों को भारत भेजा है। 12 सितंबर से तरंग शक्ति में 'डिफेंस एक्सपो' शुरू होगा. जिसमें स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस, लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर ध्रुव शामिल है, साथ ही अन्य हथियारों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। 'तरंग शक्ति' का आयोजन पहले 2023 के अंत में करने की योजना थी लेकिन कुछ कारणों से उसे उस समय टाल दिया गया था और अब आयोजित किए जा रहे इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में स्वदेशी वायु रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को दर्शाया जा रहा है। इस वायु अभ्यास में भारतीय वायुसेना अपने हल्के लड़ाकू विमान, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर तथा हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी प्लेटफार्मों का प्रदर्शन कर रही है। इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास का उद्देश्य इसमें हिस्सा लेने वाले सभी देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देना, उन्हें सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और परिचालन समन्वय में सुधार करने में सक्षम बनाना है। 'तरंग शक्ति' में उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण के अलावा रक्षा प्रदर्शनियां तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं और वायु अभ्यास में हिस्सा ले रहे देशों के रक्षाकर्मी भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों का दौरा भी करेंगे। 'तरंग शक्ति' भारत में आयोजित हो रहा अभी तक का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय वायु अभ्यास है, जो अपने यथार्थवादी युद्ध परिदृश्यों और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के लिए जाने जाते रहे अमेरिका के नेतृत्व वाले 'रेड फ्लैग' अभ्यास से प्रेरित बताया जाता है। करीब तीन महीने पहले 4 से 14 जून 2024 तक अलास्का में अयोजित हवाई अभ्यास 'रेड फ्लैग 2024' के दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना ने भी हिस्सा लिया था। सिंगापुर तथा अमेरिकी विमानों के साथ भारतीय राफेल भी उस संयुक्त अभ्यास में शामिल हुआ था। इन आयोजित मिशनों में आक्रामक काउंटर एयर और एयर डिफेंस भूमिकाओं में लार्ज फोर्स एंगेजमेंट के एक भाग के रूप में बियॉन्ड विजुअल रेंज युद्ध अभ्यास शामिल थे। अमेरिका द्वारा 'रेड फ्लैग' अभ्यास वर्ष में चार बार आयोजित किया जाता है और इसके दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना के अलावा सिंगापुर वायुसेना, ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स, रॉयल नीदरलैंड्स वायुसेना और जर्मन लूफ्टवाफे ने भी हिस्सा लिया था। भारतीय वायुसेना ने रेड फ्लैग में पहली बार 8 राफेल लड़ाकू विमान तैनात किए थे, जिन्हें ट्रान्साटलांटिक यात्रा के लिए आईएल-78 मध्य-हवा में ईंधन भरने वाले विमानों के साथ-साथ सी-17 ग्लोबमास्टर विमान की भी सहायता मिली थी। भारतीय वायुसेना द्वारा इससे पहले 1 से 10 अप्रैल 2024 तक अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए 10 दिवसीय हवाई सैन्य अभ्यास 'गगन शक्ति-2024' भी आयोजित किया जा चुका है, जिसमें देश के सभी वायुसेना स्टेशन बारी-बारी से शामिल हुए थे। उस युद्धाभ्यास में करीब 11 हजार वायु सैनिकों ने हिस्सा लिया था। 'गगन शक्ति-2024' में चीन और पाकिस्तान के साथ दो मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयारी का परीक्षण भी किया गया था।

दृष्टि कोण

रिफंड की बाट जोहते पीएसीएल निवेशक

पिछले दिनों चिटफंड कंपनी पीएसीएल यानी पल्स ग्रुप के चैयरमेन निर्मल सिंह भंगू की मौत की खबर आई थी। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली जेल में तबीयत बिगडऩे के बाद भंगू को दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गई। पल्स ग्रुप के मालिक निर्मल सिंह भंगू को पीजीएफ/पीएसीएल लिमिटेड द्वारा संचालित चिटफंड घोटाले में 8 जनवरी 2016 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था और वह तभी से जेल में था। हिमाचल, राष्ट्रीय अखबारों और राष्ट्रीय मीडिया में भंगू की मौत की खबर को ज्यादा तवज्जो नहीं मिली। राष्ट्रीय मीडिया वैसे भी अपनी गैर जरूरी बहसों के लिए बदनाम है। क्या ही अच्छा होता जो वह पीएसीएल और सहारा समूह से पीड़ित निवेशकों की व्यथा को उजागर करता। हिमाचल के निवेशकों ने भी पल्स ग्रुप में करोड़ों रुपया लगाया हुआ था और अभी भी हजारों लोगों का रुपया अटका पड़ा है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 45000 करोड़ रुपए के सामूहिक निवेश घोटाले में पीएसीएल (पूर्व में पल्स एग्रोटेक कॉर्प) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया था जिनमें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (एमडी) निर्मल सिंह भंगू, एमडी और प्रमोटर-निदेशक सुखदेव सिंह और दो कार्यकारी निदेशक गुरमीत सिंह और सुब्रत भट्टाचार्य शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निवेशकों का पैसा रिफंड करवाने के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढ़ा के नेतृत्व में एक समिति बनाई हुई है। समिति ने समूह की सारी संपत्ति जब्त कर ली और मार्च 2016 में संपत्ति की नीलामी शुरू की। सेबी ने अभी तक 19000 रुपए तक के दावे वाले 2.08 मिलियन से ज्यादा निवेशकों को 1021.81 करोड़ रुपए का भुगतान का दावा किया है। भारत में चिटफंड, पोंजी स्कीमों, एकत्रित निवेश योजनाओं, एमएलएम यानी बहुस्तरीय विपणन, मनी सरकुलेशन और पिरामिड आकार वाली गैर बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों द्वारा निवेशकों से रुपयों की उगाही और ठगे जाने का एक लंबा इतिहास रहा है। इसी वजह से पीएसीएल लिमिटेड (पर्ल ग्रुप), पश्चिम बंगाल की शारदा ग्रुप और सहारा ग्रुप जैसी कंपनियों के निवेशकों और एजेंटों में व्यापक असंतोष है। 13 फरवरी 1996 से पर्ल एग्रोटेक कंपनी लिमिटेड द्वारा पंजाब से अपना कारोबार बढ़ाना शुरू किया गया और 2010-11 की अवधि तक पूरे भारतवर्ष में पीएसीएल ग्रुप के कुल 283 कार्यालयों द्वारा व्यापक स्तर पर भूखंड आबंटित करने के नाम पर एकत्रित निवेश योजनाओं द्वारा करोड़ों रुपयों को इक_ा किया गया। सीबीआई को 22 अगस्त 2014 को पता चला कि पीएसीएल लिमिटेड की सभी व्यावसायिक गतिविधियां एकत्रित निवेश योजनाएं हैं और कम्पनी के प्रोमोटरों पर मुकद्दमा दर्ज किया गया। भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने सुब्रत भट्टाचार्य बनाम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) सिविल अपील संख्या -13301/2015 के मामले में तथा अन्य संबंधित मामलों में 2 फरवरी 2016 को एक आदेश पारित किया था। उक्त आदेश के माध्यम से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को अन्य बातों के साथ-साथ यह निर्देश दिया गया था कि वे माननीय न्यायमूर्ति श्री आरएम लोढा (भारत के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति) की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करे ताकि पीएसीएल लिमिटेड द्वारा खरीदी गई जमीन की बिक्री को डिस्पोज ऑफ किया जा सके और बिक्री से मिलने वाले पैसों से निवेशकों को भुगतान किया जा सके जिन्होंने पीएसीएल लिमिटेड में पैसा लगाया था। पाठकों को ज्ञात होना चाहिए कि बैंक और एनबीएफसी के बीच में अंतर होता है। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी का संचालन कंपनी एक्ट 1956 के तहत होता है और आरबीआई के साथ साथ इनका पंजीकरण कंपनी अधिनियम की धारा 609 के तहत नियुक्त कंपनी रजिस्ट्रार, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्य और संघ राज्य क्षेत्र आते हैं, के पास करवाया जाता है। वहीं बैंकों का संचालन बैंकिंग अधिनियम-1949 के तहत होता है। बैंकों में आम जनता के साथ मौद्रिक लेन-देन का दायरा व्यापक होता है जबकि एनबीएफसी छोटे बचतकर्ताओं से डिमांड डिपॉजिट स्वीकार नहीं कर सकते हैं। इसी तरह एनबीएफसी न तो अचल संपत्तियों के निर्माण में निवेश कर सकती हैं और न ही यह प्राथमिक रूप से कृषि या औद्योगिक गतिविधियों में शामिल हो सकती हैं। बैंक कृषि एवं उद्योग दोनों क्षेत्रों की वित्त संबंधी जरूरतों की पूर्ति करने के लिए अधिकृत हैं। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को सामूहिक निवेश योजनाओं, एमएलएमएपोंजी स्कीमों, लकड़ी, भेड़ बकरियों, पशुपालन, कृषि कार्यों इत्यादि से धन स्वीकार करने की अनुमति नहीं है और यह प्राइस चिट एंड मनी सरकुलेशन एक्ट 1978 के अंतर्गत एक संज्ञेय अपराध है। इस अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन पर निगरानी और आवश्यक कानूनी कार्रवाई राज्य सरकारों द्वारा की जा सकती है। मनी सरकुलेशन, मल्टी लेवल मार्केटिंग, पोंजी स्कीम ऐसी योजनाएं हैं जो सदस्यों को नामांकित होने पर आसान या त्वरित धन वापसी का वादा करती हैं। अमूमन इन स्कीमों से उत्पादों की ज्यादा बिक्री नहीं होती है, लिहाजा पिरामिड श्रृंखला टूट जाती है और पिरामिड से जुड़ा सबसे निचला सदस्य अधिकतम प्रभावित होता है।

कुछ अलग

राज सहायता का सच

राजसहायता या सहायिकी किसी आर्थिक या सामाजिक नीति को बढ़ाने के लिए दी गई वित्तीय सहायता होती है। यह आम तौर से सरकार द्वारा व्यक्तियों, कम्पनियों या संस्थाओं को दी जाती है। इसके कई रूप हो सकते हैं, जैसे कि सीधे पैसे देना, कर छूट देना, बिना ब्याज के ऋण देना इत्यादि। उपभोक्ताओं को सहायिकी किसी माल या सेवा की कीमत घटाने के लिए दी जाती है। मसलन भारत की राशन व्यवस्था में अनाज व अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती है। सहायिकी प्रदान करने का खर्चा अंततः दो ही स्रोतों से मिलता है: या तो इसे साधारण करदाता पर कर बढ़ाकर लिया जाता है या फिर उसे मुद्रा छापकर पूरा किया जाता है जिससे महंगाई बढ़ती है। कुछ क्षेत्रों में सीमित सहायिकी देने से सामाजिक कल्याण, कमजोर वर्गों की रक्षा और अर्थव्यवस्था में व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है। कर्ज के बोझ तले बुरी तरह दबे हिमाचल प्रदेश की आर्थिक हालत किसी से छिपी नहीं है। हिमाचल प्रदेश पर बढ़ते कर्ज के बोझ की वजह से यहां बड़े विकास कार्यों की राह पर भी रोड़ा अटका पड़ा है। इस बीच हिमाचल प्रदेश सरकार ने 16वें वित्त आयोग से राज्य के विकास को आगे बढ़ाने के लिए स्पेशल ग्रांट देने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने गगल एयरपोर्ट, शिवधाम, सडक़ और पुलों के लिए फाइनेंस कमीशन से उदार मदद की मांग उठाई है। राज्य सरकार ने 16वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के सामने 15 हजार 700 करोड़ रुपए का विशेष अनुदान देने का आग्रह किया है। यह अनुदान रूटीन में मिलने वाली मदद से अलग होगा है। वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेश के आर्थिक हालात लगातार बढ़ रहे कर्ज तले खराब होते जा रहे हैं जिस कारण आम लोगों की चिंता भी बढ़ रही है। प्रदेश में 42 फीसदी बजट कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मियों की पेंशन देने पर ही खर्च हो रहा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश में विकास के लिए नाममात्र का ही पैसा बचता है। जिस प्रदेश के कर्मचारियों के वेतन के लिए भी कर्ज उठाना पड़ता हो, वहां के आर्थिक सर्वेक्षण का मजमून भी अविश्वसनीय सा लगता है। यह इसलिए कि बोर्ड-निगमों की तश्तरी में सजी राज्य की जीडीपी घाटे में है। राज्य को पर्यटन, ऊर्जा व फल राज्य का दर्जा हासिल है, लेकिन इनसे जुड़े बोर्ड व निगम घाटे में हैं। राज्य सरकार अपने दम पर किसी बड़े प्रोजेक्ट को पूरा नहीं कर सकती। हर बड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए राज्य सरकार को केंद्र सरकार पर ही निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में अगर 16वें वित्त आयोग ने राज्य सरकार की मांग मान ली तो इससे राज्य को बड़ी राहत मिलेगी। सुक्खू वित्त आयोग की टीम के सामने राज्य के बदहाल आर्थिक हालात भी बयां कर चुके हैं। इसके अलावा बीते साल आई आपदा के दौरान प्रदेश को हुए नुकसान के लिए भी कम से कम पांच हजार करोड़ रुपए की मदद का आग्रह किया गया है। हाल ही में प्रदेश सरकार ने अमीरों को मिलने वाली बिजली की सब्सिडी को बंद करके भी एक सही फैसला लिया है। इसी तरह हिमाचल परिवहन में भी कुछ व्यवस्था की जानी चाहिए जिससे कि केवल जरूरतमंद लोगों को ही मुफ्त सेवा मिले। आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवडियां बांटकर वोट बटोरने का कल्चर सा चल पड़ा है। यह रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवडियां बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। इस रेवड़ी कल्चर पर भी रोक लगाने की जरूरत है।

देश दुनिया से

ब्रह्मचर्य और अध्यात्म

जीवन की औसत अवधि 100 वर्ष की है तो पहले 25 वर्ष ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिक्षा-दीक्षा होगी, उसके बाद के अगले 25 वर्ष, यानी 50 वर्ष तक की आयु में गृहस्थ आश्रम में रहते हुए दुनियावी जिम्मेदारियां निभाना, बच्चों का पालन-पोषण और उनकी शिक्षा-दीक्षा आदि की जिम्मेदारी संभालना, यह माना जाता है कि 50 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते बच्चे जवान हो जाते हैं, समझदार हो जाते हैं, खुद मुख्तार हो जाते हैं और मां-बाप पर निर्भरता नहीं रहती, अत: व्यक्ति अध्यात्म की ओर प्रवृत्त हो सकता है। जीवन के इस भाग को वानप्रस्थ आश्रम का नाम दिया गया है और यह संन्यास और गृहस्थ आश्रम के बीच की स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख-साधन का लालच छोड़ कर खुद को समाज की भलाई के लिए प्रवृत्त करता चलता है।

भारतीय सनातन संस्कृति में जीवन को चार भागों में बांटा गया है। अगर मान लिया जाए कि जीवन की औसत अवधि 100 वर्ष की है तो पहले 25 वर्ष ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिक्षा-दीक्षा होगी, उसके बाद के अगले 25 वर्ष, यानी 50 वर्ष तक की आयु में गृहस्थ आश्रम में रहते हुए दुनियावी जिम्मेदारियां निभाना, बच्चों का पालन-पोषण और उनकी शिक्षा-दीक्षा आदि की जिम्मेदारी संभालना, यह माना जाता है कि 50 वर्ष की आयु तक पहुंचते-पहुंचते बच्चे जवान हो जाते हैं, समझदार हो जाते हैं, खुद मुख्तार हो जाते हैं और मां-बाप पर निर्भरता नहीं रहती, अतः व्यक्ति अध्यात्म की ओर प्रवृत्त हो सकता है। जीवन के इस भाग को वानप्रस्थ आश्रम का नाम दिया गया है और यह संन्यास और गृहस्थ आश्रम के बीच की स्थिति है जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख-साधन का लालच छोड़ कर खुद को समाज की भलाई के लिए प्रवृत्त करता चलता है। इसके बाद के अंतिम 25 वर्ष संसार के काम छोड़ कर व्यक्ति पूरी तरह से अध्यात्म में ही प्रवृत्त हो जाता है। सहज संन्यास मिशन ने आज की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए इसे और आसान बना दिया है। एक सहज संन्यासी कभी भी अपना परिवार नहीं छोड़ता, समाज से दूर नहीं जाता, दुनिया से दूरी नहीं बनाता, बल्कि परिवार में रहते हुए, समाज में रहते हुए, दुनिया में रहते हुए सिर्फ अपनी सोच और जीवन पद्धति में ऐसे बदलाव लाता है कि जीवन सच्चा हो जाए, प्रेममय हो जाए, आध्यात्मिक हो जाए। इसे हम सहज सुलभ मार्ग कहते हैं क्योंकि यह प्राकृतिक जीवन है और बहुत आसान है, सरल है, सहज है। अगर हम अपना सनातन इतिहास देखें तो हम पाते हैं कि हमारे आदर्श रहे ऋषि-मुनि और मनीषीजन भी विवाहित थे, संन्यासी जीवन में भी उनकी धर्मपत्नी उनके साथ थी, उनके बच्चे भी होते थे और वे आदर्श जीवन जीते थे। महर्षि गौतम की कहानी हम सबने सुन रखी है। वे गंगा स्नान के लिए गए तो देवराज इंद्र ने उनकी धर्मपत्नी देवी अहिल्या के साथ धोखा किया। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि महर्षि गौतम और उनकी धर्मपत्नी देवी अहिल्या साथ-साथ रहते थे, बल्कि संन्यासी होते हुए भी उन्हें कामदेव के आह्वान से परहेज नहीं था। यही कारण है कि अपने सनातन इतिहास में हमें बहुत से ऋषियों, उनकी धर्मपत्नी और बच्चों का जिक्र मिलता है। उस जमाने में भी ऋषि-मुनियों द्वारा गुरुकुल में शिक्षा देने की प्रथा थी तो शिक्षा का काम गुरु देखते थे और गुरुकुल की व्यवस्था की जिम्मेदारी गुरुमाता पर होती थी। एक दो उदाहरणों से ही बात समझ में आ जाएगी। महर्षि कश्यप की धर्मपत्नी देवी अदिति, महर्षि वेदव्यास की धर्मपत्नी देवी वाटिका उर्फ पिंजला थीं। आधुनिक युग में एक बड़ा भ्रम यह है कि संन्यास का मतलब है ब्रह्मचारी होना। सच तो यह है कि ब्रह्मचर्य और अध्यात्म का कोई विरोध नहीं है। ब्रह्मचारी भी आध्यात्मिक हो सकता है और गृहस्थ व्यक्ति भी आध्यात्मिक हो सकता है। यह समझना आवश्यक है कि आध्यात्मिक होने के लिए ब्रह्मचर्य कोई अनिवार्य शर्त नहीं है। यही कारण है कि सहज संन्यास मिशन की परंपरा के संन्यासीगण न केवल गृहस्थ में बने रहते हैं बल्कि वे ब्रह्मचारी भी नहीं होते। हां, यह अवश्य है कि उनमें से कोई भी व्यभिचारी भी नहीं हो सकता। सहज संन्यास परंपरा के पुरुष अथवा महिला संन्यासीगण अपने जीवनसाथी के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से शारीरिक संबंध नहीं रख सकते। दरअसल, शुरुआती जीवन में ब्रह्मचर्य इसलिए आवश्यक है ताकि शरीर का पूरा विकास हो सके और समय आने पर व्यक्ति अपने जीवनसाथी को चरम सुख का आनंद दे सके। गृहस्थ आश्रम में भी व्यभिचार की मनाही इसीलिए है, क्योंकि एक से अधिक व्यक्तियों के साथ शारीरिक संबंध गुप्त रोगों का कारण बनते हैं, सेहत खराब होती है, और सारा परिवार दुख भोगता है। यही नहीं, व्यभिचारी व्यक्ति अपने इन संबंधों को छुपाए रखने के लिए झूठ पर झूठ बोलता रहता है। सहज संन्यास मिशन में हम संन्यासीगण अपने जीवन में व्यभिचार से परहेज के इस नियम का कड़ाई से पालन करते हैं, पर न गृहस्थ जीवन छोड़ते हैं और न ही जीवनसाथी के साथ संबंध बनाने से किनारा करते हैं। गृहस्थ जीवन से बाहर के संबंध पतन का कारण बनते हैं क्योंकि समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए व्यक्ति झूठ बोलता है, अपनी कमाई, जिस पर परिवार का हक है, किसी पराये व्यक्ति पर खर्च करता है, समय बर्बाद करता है, सेहत खराब करता है। यह व्यभिचार है और यह कार्मिक हिंसा है। ऐसे आचरण वाला कोई व्यक्ति आध्यात्मिक दिख सकता है, प्रतिष्ठित हो सकता है, शक्तिशाली हो सकता है, पर आध्यात्मिक तो नहीं ही हो सकता। सहज संन्यास मिशन का स्पष्ट नियम है कि हमें अच्छा दिखना ही नहीं चाहिए, बल्कि सचमुच अच्छा होना भी चाहिए, होना ही चाहिए। सहज संन्यासी बातचीत में, व्यवहार में स्त्री और पुरुष में भेद नहीं करता।

आप का नजरिया

राहुल का 'भारत विरोध'

यह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पुरानी आदत है। यह उनकी राजनीति का हिस्सा भी है अथवा कुछ विदेशी ताकतें ऐसा करने को उन्हें उकसाती रही हैं। करीब 7-8 साल से राहुल गांधी विदेशी सरजमीं से भारत के खिलाफ विषवमन करते रहे हैं। यदि वह आरएसएस, भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ ही टिप्पणियां करें, तो उन्हें राजनीति मान कर नजरअंदाज किया जा सकता है, लेकिन वह भारत-विरोध की तथ्यहीन, अज्ञानी, अपरिपक्व टिप्पणियां करेंगे, तो बेशक उसे 'देश-विरोध' ही समझा जाए और सरकार गंभीरता से ग्रहण कर निर्णय ले और उचित कार्रवाई करे। अब राहुल गांधी महज एक सांसद ही नहीं, बल्कि लोकसभा में 'नेता प्रतिपक्ष' हैं। वह संवैधानिक पद पर हैं और ऐसे राजनेता को 'छाया प्रधानमंत्री' आंका जाता है। यदि एक संवैधानिक व्यक्ति ही देश को अपमानित करेगा, चीन की तुलना में 'बौना' करार देगा और गलत तुलनात्मक विश्लेषण करेगा, तो यह देश, समाज और सरकार को उसे 'अक्षम्य' मानना चाहिए। ऐसा व्यक्ति देश, संविधान और कानून से ऊपर नहीं है। आजकल राहुल गांधी अमरीका में हैं। वह साक्षात्कार दे रहे हैं और विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित कर रहे हैं। क्या गलत तथ्य पेश कर रहे हैं और नई पीढ़ी को भ्रमित कर रहे हैं? दरअसल भारत के बारे में उनकी सोच ही गलत और पूर्वाग्रही है। वह भारत के मूल विचार को ही नहीं जानते। उनके अनुसार, भारत विचारों की विविधता वाला देश है। अमरीका की तरह राज्यों का संघ है। शायद उन्होंने संविधान के अनुच्छेद एक में जो परिभाषा दी गई है, उसे नहीं पढ़ा। पढ़ेंगे नहीं, तो समझेंगे कैसे? उसमें भारत को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र परिभाषित किया गया है। संघीय चरित्र और ढांचा होने के कारण उस राष्ट्र में कई राज्य भी हैं, लेकिन वे निरंकुश नहीं हैं। भारत सरकार ही संवैधानिक तौर पर उन्हें संचालित करती है। अलबत्ता राज्यों को भी कुछ अधिकार दिए गए हैं। बहरहाल राहुल गांधी ने दूसरा मुद्दा रोजगार का उठाया और दावा किया कि चीन, वियतनाम आदि कुछ देशों में 'बेरोजगारी की समस्या' ही नहीं है, जबकि अमरीका समेत पश्चिमी देशों और भारत में बेरोजगारी एक विकट समस्या है। यहां विश्व बैंक के आंकड़े गौरतलब लगते हैं, क्योंकि 2023 में चीन की बेरोजगारी दर 4.7 फीसदी थी, जबकि भारत में यही दर 4.2 फीसदी थी। यानी चीन में बेरोजगारी, भारत की तुलना में, अधिक रही है। वहां का एक ही उदाहरण पर्याप्त है कि 2 लाख नौकरियों के लिए करीब 77 लाख चीनियों ने आवेदन किया था। हम मानते हैं कि उत्पादन के क्षेत्र में चीन वैश्विक स्तर पर प्रभुत्व की स्थिति में है, लेकिन भारत भी आज 'एप्पल' और 'आईफोन 16' सरीखे अंतरराष्ट्रीय उत्पादों को बना रहा है। अब दुनिया भर में यही भारत-निर्मित उत्पाद सप्लाई किए जाएंगे और उन पर 'मेक इन इंडिया' अंकित होगा। सवाल है कि विदेशी मंचों पर राहुल गांधी, भारत के बारे में, गलत तथ्य पेश क्यों करते रहे हैं? यही नहीं, उन्होंने यहां तक कहा कि भारतीय राजनीतिक प्रणालियों और पार्टियों में प्रेम, सम्मान और विनम्रता का अभाव है।

कमला हैरिस से बहस में मात खा चुके ट्रंप बोले अब किसी डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगे

वाशिंगटन, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच हाल ही प्रेसीडेंशियल डिबेट हुई। जिसमें ट्रंप पिछड़ते नजर आए थे। डिबेट के बाद तमाम एक्सपर्ट्स ने दावा किया था कि कमला हैरिस ट्रंप पर भारी पड़ी थीं। हालांकि ट्रंप इसको मानने से इनकार करते हैं। रिपब्लिकन कैंडिडेट ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ट्रुथ सोशल पर इस बारे में लिखा। ट्रंप ने कहा कि कमला हैरिस का एक अन्य डिबेट के लिए रिक्वेस्ट करना यह दिखाता है कि वह मंगलवार की डिबेट हार चुकी हैं। अब इसकी भरपाई करने के लिए वह दूसरा मौका तलाश रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह अब कमला हैरिस के साथ किसी डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगे। ट्रंप ने लिखा कि पोल्स दिखाते हैं कि मंगलवार की डिबेट मैं जीत चुका हूं। कॉमरेड कमला हैरिस इस मुकाबले में हार चुकी हैं और उन्होंने तत्काल ही एक और डिबेट की मांग कर डाली। ट्रंप ने आगे लिखा कि अब कोई तीसरी डिबेट नहीं होने वाली है।

हालांकि अमेरिकी मीडिया की कहानी इससे बिल्कुल इतर है। एक पोल के मुताबिक डिबेट देखने वाले 63 फीसदी दर्शकों को लगता है कि कमला हैरिस आगे रहीं। वहीं, मात्र 37 फीसदी लोग ट्रंप को जीता हुआ मानते हैं। इसी तरह एक और पोल में 43 फीसदी लोगों ने कमला तो 28 फीसदी ने ट्रंप को विजेता माना। 30 फीसदी लोग इस बारे में किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाए। कमला हैरिस कैंपेन ने दावा किया है कि मंगलवार को हुई डिबेट के बाद मात्र 24 घंटे के अंदर उन्होंने 47 मिलियन डॉलर की रकम जुटाई। हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार बनने के बाद यह सबसे बड़ी फंड रेजिंग है।

कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आयोजित डिबेट को अनुमानित रूप से 6.70 करोड़ से अधिक लोगों ने देखा। टेलीविजन रेटिंग सेवा नील्सन ने यह जानकारी दी। मंगलवार को दर्शकों की संख्या 5.13 करोड़ से अधिक थी। 29 जून को रिपब्लिकन ट्रम्प और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच बहस देखने के लिए आई थी।

न्यूज ब्रीफ

नौकरी के विवाद में भारतीय ने सुपारी देकर करा दी भारतीय की हत्या

लंदन। लंदन की एक होटल में नौकरी लगवाने को लेकर एक होटल प्रबंधक की एक भारतीय ने हत्या करवा दी। रीडिंग क्राउन कोर्ट की ज्यूरी ने 25 वर्षीय शाजेब खालिद को विग्नेश की हत्या का दोषी पाया है। इसके मुताबिक खालिद ने इस काम के लिए 2000 पाउंड लिए थे और विग्नेश के ऊपर अपनी कार चढ़ा दी। विग्नेश की रॉयल बर्कशायर अस्पताल में 15 फरवरी की सुबह मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मरने की वजह सिर में चोट बताई गई। विग्नेश पट्टाभिरामन मूल रूप से कोयंबटूर के मदुरामलाई के पास आईओबी कॉलोनी का रहने वाला था। दिसंबर 2022 में वह अपनी पत्नी राम्य के साथ लंदन चला गया। यहां पर उसने वेल के एक दक्षिण भारतीय रेस्टोरेंट में नौकरी की। यहां से नौकरी छोड़ने के बाद विग्नेश चर्चिल स्थित हयात रीजेंसी लंदन में नौकरी करने वाला था। लेकिन तभी उसके साथ यह हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक विग्नेश को मारने की सुपारी एक अन्य भारतीय ने दी थी। मोहम्मद साकिब इस्माइल नाम का यह शख्स वेल के रेस्टोरेंट में ऑपरेशन मैनेजर है। उसने अपने दोस्त सोहित हुसैन से किसी ऐसे व्यक्ति का पता लगाने के लिए कहा जो विग्नेश को डरा सके। इस्माइल को लगता था कि विग्नेश उसके रेस्टोरेंट में लोगों को गैरकानूनी ढंग से नौकरी दिला रहा है। सोहिम ने विग्नेश को डराने का काम खालिद को दिया, जिसने विग्नेश के ऊपर कार चढ़ा दी। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक उसने हादसे के बाद एक व्यक्ति को कार से निकलते और तीन बार किसी चीज से हमला करते देखा।प्रॉसीक्यूशन का कहना है कि खालिद ने विग्नेश के पैसे भी चुराए।

वहीं, खालिद का कहना है कि उसने सिर्फ डराने के लिए कार दौड़ाई थी। लेकिन उसका नियंत्रण नहीं रहा और कार विग्नेश के ऊपर चढ़ गई। उसने कहा कि उसका इरादा विग्नेश को मारना नहीं था। इसके अलावा उसने पैसे चुराने के आरोप से भी इनकार किया है। खालिद साल 2007 में पाकिस्तान से आया था।

बांग्लादेश में अवामी लीग नेता नायब अली गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के जेनाइदाह-1 निर्वाचन क्षेत्र से अवामी लीग के पूर्व विधायक नायब अली जोर्डर को

गिरफ्तार कर लिया गया। रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी-6) ने उन्हें रात करीब 12:00 बजे शहर के अरप्पुर बस स्टैंड इलाके से गिरफ्तार किया। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो ने कहा है कि आरएबी-6 ने एक टेक्स्ट संदेश में उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। आरएबी-6 के एक अधिकारी ने बताया है कि आरएबी की एक टीम ने एक अभियान में नायब अली जोर्डर को उसके घर से गिरफ्तार किया। उन्हें हमले, तोड़फोड़ और आगजनी करने के आरोप में दर्ज दो अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया। उन्हें पुलिस को सौंपने की कानूनी प्रक्रिया चल रही है। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पांच अगस्त को इस्तीफा देकर देश छोड़ चुकी हैं। तब से बांग्लादेश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कई पूर्व मंत्रियों, सांसदों और तत्कालीन प्रधानमंत्री के सलाहकारों को गिरफ्तार किया है। नायब अली को शेख हसीना का करीबी माना जाता है।

विश्व प्रसिद्ध गायिका कैटरिना वैलेंटे का 93 वर्ष की आयु में निधन

बर्न (स्विट्जरलैंड)। विश्व प्रसिद्ध गायिका कैटरिना वैलेंटे का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। स्विस इंफो.सीएच ने उनके प्रेस प्रवक्ता गुंथर ह्यूबर के हवाले से यह खबर दी। ह्यूबर ने बताया कि वह स्विट्जरलैंड के लुगानो में अपने घर पर रहती थीं। उन्होंने नौ सितंबर को अंतिम सांस ली। उन्हें ऑल पेरिस इज ड्रीमिंग ऑफ लव की प्रस्तुति से दुनिया भर ख्याति मिली। अपने लंबे करियर में वैलेंटे ने मुख्य रूप से 1950 और 1960 के दशक में सदाबहार गीत गाए। उनमें गैंज पेरिस ट्रौमट वॉन डेर लीबे, त्सचाऊ, त्सचौ, बम्बिना या इट्सी बिट्सी टीनी वेनी होनोलूलू स्ट्रैंडबिकिनी प्रमुख हैं। उन्होंने जर्मन, इतालवी, फ्रेंच, अंग्रेजी और कई अन्य भाषाओं में गाने गाए। उन्होंने चांसन, जैज और पॉप गीतों को नया अंदाज देकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 2005 में वह निजी जीवन में चली गईं और फेसबुक पर सक्रिय रहीं। वैलेंटे का जन्म 1931 में पेरिस में इतालवी संगीतकार परिवार में हुआ।

पाकिस्तान में पुलिस और सेना के बीच ठनी

पुलिस ने किया चक्का जाम और कहा सेना हमारे काम में दखल देना बंद करे

इस्लामाबाद, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पुलिस और सेना के बीच भारी विवाद चल रहा है। पुलिस का कहना है कि खुफिया एजेंसी और सेना हमारे काम में काफी दखल देती है इससे हमारा काम करना मुश्किल हो गया है। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में पुलिस हड़ताल पर चली गई है। पुलिस का कहना है कि इस क्षेत्र से खुफिया एजेंसियों और सेना को बाहर किया जाए। पांच दिनों से पुलिस की हड़ताल जारी है। 9 सितंबर को सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने इंडस हाइवे पर चक्काजाम कर दिया था। यह हाइवे पेशावर से कराची को जोड़ता है। खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मारवात में पुलिस ने यह प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि सेना उनके काम में दखलअंदाजी करती है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सेना को जिला छोड़ देना चाहिए और पुलिस को अपना काम करने देना चाहिए। उन्होंने कहा, हम वादा करते हैं कि इलाके में शांति बहाल हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकारी ने कहा, ये जो अच्छा तालिबान और बुरा तालिबान का गेम खेलते हैं। यह खत्म नहीं हुआ है। हम लोग आतंकियों को गिरफ्तार करते हैं और ये कहते हैं कि छोड़ दो। बता दें कि खैबर पख्तूनख्वा में सेना बड़ी संख्या में मौजूद है। खास तौर पर अफगानिस्तान से सटी सीमा के इलाकों में सेना ने कब्जा कर रखा है। यहां तालिबान और कई अन्य संगठनों से लड़ाई भी चलती रहती है। पुलिस अधइकारियों ने यहां एंटी पोलियो टीम के साथ भी काम करने से इनकार कर दिया है। बीते दिनों पोलियो ड्यूटी के दौरान ही एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी गई थी। हाल में ही खैबर पख्तूनख्वा में कई जगहों पर आतंकी हमलों में पुलिसवालों की जान चली गई। इस साल खैबर पख्तूनख्वा में करीब 75 पुलिसकर्मी मारे गए हैं।

आसपास के जिले के पुलिस अधिकारी भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इनमें बन्नू, डेरा इस्माइल खान और टांक जिलों के पुलिस अधिकारी शामिल थे। पुलिसवालों का समर्थन करने के लिए कई रानजीतिक दल भी साथ खड़े हो गए। प्रदर्शानकारी पुलिसवालों का

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को घेरा, दहशतगर्द दो साथियों को गोली मारकर भागे

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में डेरा गाजी खान-क्वेटा रोड पर काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के जवानों से घिरे दो फितना अल-ख्वारिज आतंकवादियों को उनके साथियों ने गोली मार दी। साथियों की जान लेने के बाद भाग गए। सीटीडी के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। खबर के अनुसार, यह दोनों आतंकवादी मौके पर ढेर हो गए। सीटीडी ने आतंकियों के ठिकाने से एक हैंड ग्रेनेड और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। अन्य आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान चल रहा है। यह पहली बार नहीं है जब आतंकियों ने अपने ही किसी साथी की हत्या की हो। इससे पहले अगस्त में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के एक वांछित आतंकवादी को उसके ही साथी ने मार डाला था। सीटीडी ने मुल्क में आतंकवाद पर अंकुश लगाने के

सरकार के प्रयासों के मद्देनजर राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी अभियान ऑपरेशन आजम-ए-इस्तेहकम शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में आतंकी घटनाओं में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर की बाइडेन से होगी मुलाकात, रूस यूक्रेन युद्ध पर चर्चा संभव

वाशिंगटन, 13 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की आज यहां व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बाइडेन से होने वाली मुलाकात पर सारी दुनिया की नजरें टिकी हैं। व्हाइट हाउस ने कीर स्टार्मर की अमेरिका यात्रा पर छह सितंबर को जारी बयान में कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन 13 सितंबर को व्हाइट हाउस में द्विपक्षीय बैठक के लिए यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मेजबानी करेंगे। बयान में कहा गया कि व्हाइट हाउस में यह उनकी दूसरी बैठक होगी। दोनों नेता आपसी हित के अनेक वैश्विक मुद्दों पर गहन चर्चा करेंगे। इसमें रूसी आक्रामकता के खिलाफ यूक्रेन को मजबूत समर्थन जारी रखना, गाजा में युद्ध को समाप्त करने के लिए बंधकों की रिहाई और युद्धविराम समझौते को सुनिश्चित करना, अंतरराष्ट्रीय शिपिंग की रक्षा करना शामिल है। इस चर्चा में ईरान समर्थित हूती समूह से लाल सागर पर खतरे के अलावा स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक को आगे बढ़ाने जैसे बिंदु भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इससे दोनों नेताओं की जुलाई में मुलाकात हो चुकी है।

वैज्ञानिकों ने 2000 डिग्री सेल्सियस तापमान का नारकीय ग्रह खोजा

जेनेवा। वैज्ञानिकों ने ऐसा ग्रह खोजा है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। इस ग्रह का नाम है डब्ल्यूएएसपी-76बी। यहां के मौसम में हवा है लेकिन बहुत तेज गति में चलती है, हवा में लोहे के सूक्ष्म कणों की मात्रा बहुत ज्यादा है। दिन का तापमान 2000 डिग्री सेल्सियस है। यानी आप वहां गए और पिघल गए। हैरानी की बात है ये ग्रह अपने तारे से टाइडली लॉक्ड है यानी जुड़ा हुआ है। जैसे हमारा चांद। इसलिए इसके चारों तरफ तेज हवाएं चलती रहती हैं। इनमें लोहे के कणों की मात्रा भी बहुत ज्यादा है। ये लगातार वायुमंडल में कभी ऊपर तो कभी नीचे होती रहती हैं यानी यहां लोहे के कणों की परतें बिछी हैं। जो ज्यादा तापमान की वजह से दिन में पिघल-पिघल कर इस ग्रह की सतह पर गिरते रहते हैं। यह एक एक्सोप्लैनेट है यानी बाहरी ग्रह। बाहरी इसलिए क्योंकि ये हमारे सौर मंडल में नहीं है। 1990 से लेकर अब तक वैज्ञानिकों ने ऐसे 5200 बाहरी ग्रहों की खोज की है। इनमें से कई बृहस्पति और शनि जैसे बड़े हैं। कुछ चट्टानी तो कुछ पृथ्वी जैसे हैं। लेकिन उनमें रहने लायक जगह है या नहीं ये अभी तक पता नहीं चल सका है। डब्ल्यूएएसपी-76बी ने हाल ही में ध्यान आकर्षित किया है।

क्या दुनिया में मासांहार के कारण फैल रही जानलेवा बीमारियां?

बीजिंग, 13 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया में सार्स आया 2003 में। इसके बाद 2009 में फैला मर्स और एच1एन1 स्वाइन फ्लू। इबोला भी बार-बार फैलता रहता है। 2019 के आखिर में कोविड फैला। फिर अब मंकीपॉक्स की दहशत फैली हुई है। ये कुछ ऐसी बीमारियां हैं जो 15-20 सालों में दुनियाभर में फैलीं। इन सभी का एक ही सोर्स हैं, जानवर।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि हर साल 1 अरब से ज्यादा लोग जानवरों से फैली बीमारी के कारण बीमार होते हैं। इसमें लाखों की मौत होती है। डब्ल्यूएचओ का ये भी दावा है कि बीते तीन दशकों में इंसानों में 30 तरह की नई बीमारियां आई हैं और इसमें से 75 प्रतिशत जानवरों की वजह से फैली हैं। ये बीमारियां जानवरों को खाने या उन्हें बंदी बनाकर रखने से फैली हैं। 1950 के दशक में पोलियो खतरनाक बीमारी बनती जा रही थी। वैज्ञानिक इसकी वैक्सीन बनाने में जुटे थे। वैक्सीन के ट्रायल के लिए बड़ी संख्या में बंदरों की जरूरत पड़ी। इन बंदरों को लैब में रखा गया। ऐसी ही एक लैब डेनमार्क के कोपेनहेगन में भी थी। 1958 से 1968 के बीच एशिया से आने वाले सैकड़ों बंदरों में कई बार मंकीपॉक्स वायरस फैला। तब वैज्ञानिकों को लगा कि ये वायरस एशिया से ही फैल रहा है। लेकिन जब भारत,

इंडोनेशिया, मलेशिया और जापान के हजारों बंदरों का ब्लड टेस्ट किया गया, तब इनमें मंकीपॉक्स के खिलाफ एंटीबॉडी नहीं मिली। इससे वैज्ञानिक हैरान रह गए, क्योंकि सालों बाद भी वे इस वायरस के ओरिजिन सोर्स का पता नहीं लगा पाए थे। इसकी गुत्थी 1970 में तब सुलझी, जब पहली बार एक इंसान इस वायरस से संक्रमित मिला। तब कॉन्गो में रहने वाले एक 9 महीने के बच्चे के शरीर पर दाने निकल आए थे। ये मामला इसलिए हैरान करने वाला था, क्योंकि 1968 में यहां से चेचक पूरी तरह से खत्म हो गया था। बाद में जब इस बच्चे के सैम्पल की जांच हुई, तब इसमें मंकीपॉक्स की पुष्टि हुई। किसी इंसान के मंकीपॉक्स से संक्रमित होने का पहला मामला सामने आने के बाद कई अफ्रीकी देशों में जब बंदरों और गिलहरियों का टेस्ट किया गया तब उन में मंकीपॉक्स के खिलाफ एंटीबॉडी मिली। इससे वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया कि मंकीपॉक्स का ओरिजिन सोर्स अफ्रीका ही है।

मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविच की हत्या, पति ने गला घोंटा, शव के टुकड़े कर मिक्सी में पीसा

बर्न (स्विट्जरलैंड), 13 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व मिस स्विट्जरलैंड फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविक की उनके पति थॉमस ने ही निर्ममता से हत्या कर दी। दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। ऐसे ही विवाद के चलते दोनों में झगड़ा हुआ और थॉमस ने गुस्से में आकर क्रिस्टीना का गला घोंट दिया। इससे उसकी तुरंत मौत हो गई। शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपी ने पहले उसके टुकड़े किए इसके बाद मिक्सर में पीस दिया। एसिड में गलाकर फैंकने की योजना भी उसकी धरी की धरी रह गई और पुलिस के हत्थे चढ़ गया। उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। लेकिन उसने पुलिस को पूछताछ में जो बात बताई उससे पुलिस भी हैरान रह गई। वहीं, उसने यह भी कहा कि उसने अपनी पत्नी की हत्या आत्मरक्षा में की और वह उसकी मौत से घबरा गया था इसलिए उसने पत्नी के शव के टुकड़े किए।

थॉमस ने दावा किया कि उसने आत्मरक्षा में पत्नी की हत्या की और आरोप लगाया कि क्रिस्टीना ने उस पर चाकू से हमला किया था। हालांकि, मेडिकल रिपोर्ट उनके बयान का खंडन करती है। शव परीक्षण से पता चला कि उसके शरीर को किस क्रूर तरीके से टुकड़े-टुकड़े किया गया था, जिससे उसकी आत्मरक्षा याचिका पर संदेह पैदा हो गया। यह जघन्य अपराध फरवरी में सामने आया जब जोक्सिमोविक का क्षत-विक्षत शव मिला। अधिकारियों ने जांच शुरू की और तुरंत निष्कर्ष निकाला कि अंग-भंग करने से पहले उसका गला घोंटा गया था। इस जुर्म में पुलिस ने थॉमस को हिरासत में ले लिया था।

वहीं, थॉमस ने कोर्ट से जमानत की मांग की थी जिसको संघीय अदालत ने खारिज कर दिया। स्विस मीडिया के मुताबिक थॉमस ने एक आरा, चाकू और बगीचे की कैंची का उपयोग करके अपनी पत्नी के शरीर को टुकड़े-टुकड़े कर दिया। बाद में, उसने उन अवशेषों को गलाने के लिए एक रासायनिक घोल में डाल दिया। अधिकारी भी उसके इस अपराध की क्रूरता से भयभीत हो गए। थॉमस जेल की सलाखों के पीछे है। थॉमस और क्रिस्टीना से दो संतान (पुत्रियां) हैं।

अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत, जापान और जर्मनी को स्थायी सदस्यता देने का प्रबल पक्षधर

न्यूयॉर्क, 13 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा है कि भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। अमेरिका इसका लंबे समय से समर्थन कर रहा है। वह उसे फिर दुहरा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार संबंधी तीन प्रस्ताव पेश किए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वेबसाइट में लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड के इस प्रस्ताव का लिखित प्रारूप अपलोड किया गया है।

उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा का दो दिवसीय शिखर सम्मेलन यहां 22 सितंबर को शुरू होगा। इसका आदर्श वाक्य बेहतर कल के लिए बहुपक्षीय समाधान है। इस पर 24 से 30 सितंबर तक आम बहस होगी। परंपरागत रूप से बहस में पहला वक्ता ब्राजील 24 सितंबर को उच्चस्तरीय सत्र की शुरुआत करेगा।

दूसरा वक्ता अमेरिका होगा। मौजूदा राष्ट्रपति बाइडेन संयुक्त राष्ट्र के मंच से सदस्य देशों के नेताओं को अपने कार्यकाल का आखिरी संबोधन देंगे। वक्ताओं के संबंध में पहले कहा गया था कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 सितंबर को उच्चस्तरीय बहस में वक्तव्य देंगे। बाद में इसमें परिवर्तन किया गया कि उनके स्थान पर भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर 28 सितंबर को प्रस्तावित आम बहस में वक्तव्य दे सकते हैं। इन वैश्विक नेताओं के यहां पहुंचने से कुछ दिन पहले लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि अमेरिका अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्यता देने के अलावा दो अफ्रीकी देशों को स्थायी

सदस्य बनाने का भी समर्थन करता है।

उन्होंने विदेश संबंध परिषद के कार्यक्रम में बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र सुधार का भविष्य विषय पर चर्चा के दौरान घोषणा की कि अमेरिका छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के लिए सुरक्षा परिषद में एक नई सीट के सृजन का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि जी-4 में ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान हैं।

चारों देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए एक-दूसरे के दावों का समर्थन करते हैं। थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा, भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। अमेरिका परिषद में उसके शामिल होने का वास्तव में दृढ़ता से समर्थन करता है। मुझे लगता है कि भारत को सदस्यता देने से इनकार करने का कोई आधार नहीं है। मगर कतिपय लोग विभिन्न कारणों से विभिन्न देशों का विरोध करेंगे। हम आगे होने वाली बातचीत के दौरान इसपर भी बात करेंगे

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि हमारे पास आगे बढ़ने का एक रास्ता है। अब सुधार का वक्त आ गया है। परिषद को सशक्त बनाने की आवश्यकता है। दोस्त और गुरु स्वर्गीय मेडेलीन अलब्राइट के शब्दों में, 70 और उससे अधिक उम्र के लोगों की तरह, संस्थानों को भी थोड़े से नवीकरण की आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि दो साल पहले राष्ट्रपति बाइडेन ने घोषणा की थी कि संयुक्त राज्य अमेरिका अफ्रीका के साथ-साथ लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों को स्थायी प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए सुरक्षा परिषद के विस्तार का समर्थन करता है। साथ ही भारत, जापान और जर्मनी को स्थायी सीट प्रदान करने के समर्थन पर प्रतिबद्ध है। वक्त आ गया है कि राष्ट्रपति के इस दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदला जाए।

संयुक्त राष्ट्र के सैन्य सलाहकार पद पर नेपाल भी करेगा दावेदारी

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र के सैन्य सलाहकार पद पर नेपाल की तरफ से भी दावेदारी पेश की जाएगी। नेपाल सरकार ने सैन्य सलाहकार पद के लिए नेपाली सेना को अपनी दावेदारी पेश करने की इजाजत दे दी है। इसके बाद मेजर जनरल प्रेमध्वज अधिकारी को उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया गया है। सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल गौरव केसी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और प्रधान सेनापति के बीच हुई बैठक में संयुक्त राष्ट्र के सैन्य सलाहकार पद पर दावेदारी पेश करने का निर्णय लिया गया है।

आईएसएल : मोहन बागान और मुम्बई सिटी के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा नया सीजन

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मोहन बागान सुपर जायंट और मुम्बई सिटी एफसी के बीच शुक्रवार, रात से कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में खेले जाने वाले दमदार मुकाबले से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की शुरुआत होगी।

मोहन बागान ने 2020-21 और 2021-22 सीजन के शुरुआती मुकाबले केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ जीते थे लेकिन मुम्बई के खिलाफ उन्हें अपना रिकॉर्ड सुधारने की जरूरत है, क्योंकि उन्होंने अब तक अपने 10 मुकाबलों में से केवल एकबार मुम्बई सिटी एफसी को हराया है। हालांकि वो एकमात्र जीत बेहद महत्वपूर्ण थी, जो पिछले सीजन के दौरान अप्रैल में खिताब के निर्णायक मैचमें मिली थी।

अपने नए हेड कोच जोस मोलिना के साथ मोहन बागान चैंपियनशिप को बचाने के लिए उत्सुक हैं। मोलिना ने 2016 में एटीके को कोचिंग दी थी और यह भारतीय फुटबॉल के मक्का कहलाने वाले कोलकाता में उनकी वापसी है।

मोलिना ने मीडिया डे के दौरान आईएसएल से साक्षात्कार में कहा, मैं 2016 के बाद आईएसएल में वापस आकर बहुत उत्साहित हूं। मोहन बागानभारत के सर्वश्रेष्ठ क्लबों में से एक है और हमेशा आईएसएल चैंपियनशिप के लिए संघर्ष करता रहता है। इस क्लब का साथ एक बड़ी जिम्मेदारी है।लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करके टूर्नामेंट जीतने की उम्मीद है। मेरे यहां आने के बाद से खिलाड़ियों और लीग के स्तर में सुधार हुआ है। मैं यहां फिर सेआकर और भारतीय फुटबॉल को आगे बढ़ाने में योगदान करके बहुत खुश हूं।

चेक कोच पीटर क्रेटकी की देखरेख मुम्बई सिटी एफसी ने 19 आईएसएल मैचों में 68.42त्न की दमदार आंकड़े के साथ जीत दर्ज की है। पिछले सीजन के बीच में हेड कोच पद संभालने और फिर आइलैंडर्स को आईएसएल कप तक पहुंचाने के बाद क्रेटकी इस बार एक कदम आगे जाकर शील्ड जीतने के लिए उत्सुक हैं। क्रैटकी ने मीडिया डे के दौरान आईएसएल को कहा, आईएसएल शील्ड जीतना हमेशा एक सपना होता है। हम ट्रॉफी जीतने के लिए फुटबॉल में हैं। मुकाबले अभी शुरू नहीं हुए हैं, लेकिन इस सीजन के लिए भी हमारे उच्च मानक हैं। बतौर कोच, मैं चाहता हूं कि हम हर खेल जीतें। हम इसे हासिलकरने की पूरी कोशिश करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पावि स्तान में ही खेली जाएगी : ज्योफ एलार्डिस

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी तय कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान में ही खेली जाएगी। एलार्डिस के अनुसार इस टूर्नामेंट को कहीं और स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल की शुरुआत में पाक में खेली जाएगी। एलार्डिस का ये बयान जहां पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए राहत की बात है। वहीं भारतीय टीम के इस टूर्नामेंट में भाग लेने की संभावनाएं टूट गयी हैं। भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) टीम को सुरक्षा कारणों से पाक नहीं भेजना चाहता है। एलार्डिस ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन स्थल में बदलाव को लेकर कोई योजना नहीं है। इसके साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान से स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है। वहीं इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा था कि भारतीय टीम अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान तभी भेजी जाएगी, जब केंद्र सरकार इसके लिए अनुमति देगी। अब शुक्ला ने कहा कि चैंपियन ट्रॉफी के मामले में हम वही करेंगे जो भारत सरकार हमें करने के लिए कहेगी। हम अपनी टीम तभी भेजते हैं जब भारत सरकार हमें अनुमति देती है। इसलिए हम उसके अनुसार चलेंगे। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को मिनी वर्ल्ड कप कहा जाता है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान सहित 8 टीमें शामिल होंगी। पिछले साल भारत ने पाक की मेजबानी में हुए एशिया कप के अपने मुकाबले श्रीलंका में खेले थे। भारतीय बोर्ड वैसा ही कुछ यहां भी चाहेगा।

लेवर कप 2024 से हटे राफेल नडाल, टीम यूरोप के लिए प्रतिस्थापन की घोषणा अभी बाकी

नई दिल्ली। लेवर कप के 2024 संस्करण में राफेल नडाल शामिल नहीं होंगे, 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन ने शुक्रवार को टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की। नडाल ने एक बयान में कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत निराशा हो रही है कि मैं अगले सप्ताह बर्लिन में लेवर कप में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाऊंगा। यह एक टीम प्रतियोगिता है और वास्तव में टीम यूरोप का समर्थन करने के लिए, मुझे वह करने की जरूरत है जो उनके लिए सबसे अच्छा है और इस समय अन्य खिलाड़ी भी हैं जो टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास लेवर कप खेलने की बहुत सारी शानदार, भावनात्मक यादें हैं और मैं वास्तव में अपने साथियों के साथ और कप्तान के रूप में ब्योर्न के अंतिम वर्ष में रहने के लिए उत्सुक था। मैं टीम यूरोप को शुभकामनाएं देता हूं और दूर से ही उनका उत्साहवर्धन करूंगा।

दुनिया के सबसे दमदार बॉडीबिल्डर की मौत, महज 36 साल की उम्र में हार्ट अटैक से गई जान

लंदन। दुनिया के सबसे ताकतवर बॉडीबिल्डर के नाम से मशहूर इलिया 'गोलेम' येफिमचिक का 36 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें छह सितंबर को अस्पताल ले जाया गया था, जहां वह कोमा में चले गए थे। कुछ दिनों बाद 11 सितंबर को उनकी मौत हो गई। डेलीमेल ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि हार्ट अटैक आने के बाद एंबुलेंस के आने का इंतजार करते हुए उनकी पत्नी एना ने छाती को कम्प्रेस भी किया था। बाद में उन्हें हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। एना ने स्थानीय मीडिया को बताया, मैंने इस पूरे समय प्रार्थना करती रही। मैंने हर दिन उनके साथ बिताया। उनका दिल दो दिनों तक धड़का, लेकिन डॉक्टर ने मुझे एक भयानक खबर दी कि उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था। मैं संवेदना व्यक्त करने के लिए सभी का शुक्रिया अदा करती हूं। यह महसूस करना दिल को छू लेने वाली है कि मैं इस दुनिया में अकेली नहीं रह गई हूं। इतने सारे लोगों से मुझे मदद और समर्थन मिल रहा है। इलिया ने कभी भी किसी प्रोफेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन इस बेलारूसी बॉडी बिल्डर की सोशल मीडिया फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा था। उन्होंने नियमित रूप से अपने फैंस के साथ वीडियो साझा किए। उन्हें 'द म्यूटेंट' उपनाम भी मिला। जानकारी के मुताबिक, इलिया दिन में सात बार खाना खाते थे और अपने शरीर को बनाए रखने के लिए 16,500 कैलोरी से कंज्यूम करते थे।

एथियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत-पाकिस्तान के बीच होगी भिड़ंत आज

चार मैचों की जीत का दबदबा कायम विजयश्री के इरादे से उतरेगी इंडिया

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सेमीफाइनल में जगह बना चुकी भारतीय हॉकी टीम का शनिवार को पाकिस्तान से सामना होगा। एथियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बहु प्रतिक्षित आखिरी राउंड रॉबिन मैच में भारत अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगा। लगातार चार मैचों में जीत दर्ज कर चुकी भारतीय सेना अंक तालिका में शीर्ष पर है जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है।

लगातार चार मैचों में भारत ने दर्ज की जीत

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारत ने चीन को 3-0 से, जापान को 5-1, मलयेशिया को 8-1 और कोरिया को 3-1 से हराया। अब टीम की नजर पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले पर है। वहीं, पाकिस्तानी टीम ने मलयेशिया और कोरिया से 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके अलावा जापान को 2-1 और चीन को 5-1 से हराया है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

भारत-पाकिस्तान हेड टु हेड

मौजूदा फॉर्म की बात करें तो भारत का पलड़ा भारी है। हांगझोउ एशियाई खेलों में पिछले साल भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। उससे पहले चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर 4-0 से जीत दर्ज की थी। जकार्ता में 2022 एशिया कप में युवा भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से ड्रॉ पर रोका जबकि 2021 एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी ढाका में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

दोनों टीमों के कप्तानों के बयान

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए काफी उत्साहित हैं। मुकाबले से पहले कप्तान ने कहा- मैं अपने जूनियर दिनों से पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलता आया हूं। मेरा उनसे अच्छा संबंध है और वे भाई जैसे हैं। मैदान पर हालांकि किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जज्बात पर काबू रखना होता है। विश्व हॉकी में भारत और पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता का कोई मुकाबला नहीं है। मुझे यकीन है कि दुनिया भर में हॉकी प्रेमियों को इस मैच का इंतजार होगा। उन्होंने आगे कहा- इस मैच में पिछले परिणाम मायने नहीं रखेंगे। पाकिस्तान मजबूत टीम है और किसी भी समय मैच में वापसी का दम रखती है।

वहीं, पाकिस्तान के कप्तान अम्माद बट ने कहा- भारत ने इस टूर्नामेंट में अब तक चैंपियन की तरह खेला है। हमने भी मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार किया है और अनुशासित हॉकी खेली है। हम इस प्रदर्शन को बरकरार रखेंगे।

बाबा फरीद गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट 19 से

जैतो। 32वां ऑल इंडिया बाबा फरीद गोल्ड कप घरेलू हॉकी टूर्नामेंट 19 सितंबर से शुरु होगा। ये टूर्नामेंट हॉकी क्लब फरीदकोट में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा। बाबा फरीद हॉकी क्लब फरीदकोट के अध्यक्ष तेजिंदर सिंह ने कहा कि टूर्नामेंट में देश की 12 टीमें भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट से खेल की युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। जिन्हें अपने कौशल को दिखाने का एक मंच मिलेगा।

हांगकांग ओपन बैडमिंटन के अंतिम आठ में पहुंचे ओलंपिक चैंपियन एक्सेलसन

हांगकांग, 13 सितंबर (एजेंसियां)। डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन ने गुरुवार रात को हांगकांग ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने चीनी ताइपे के सु ली यांग को शिकस्त दी।

पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता दूसरे वरीयता प्राप्त एक्सेलसन ने 24-22, 21-6 से जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सम्मानछठी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टीएन चेन से होगा।

मैच जीतने के बाद एक्सेलसन ने कहा, ओलंपिक खेलों के बाद मैंने पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं लिया। इसलिए लगातार दो मैच जीतना आसान नहीं है। मेरा लक्ष्य अपनी फॉर्म वापस पाना है।

गत चैंपियन इंडोनेशिया के जोनाटन क्रिस्टी ने डेनमार्क के राममस गेमके को 21-12, 21-19 से हराया और उनका अगला मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका से होगा, जिन्होंने अपने जापानी हमवतन ताकुमा ओबायाशी को 19-21, 26-24, 21-11 से हराया।

चीन के लेई लांक्सी ने पहला सेट गंवा दिया लेकिन दक्षिण कोरिया के जियोन ह्योक-जिन पर 17-21, 21-16, 21-14 से जीत हासिल की। उनका मुकाबला हांगकांग, चीन के ली चेउक यिउ से होगा।

अन्य पुरुष क्वार्टरफाइनल इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग और हांगकांग, चीन के जेसन गुनावान के बीच होगा।

महिलाओं में, तीसरी वरीयता प्राप्त चीन के हान यू ने चीनी ताइपे के लियांग टिंग यू को 21-14, 21-13 से हराया। वह अगली बार जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त अया ओहोरी से भिड़ेंगी, जिन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हांगकांग, चीन की सलोनी समीरभाई मेहता को 9-21, 21-16, 21-12 से हराया।

इंटर कॉलेज में दो दिनी जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता सम्पन्न

मंडलीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग में सात और बालिका वर्ग में छह खिलाड़ियों का चयन

मुरादाबाद, 13 सितंबर (एजेंसियां)। आरएन इंटर कॉलेज में शुक्रवार को माध्यमिक विद्यालयों की दो दिवसीय जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इसमें मंडलीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग में सात और बालिका वर्ग में छह खिलाड़ियों का चयन किया गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन आरएन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य छोटेलाल और मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने किया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में आरएन इंटर कॉलेज मुरादाबाद, पीएलजेएल रस्तोगी इंटर कॉलेज, चित्रगुप्त इंटर कॉलेज तथा जीजी हिंदू इंटर कॉलेज मुरादाबाद के छात्रों ने प्रतिभाग किया। वहीं बालिका वर्ग में फूलवती कन्या इंटर कॉलेज तथा राजकीय इंटर कॉलेज मुरादाबाद की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सचिन चौधरी, नरपत सिंह यादव, वीरेंद्र सिंह, स्वाति राठी और निशा परवीन चयनकर्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर व्यवस्था में शिक्षक राजपाल सिंह, यशपाल सिंह, संगीता चौधरी, प्रीति अग्रवाल मौजूद रहे।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड टेस्ट रद्द होने पर दोनों टीमों के कोचों ने जताई निराशा

ग्रेटर नोएडा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। यहां लगातार हो रहे बारिश के कारण अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट शुक्रवार को एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। जिसके बाद दोनों टीमों के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट और गैरी स्टीड ने निराशा व्यक्त की है।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने कहा, व्यक्तिगत रूप से, मैं निराश था। हम न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने के लिए बहुत उत्साहित थे और खुद को उस चुनौती के सामने रखा। खिलाड़ियों ने वास्तव में कड़ी मेहनत की है, लेकिन साल के इस समय में टेस्ट मैच खेलने की कोशिश करना हमेशा मुश्किल होता है।

2018 में लाल गेंद से पदार्पण करने के बाद से यह अफगानिस्तान का 10वां टेस्ट माना जा रहा था। हालांकि, शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम, जो अपने पहले टेस्ट की मेजबानी कर रहा था, सुविधाओं और बुनियादी जल निकासी की कमी के कारण सवालों के घेरे में आ गया। धूप होने के बावजूद पहले कुछ दिनों तक

कोई खेल नहीं होने के कारण आलोचना झेलने के बाद, स्टेडियम के अधिकारियों और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम से कवर मंगवाए, जबकि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने जमीन को वापस आकार में लाने के लिए सुपर सॉपर्स भेजा, लेकिन भारी बारिश के कारण आयोजन स्थल के कुछ हिस्सों में जलभराव हो गया, जिससे मैदानकर्मियों के लिए चीजें तैयार करना संभव नहीं हो सका।

ट्रॉट ने कहा, सुविधाओं के संदर्भ में, हम स्पष्ट रूप से निराश हैं कि हम खेलने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन पानी की मात्रा में जो कमी आई है वह साल के इस समय के लिए अभूतपूर्व है।

वहीं, स्टीड ने कहा, यह हमारे लिए निराशाजनक है। अफगानिस्तान के खिलाफ यह हमारा पहला टेस्ट मैच था और हम इसे लेकर काफी उत्साहित भी थे। पिछले कुछ विश्व कप में वे हमारे महान प्रतिस्पर्धी रहे हैं और हमारे पास क्रिकेट के कुछ बेहतरीन खेल हैं।

न्यूजीलैंड के कोच ने संकेत दिया कि इस खेल ने उनकी टीम को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया होगा, जो अगले सप्ताह खेला जाएगा।। स्टीड ने कहा, हमारे लिए सबसे निराशाजनक बात यह है कि जब हम अगले सप्ताह अपने टेस्ट मैच में उतरेंगे तो हम मैच के लिए मजबूत और मैच के लिए तैयार होने की क्षमता खो चुके हैं। इसलिए, लोग वास्तव में निराश हैं।

अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कहा कि सिर्फ एक होम वेन्यू होने से उन्हें अधिक सुसंगत होने में मदद मिलेगी। पिछले कुछ वर्षों में, अफगानिस्तान के पास ग्रेटर नोएडा, देहरादून, लखनऊ और संयुक्त अरब अमीरात में घरेलू मैदान हैं।

ट्रॉट ने भी कप्तान का समर्थन करते हुए कहा, यदि आपके पास एक निश्चित स्थान है, तो आप उत्पन्न होने वाले मुद्दों को सुलझा सकते हैं। वह हमेशा अच्छा होता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह शायद अतीत में बहुत अधिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने का नतीजा है और अभी भी एक ऐसा स्थान ढूंढने की कोशिश कर रहा है जिसका हम लगातार उपयोग कर सकें, इसलिए एक स्थान रखना अच्छा होगा।

द. एशिया जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप : अविनाश की सफलता दोहराना चाहते हैं खान

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। लंबी दूरी के एथलीट आमतौर पर पहले कुछ चक्करों में इसे धीमी गति से लेते हैं, ऊर्जा बचाते हैं, और जैसे-जैसे फिनिश लाइन करीब आती है, अपनी गति तेज कर देते हैं। लेकिन भारत की किशोर सनसनी, शारुक खान, उनमें से नहीं है। उन्होंने शुरू से ही दबदबा बनाया और गुरुवार को चेन्नई में दक्षिण एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 3000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

भारत के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि पोडियम पर शीर्ष स्थान पर दो भारतीय थे। 18 वर्षीय शारुक ने 8:26.06 का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय हासिल किया और अपने हमवतन मोहित चौधरी को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 8:27.61 का समय लेकर रजत पदक जीता। पदक जीतने के बाद शारूक ने कहा, वास्तव में खुशी है कि मैं यहां अपना सर्वश्रेष्ठ देने में सक्षम हूं। मैं अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए इससे बेहतर दिन की उम्मीद नहीं कर सकता था और मुझे खुशी है कि मैंने स्वर्ण पदक जीता। हमारे (शारुक और मोहित) बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा थी। हमें सुधार जारी रखने के लिए इस तरह की प्रतिस्पर्धा रखनी चाहिए।

शारुक ने तब सुर्खियां बटोरीं जब उन्होंने इस साल की शुरुआत में पेरू में विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। वह हीट में 8:45.12 के समय के साथ छठे स्थान पर रहे और फाइनल में उन्होंने इसे बेहतर करते हुए 8:42.06 का समय निकाला। हालाँकि, वह 10वें स्थान पर रहे। केन्या के एडमंड सेरेम ने 8:15.28 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन मैथ्यू कोसेई ने रजत पदक जीता।

शारुक ने कहा, मैं बेहतर होते रहना चाहता हूं। पेरू में, मुझे बुरा लगता है कि मैं पदक नहीं जीत सका, लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने वहां भारत का

रिकॉर्ड हासिल किया। मैं हर बार जब भी ट्रैक पर उतरूं तो इसी तरह अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं।

पिछले साल, उन्होंने येचिओन में एशियाई अंडर 20 चैंपियनशिप में अपने तत्कालीन सीज़न का सर्वश्रेष्ठ 8:51.75 सेकेंड का समय निकाला, जहां उन्होंने रजत पदक जीता। शारुक को लगता है कि उनकी निरंतरता कड़ी मेहनत और उनके निजी कोच, विमल राय द्वारा बनाई गई उचित रणनीतियों का परिणाम है।

उन्होंने कहा, मैं ट्रेनिंग के दौरान अपने कोच विमल राय द्वारा बताई गई हर बात का पालन करता हूं। वह मुझसे बहुत मेहनत करवाते है।।हम लक्ष्य निर्धारित करते हैं, लेकिन मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मैं जिस भी प्रतियोगिता में भाग लेता हूं उसमें नए रिकॉर्ड स्थापित करता रहूं।

भारत के मध्य और लंबी दूरी के कोच, आई.ए. शिवानंद ने रैंकों के माध्यम से अपने निरंतर उत्थान के बारे में शारुक के विचारों को दोहराया। उन्होंने कहा, शारुक एक उभरता हुआ एथलीट है लेकिन उसने हाल के दिनों में जबरदस्त सुधार दिखाया है। उनके लगातार रिकॉर्ड तोड़ने का कारण पूरी तरह से स्व-प्रयोगात्मक है। वह अपने अभ्यास सत्रों में मेहनती है और अलग-अलग चीजें आजमाता रहता है। हो सकता है कि इससे उन्हें आगे बढ़ने में मदद मिली हो। शारुक ने खुलासा किया कि वह राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता और वर्तमान 3000 मीटर स्टीपलचेज़ राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले से प्रेरणा लेते हैं। शिवानंद का मानना है कि शारुक अपने आदर्श की सफलता की राह को दोहराने के लिए सही रास्ते पर है।

उन्होंने कहा, वह मुझे अविनाश साबले की याद दिलाते हैं, जो अपने शुरुआती दिनों में जहां भी भाग लेते थे, मीट रिकॉर्ड तोड़ देते थे। शारुक की प्रोफ़ाइल भी ऐसी ही है, और मुझे लगता है कि सेबल जो कर रहा है, वह उसकी नकल कर सकता है। जब हम बेंगलुरु (साई प्रशिक्षण केंद्र) में प्रशिक्षण ले रहे थे, तब उनकी मुलाकात हुई और शारुक को उनसे कुछ मूल्यवान सलाह मिली।

शारुक का तात्कालिक लक्ष्य सीनियर स्तर पर पहुंचना और विश्व चैंपियनशिप में स्थान हासिल करने के लिए आगामी आयोजनों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है, और उन्हें उम्मीद है कि स्वर्ण उनके भविष्य के लिए एक सीढ़ी के रूप में काम करेगा।

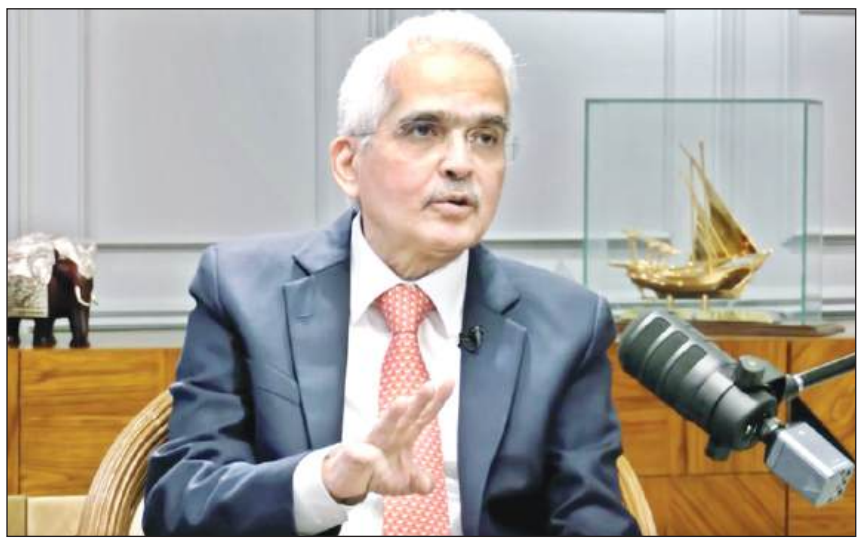

भारत की विकास क्षमता 7.5 फीसदी से अधिक है : शक्तिकांत दास

सिंगापुर/नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां) । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत में कम से कम 7.5 फीसदी की वृद्धि की संभावना है। वह सिंगापुर में ब्रेटन वुड्स कमेटी द्वारा आयोजित 'फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024' को संबोधित कर रहे थे। शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है। उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। आरबीआई गवर्नर का यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान से थोड़ा ऊपर है। हालांकि, दास ने मुद्रास्फीति में गिरावट के बावजूद फिलहाल ब्याज दरों में कटौती से इनकार किया। उन्होंने ब्रेटन वुड्स कमेटी के वार्षिक फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि को वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत की संभावित वृद्धि...लगभग साढ़े सात फीसदी से अधिक है। दास ने दुनिया को बढ़ते वैश्विक कर्ज के बारे में आगाह किया है, जो 2024 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 333 फीसदी के बराबर 315 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया है। आरबीआई गवर्नर ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ रही चुनौतियों के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। शक्तिकांत दास ने साझा वैश्विक मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करने की वकालत की। साथ ही उन्होंने सतत आर्थिक विकास और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को भी रेखांकित किया। दास ने राष्ट्रों से सभी के लिए एकीकृत भविष्य की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी के बाद अब रूस ने बांग्लादेश से मांगे 63 करोड़ डॉलर, वर्तमान ब्याज के रूप में 630 मिलियन डॉलर के भुगतान की मांग

ढाका । भारतीय कारोबारी समूह अडानी ग्रुप के बाद अब रूस ने भी बांग्लादेश से रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए कर्ज पर बकाया और वर्तमान ब्याज के रूप में 630 मिलियन डॉलर का भुगतान करने की मांग की है। रूसी अधिकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को भेजे पत्र में कहा है कि इस राशि को 15 सितंबर से पहले चुकाया जाए। यह पत्र बांग्लादेश द्वारा जून में रूसी बैंकों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण बकाया ब्याज, प्रतिबद्धता शुल्क और विलंबित जुर्माने के निपटान के लिए वैकल्पिक लेनदेन विधियों के लिए किए गए अनुरोध के बाद आया है। 12.65 बिलियन डॉलर के ऋण पर अधिकतम ब्याज दर 4 फीसदी है, जिसमें बकाया भुगतान के लिए 2.4 फीसदी की अतिरिक्त दंडात्मक ब्याज दर है। 21 अगस्त को इकॉनमिक रिलेशन डिवीजन को लिखे गए पत्र में रूसी सरकार के एक प्रमुख वित्तीय संस्थान की प्रतिनिधि एजेंसी वीईबीडॉटआरएफ ने अनुरोध किया है कि बकाया भुगतान या तो अमेरिकी डॉलर या चीनी युआन में किया जाए और बैंक ऑफ चाइना की शंघाई शाखा में जमा किया जाए। हालांकि, चूंकि 15 सितंबर की भुगतान की अंतिम तिथि रविवार को है और 16 और 17 सितंबर चीन में गैर-व्यावसायिक दिन हैं, इसलिए भुगतान की सबसे प्रारंभिक संभावित तिथि 18 सितंबर होगी। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इस समय सीमा को चूकने से अतिरिक्त दंड और अन्य जटिलताएं हो सकती हैं, जिसमें कर्ज चुकाने की अवधि के दो साल के विस्तार पर बातचीत में संभावित देरी शामिल है। वर्तमान में यह अवधि इस साल दिसंबर में समाप्त होने वाली है, जिसे बांग्लादेश वर्तमान में आगे बढ़ा रहा है। इससे पहले, बांग्लादेश ने प्रस्ताव दिया था कि बकाया राशि एकत्र करने के बजाय, रूस नई परियोजनाओं, शेयर बाजार में धन का निवेश कर सकता है या बांग्लादेश से सामान खरीद सकता है।

कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का रुख है। ब्रेंट क्रूड का भाव 72 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 67 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पांचवें दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.35 डॉलर यानी 0.49 फीसदी की उछाल के साथ 72.32 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.37 डॉलर यानी 0.54 फीसदी की बढ़त के साथ 69.34 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

सरकार को एनटीपीसी से लाभांश के रूप में मिले करीब 1610 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने शुक्रवार को लाभांश के रूप में लगभग 1610 करोड़ रुपये दिए हैं। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड से लाभांश के रूप में करीब 1610 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है किएनटीपीसी लिमिटेड को पहले नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन के नाम से जाना जाता था। यह भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के स्वामित्व में एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) कंपनी है , जो बिजली उत्पादन और अन्य गतिविधियों में लगा हुआ है। इस पीएसयू का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

चुनिंदा शेयरों में बिकवाली से गिरा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट

बाजार में गिरावट के बावजूद निवेशकों को 1.33 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां) ।

गुरुवार की जोरदार मजबूती के बाद शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार उतार चढ़ाव भरे कारोबार के बाद चुनिंदा शेयरों में हुई बिकवाली की वजह से लाल निशान में बंद हुआ। हालांकि ब्रॉडर मार्केट में शुक्रवार को खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण निवेशकों की संपत्ति में एक दिन में ही 1.33 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

शुक्रवार को दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, आईटी, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस, एनर्जी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, यूटिलिटी और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स और निफ्टी में दबाव होने के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में शुक्रवार को लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया।

शुक्रवार को शेयर बाजार में आई गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 468.69 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.33 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

शुक्रवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,067 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,477 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,481 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 109 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में शुक्रवार को 2,455 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,551 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 904 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को ऑल टाइम हाई ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाते हुए 128.84 अंक की मजबूती के साथ 83,091.55 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 309.49 अंक टूट कर 82,653.22 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार भी हुआ। दिन भर हुई खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 71.77 अंक की कमजोरी के साथ 82,890.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी शुक्रवार को 41.55 अंक की तेजी के साथ 25,430.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली के कारण ये सूचकांक 96.45 अंक टूट कर 25,292.45 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि इस गिरावट के बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। दिनभर हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी 32.40 अंक की गिरावट के साथ 25,356.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो 3.88 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.29 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.13 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.43 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 1.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ शुक्रवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.57 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 1.39 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.28 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.09 प्रतिशत और आईटीसी 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली,13 सितंबर (एजेंसियां) । घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को 73,290 रुपये से लेकर 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 67,190 रुपये से लेकर 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में आई गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 86,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपाल से हिंदू-राष्ट्र ...

नेपाल में हिंदू राजशाही खत्म हुई तो तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने येचुरी का इस्तेमाल किया था। मनमोहन सिंह का मानना था कि जेएनयू के एक अन्य पूर्व छात्र रहे माओवादी बाबूराम भट्टराई पर वे अपना प्रभाव इस्तेमाल कर सकें। त्रिपाठी भट्टराई को भी अच्छी तरह जानते थे। हिंदू राजशाही खत्म होने से पहले येचुरी दो बार वामपंथियों का प्रतिनिधिमंडल लेकर नेपाल जा चुके थे।नेपाल की राजनीति एवं हिंदू राजशाही के विरोध में सीताराम येचुरी की भूमिका का इसी अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनकी वजह से नेपाल के राजनीतिक दलों और माओवादियों के बीच 12 सूत्री समझौते हुए थे।इसे येचुरी फार्मूला कहा गया था। तब येचुरी ने कहा था, मैं इस तरह की ब्रांडिंग के खिलाफ हूं। यह नेपाली फार्मूला है और नेपाली राजनीतिक दल यही चाहते थे।

नेपाली संसद की बहाली और संविधान सभा के गठन की प्रक्रिया का स्वागत करते हुए माकपा नेता ने कहा था, नेपाल को एक नए लोकतांत्रिक रास्ते पर चलना चाहिए। राजनीतिक प्रक्रिया को 1990 में जो हासिल हुआ था, उसे बहाल करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही समझ माओवादियों को लोकतांत्रिक मुख्यधारा में लाएगी।साल 2006 में नेपाल के लिए जाने से पहले उन्होंने माओवादी नेतृत्व प्रचंड से बात की थी। दिल्ली में उन्होंने कहा था, उनका मुद्दा बिल्कुल स्पष्ट है। संविधान सभा के सवाल पर नेपाली लोगों के साथ दो बार विश्वासघात किया गया है? पहली बार 1951 में और फिर 1990 में। वे इसे दोहराना नहीं चाहते। यह उनके लिए एक उचित पूर्व शर्त है, जिसे वे नेपाल के नए लोकतांत्रिक विकास कहते हैं।उन्होंने कहा, इसका भारत में अति-वामपंथियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आज की क्रांतियों में लोकतंत्र के लिए लोगों की चाहत को भी शामिल किया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गिरिजा प्रसाद कोइराला के निमंत्रण पर येचुरी और त्रिपाठी नेपाल पहुंचे थे और वहां सात दलों के गठबंधन के नेताओं के साथ बैठक की थी।नेपाल में जब संविधान लागू करने में कुछ ही महीने बाकी रहे तो सीताराम येचुरी वहां के राजनीतिक दलों से विचार विमर्श करने के लिए साल 2010 में तीन दिवसीय यात्रा पर नेपाल पहुंचे। इस दौरान वे नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गिरिजा प्रसाद कोइराला, नेपाल की एकीकृत कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) के अध्यक्ष झालानाथ खनल से भी मुलाकात की थी।इस तह सीताराम येचुरी और डीपी त्रिपाठी ने पड़ोसी देश नेपाल की आंतरिक राजनीतिक हालातों में हस्तक्षेप करते हुए वामपंथियों को हर तरह से मदद पहुंचाई। इसके बाद हिंदू राष्ट्र की पदवी को खत्म करके भारत के इस पड़ोसी देश को एक धर्मनिरपेक्ष देश घोषित कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ज्योति बसु सीपीएम पोलित ब्यूरो के सदस्य येचुरी को खतरनाक आदमी कहा करते थे। इसी सीताराम येचुरी के कारण ज्योति बसु भारत के प्रधानमंत्री नहीं बन पाए थे।

शंकराचार्य पहाड़ी ...

परंतु मुद्दा है शंकराचार्य पर्वत और हरिपर्वत का नाम बदलना। उनका नाम इस्लामीकृत कर देना? शंकराचार्य पर्वत महादेव को समर्पित है और यहां पर महादेव का जो मंदिर है वह कश्मीर के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। कल्हण के अनुसार पर्वत को मूल रूप से गोपद्रिक या गोपा पर्वत के नाम से जाना जाता था। यह भी माना जाता है कि इस मंदिर का इतिहास ईसापूर्व से जुड़ा हुआ है। इस मंदिर को शंकराचार्य पर्वत नाम महान विचारक एवं आदि गुरु शंकराचार्य के नाम पर दिया गया।

इस मंदिर की मान्यता और इतिहास इस्लाम से भी पुराना है। यह स्पष्ट है कि यह पर्वत एक विशिष्ट पहचान को साथ लेकर चलता है जो हिंदुओं के इतिहास को या कहें कश्मीर के हिंदू इतिहास और कश्मीर की हिंदू परंपरा को दिखाता है। हरिपर्वत के साथ भी यही है। हरिपर्वत को इसलिए हिंदुओं द्वारा पवित्र माना जाता है क्योंकि यहां पर जगदंबा भगवती का मंदिर है। वे यहां पर स्वयंभू शिला के रूप में उपस्थित हैं। इस मंदिर को श्रीनगर की इष्ट देवी भी कहा जाता है। यहां पर छड़ी मुबारक भी आती है। हरिपर्वत और शंकराचार्य पर्वतों को आखिर इस्लामी पहचान किसलिए दी जा रही है? कांग्रेस भी इस मामले पर चुप है। स्वयं को महादेव का भक्त कहने वाले राहुल गांधी कश्मीर की आत्मा के साथ हो रहे इस छल पर मौन हैं? भारत की पहचान को विदेशों में नीचा दिखाने वाले और देवता आदि की परिभाषा अपने मन से गढ़ने वाले राहुल गांधी कश्मीर के साथ किए जा रहे इस जीनोसाइड के कृत्य पर एकदम मौन धारण करके बैठे हुए हैं।नेशनल कॉन्फ्रेंस के इस घोषणापत्र को लेकर कश्मीरी हिंदू भी आक्रोश में हैं। उनका कहना है कि शंकराचार्य पर्वत का नाम बदलना पहचान बदलने का कोई पहला प्रयास नहीं है। यह लगातार होता आ रहा है। यह भी ध्यान में रखा जाए कि कश्मीर की प्रख्यात संत लल्लेश्वरी देवी, जो हिंदू दर्शन शैववाद की प्रख्यात विदुषी थीं, और जिन्होंने इस रहस्यवाद पर असंख्य वाख रचे हैं, उन्हें लल्ला आरिफ या लैला आरिफ कहकर भी प्रचारित किया जा रहा है। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ कश्मीर आधारित दल कश्मीरी हिंदुओं को बसाने की बात करते हैं तो वहीं उनकी पहचान को ही मिटाने का षड्यंत्र हर दिन रचा जा रहा है।

84 के सिख...

उकसाने के आरोप लगे थे, जिनमें से एक प्रमुख नाम जगदीश टाइटलर का भी है।

जगदीश टाइटलर कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं। उनका राजनीतिक करियर कई दशकों का है और वे दिल्ली में कई बार सांसद रह चुके हैं। टाइटलर का नाम 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद से विवादों में रहा है, जब उन पर आरोप लगे कि उन्होंने दंगों के दौरान सिख समुदाय के खिलाफ भीड़ को उकसाया। टाइटलर का जन्म 11 जनवरी, 1944 को हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा दिल्ली में प्राप्त की और भारतीय राजनीति में कांग्रेस के टिकट पर प्रवेश किया। 1980 के दशक में, टाइटलर दिल्ली की राजनीति में उभरे और केंद्र सरकार में भी मंत्री रहे। हालांकि सिख दंगों से जुड़ी विवादित घटनाओं के कारण उनका राजनीतिक करियर कई बार प्रभावित हुआ है। उनके खिलाफ आरोपों के चलते कांग्रेस ने भी कई बार उन्हें जिम्मेदार पदों से हटाया है।जगदीश टाइटलर के खिलाफ अदालत का यह आदेश न केवल सिख दंगों से जुड़े मामले को फिर से सुर्खियों में लाता है, बल्कि देश की न्यायिक प्रणाली में विश्वास को भी प्रबल करता है। हालांकि, टाइटलर ने खुद को निर्दोष बताया है, लेकिन अब उन्हें अदालत में मुकदमे का सामना करना होगा। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस मामले का कानूनी परिणाम क्या होता है, और क्या यह फैसला सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए न्याय की दिशा में एक कदम साबित होगा।

पत्रकार से हाथापाई की...

पत्रकार शर्मा ने इंटरव्यू रिकॉर्ड करने के लिए अपना फोन सेट किया और राहुल गांधी की यात्रा पर चर्चा करने लगे। इस दौरान सैम पित्रोदा ने उनके चार सवालों का सहजता से जवाब दिया। उन्होंने अंतिम सवाल पूछा कि क्या राहुल गांधी अमेरिकी सांसदों के साथ अपनी बैठकों के दौरान बांग्लादेश में मारे जा रहे हिंदुओं का मुद्दा उठाएंगे?

इस सवाल का जवाब देने से पहले सैम पित्रोदा ने कहा, यह राहुल और सांसदों पर निर्भर है कि वे तय करें कि क्या प्रासंगिक है। मैं उनकी ओर से नहीं बोल सकता। इसी बीच वहां बैठे कांग्रेसी पिट्रू हंगामा करने लगे। कमरे में मौजूद एक व्यक्ति ने चिल्लाकर कहा कि यह सवाल विवादास्पद है। रोहित शर्मा ने कहा, राहुल की टीम के एक सदस्य ने मेरा फोन छीन लिया और चिल्लाने लगा, बंद करो! बंद करो!, इंटरव्यू बंद करो! राहुल गांधी की टीम के लोगों एवं समर्थकों ने मेरी माइक छीन ली और मोबाइल की रिकॉर्डिंग बंद कर दी। उन्होंने मुझसे साक्षात्कार से अंतिम प्रश्न हटाने के लिए कहा। मैं उन्हें समझाता रहा कि प्रश्न में कुछ भी विवादास्पद नहीं है और उनकी हरकतें गलत हैं। इसके बावजूद वे अड़े रहे और मेरा फोन लेकर उसमें खोजबीन करने लगे। इसके बाद उन लोगों ने उस साक्षात्कार को फोन से डिलीट कर दिया, लेकिन वह डिलीट फोल्डर में रह गया और उसे खोलने के लिए पत्रकार के फेस आईडी की जरूरत थी।रोहित ने बताया, जब मैं वहां बैठा था तो दो आदमी मेरे बगल में खड़े थे। उनमें से एक ने चुपके से मेरा फोन मेरे चेहरे के पास लाया और मेरी सहमति के बिना उसे अनलॉक कर दिया। इसके बाद उन्होंने डिलीट किए गए फोल्डर से इंटरव्यू को डिलीट करना शुरू कर दिया। उन लोगों ने आईक्लाउड भी चेक किया। रिकॉर्डिंग के दौरान फोन एयरप्लेन मोड में था। इसलिए वीडियो सिंक नहीं हो पा रहा था। इस तरह वे लगभग आधे घंटे तक हर तरह की हरकत करने के बाद शांत बैठ गए। इसके बाद भी उन्होंने फोन नहीं लौटाया और उसे चार दिनों तक अपने पास रखा। पत्रकार रोहित के जिस सवाल को लेकर यह बवाल किया गया, उस सवाल को उनके ही एक मित्र पत्रकार ने राहुल गांधी से पूछ लिया। लेकिन राहुल ने इस सवाल का कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

सीएम ऑफिस ...

उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा केजरीवाल की विलम्ब से की गई गिरफ्तारी अनुचित है।

केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। 26 जून को सीबीआई ने कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया। सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी और वे वर्तमान में सीबीआई के भ्रष्टाचार मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। जुड़े मामलों में 40 आरोपियों में से केवल दो केजरीवाल और व्यवसायी अमनदीप सिंह ढल्ल ही सलाखों के पीछे हैं।

भाजपा ने अप्रासंगिक ...

केजरीवाल याद रखें वह अब जयललिता, लालू यादव, मधु कोड़ा जैसे मुख्यमंत्रियों की सूची में जुड़ गए हैं और उन्हे भी जमानत मिली थी और वह शीघ्र सजा पा कर फिर जेल जाएंगे। जिन शर्तों पर अरविंद केजरीवाल को जमानत मिली है उनके चलते, केजरीवाल को जमानत बेशक मिली हो पर उन्हे अब मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। जब वह मुख्यमंत्री का काम नहीं कर सकेंगे तो वो मुख्यमंत्री क्यों। अगर वो सच्चे हैं तो यह शर्त क्यों, इस्तीफा दें?

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय ने कट्टर बेईमान, आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल को फिर से आइना दिखाया है। जो आदेश पारित हुआ है, उसमें भ्रष्टाचारी अरविंद केजरीवाल को सशर्त जमानत मिली है। जेल वाला सीएम अब बेल वाला सीएम बन गया है। अब अरविंद केजरीवाल को चाहिए कि वो अपने पद से इस्तीफा दे दें, लेकिन अरविंद केजरीवाल ऐसा करेंगे नहीं क्योंकि उनमें जरा भी नैतिकता नहीं बची है..अब ये कहना गलत नहीं होगा कि भ्रष्टाचार युक्त सीएम अभियुक्त। अब वो अभियुक्त की श्रेणी में हैं।गौरव भाटिया ने कहा, सशर्त बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अन्य आरोपियों के जमानत आदेश की शर्तें अरविंद केजरीवाल पर भी लागू होंगी। अरविंद केजरीवाल का पासपोर्ट कोर्ट में रहेगा। वह विदेश यात्रा पर नहीं जा सकते हैं। अरविंद केजरीवाल को हर सोमवार और गुरुवार को जांच अधिकारी के सामने पेश होना पड़ेगा। वह गवाहों को डरा नहीं सकते और साक्ष्य को नष्ट नहीं कर सकते। सीबीआई के खिलाफ पिंजरे का तोता वाली टिप्पणी पर गौरव भाटिया कहते हैं, कोलगेट घोटाले के समय भ्रष्ट कांग्रेस ने सीबीआई को पिंजरे का तोता बना दिया था। सीबीआई पिंजरे का तोता नहीं है। आज बाज बन चुका है, भ्रष्टाचारियों को चोट लग रही है, इसलिए भ्रष्टाचारियों को दर्द हो रहा है।

हिंदू आदिवासी...

प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई हुई थी। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने बताया था कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के प्रवेश काफी संवेदनशील मामला है। घुसपैठिया झारखंड के रास्ते देश के अन्य राज्यों में भी प्रवेश कर वहां की आबादी को प्रभावित करेंगे। इसे हर हाल में रोकना होगा।उन्होंने कोर्ट को जानकारी दी थी कि जनजातीय समुदाय की कम होती संख्या केंद्र सरकार के लिए भी चिंता का विषय है। ऐसे में केंद्र सरकार बीएसएफ-आईबी सब से विचार विमर्श करके इस मामले में जवाब तैयार करेगी और कोर्ट को पेश करेगी। 5 सितंबर को हुई इस सुनवाई के बाग मामले के संबंध में 12 सितंबर को जवाब दाखिल किया गया। केंद्र सरकार ने बताया कि घुसपैठ साहिबगंज और पाकुड़ जिलों से हुई है। ये इलाके पश्चिम बंगाल से सटे हुए हैं। घुसपैठिए इन इलाकों में इसलिए आए क्योंकि यहां की बोली एक जैसी थी, जिससे उन्हें घुलने-मिलने में मदद मिली। अब इस मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। मालूम हो कि केंद्र के अनुसार, 1951 की जनगणना में संथाल परगना की कुल जनसंख्या 23,22,092 थी, जिसमें हिंदू 90.37 प्रतिशत, मुस्लिम 9.43 प्रतिशत और ईसाई 0.18 प्रतिशत थे। वहीं 2011 की जनगणना में संथाल परगना की कुल जनसंख्या 69,69,097 हो गई, जिसमें हिंदू 67.95 प्रतिशत रह गए, मुस्लिमों की संख्या 22.73 प्रतिशत हो गई और ईसाई 4.21 प्रतिशत हो गए।

किन वजहों से टूट सकता है आपका एकादशी व्रत

जान लेंगे तो नहीं करेंगे गलती

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को बहुत ही खास माना जाता है। इस तिथि पर जगत के पालनहार कहे जाने वाले भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसे में भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष में आने वाली एकादशी को परिवर्तिनी या जलझूलनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, इस बार परिवर्तिनी एकादशी का व्रत शनिवार, 14 सितंबर को किया जाएगा। ऐसे में चलिए जानते हैं कि आपकी किन गलतियों की वजह से आपका एकादशी व्रत टूट सकता है।

भोग लगाते समय इस बात का रखें ध्यान

भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है और इसके बिना विष्णु जी का भोग अधूरा माना जाता है। ऐसे में जब आप एकादशी तिथि पर श्रीहरि को भोग अर्पित करें, तो तुलसी दल जरूर डालें। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि एकादशी तिथि पर तुलसी नहीं तोड़नी चाहिए। इसलिए तुलसी के पत्ते एक दिन पहले उतार कर रख लें। इसी के साथ एकादशी की पूजा में व्रत कथा का पाठ जरूर करें, तभी आपका व्रत पूर्ण माना जाता है।

न करें ये काम

एकादशी के दिन चावल खाना वर्जित माना गया है। इससे आपका व्रत टूट सकता है। यहां तक की व्रत न करने वाले व्यक्ति को भी चावल ग्रहण नहीं करना चाहिए। एकादशी पर दिन सोना भी शुभ नहीं माना जाता। ऐसा करने से भी साधन का व्रत टूट सकता है। इसके स्थान पर आप श्री हरि का ध्यान करें और भजन कीर्तन करें।

इस बात का रखें ध्यान

एकादशी के दिन भूलकर भी काले रंग के कपड़े न पहने, ऐसा करना बहुत ही अशुभ माना जाता है। इसके स्थान पर आप भगवान विष्णु के प्रिय रंग यानी पीले रंग के वस्त्र धारण कर सकते हैं। साथ ही एकादशी की पूजा में भी अधिक-से-अधिक इस रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे पूजा में पीले फूल-फल, पीली मिठाई आदि का इस्तेमाल करें।

अनंत चतुर्दशी क्यों मनाई जाती है

इस दिन अनंत सूत्र बांधने का क्या है महत्व

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर अनंत सुख देने वाला अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। मान्यता है सालभर में इस दिन श्रीहरि की पूजा कर ली जाए तो 14 साल तक अनंत फल प्राप्त होता है।

पांडवों को भी इस व्रत के प्रताप से खोया राजपाठ मिला था। इस साल अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर 2024 को है। जानें अनंत चतुर्दशी क्यों मनाई जाती है, इस दिन का महत्व, कथा।

अनंत चतुर्दशी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय में सुमंत नामक ब्राह्मण अपनी बेटी दीक्षा और सुशीला के साथ रहता था। सुशीला जब विवाह लायक हुई तो उसकी मां का निधन हो गया। सुमंत ने बेटी सुशीला का विवाह कौंडिन्य ऋषि से कर दिया। कौंडिन्य ऋषि सुशीला को लेकर अपने आश्रम जा रहे थे, लेकिन रास्ते में रात हो गई तो एक जगह पर रुक गए। उस जगह कुछ स्त्रियां अनंत चतुर्दशी व्रत की पूजा कर रही थीं।

सुशीला ने भी महिलाओं से उस व्रत की महीमा जानी और उसने भी 14 गांठों वाला अनंत धागा पहन लिया और कौंडिन्य ऋषि के पास आ गई लेकिन कौंडिन्य ऋषि ने उस धागे को तोड़कर आग में डाल दिया, इससे भगवान अनंत सूत्र का अपमान हुआ। श्रीहरि के अनंत रूप के अपमान के बाद कौंडिन्य ऋषि की सारी संपत्ति नष्ट हो गई और वे दुखी रहने लगे।

फिर कौंडिन्य ऋषि उस अनंत धागे की प्राप्ति के लिए वन में भटकने लगे। एक दिन वे भूख-प्यास से जमीन पर गिर पड़े, तब भगवान अनंत प्रकट हुए।

उन्होंने कहा कि कौंडिन्य तुमने अपनी गलती का पश्चाताप कर लिया है। अब घर जाकर अनंत चतुर्दशी का व्रत करो और 14 साल तक इस व्रत को करना। इसके प्रभाव से तुम्हारा जीवन सुखमय हो जाएगा और संपत्ति भी वापस आ जाएगी। कौंडिन्य ऋषि ने वैसा ही किया, जिसके बाद उनकी धन, संपत्ति वापस लौट आई और जीवन खुशहाल हो गया।

गणेश विसर्जन के बाद दूर्वा और नारियल का क्या करें?

गणेश चतुर्थी पर बप्पा का आगमन हुआ था अब अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन किया जाएगा। गणेश विसर्जन के बाद बप्पा को चढ़ाई दूर्वा, नारियल से ये उपाय करें, सुख-समृद्धि आती है।

गणेश चतुर्थी पर स्थापना के दौरान जो कलश स्थापित किया है बप्पा के विसर्जन के बाद उस जल को पूरे घर में छिड़कें और बचे हुए जल नीम, पीपल, बरगद के पेड़ में डाल दें या घर के ही गमलों में भी डाल सकते हैं। इससे सुख-समृद्धि का वास होता है। गणेश विसर्जन के दिन गणपति जी को पूजा में दूर्वा अर्पित करें। विसर्सन के दौरान थोड़ी सी दूर्वा बचा लें और इसे धन स्थान या तिजोरी में रख दें। कहते हैं इससे धन की कभी कमी नहीं होती। पैसों की तंगी दूर होती है। बरकत आती है। गणेश विसर्जन के समय कलश पर रखा नारियल फोड़ें फिर इसे सभी में बांट दें। गणेश विसर्जन के समय कलश पर रखा नारियल फोड़ें फिर इसे सभी में बांट दें। गणेश विसर्जन के लिए अनंत चतुर्दशी का दिन सबसे शुभ माना जाता है। इस दिन गणेश उत्सव के 10 दिन पूरे होते हैं। बप्पा अपने भक्तों को आशीर्वाद लेकर अपने लोक लौट जाते हैं। गणेश विसर्जन से पहले हवन करने का विधान है। इससे पूजा पूर्ण मानी जाती है। हवन सामग्री में जीरा और काली मिर्च डालकर हवन करें। तंत्र शास्त्र के अनुसार यह धनदायक होता है।

लक्ष्मी जी की कृपा दिला सकते हैं केवल ये 8 नाम

महालक्ष्मी व्रत पर करें जाप

हिंदू पंचांग में माना गया है कि हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से महालक्ष्मी व्रत की शुरुआत होती है। वहीं इस व्रत की समाप्ति आश्विन माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर होती है। ऐसे में महालक्ष्मी व्रत लगभग 16 दिनों तक किया जाता है। इस साल इस व्रत की शुरुआत बुधवार, 11 सितंबर से हो चुकी है, जिसका समापन मंगलवार, 24 सितंबर पर होगा।

ये हैं अष्ट लक्ष्मी के नाम -

आदि लक्ष्मी – मां लक्ष्मी के पहले स्वरूप का नाम आदि लक्ष्मी है। लक्ष्मी जी के इस स्वरूप की पूजा-अर्चना करने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

धनलक्ष्मी – मां लक्ष्मी के दूसरे स्वरूप को धनलक्ष्मी कहा जाता है। पुराणों में वर्णन मिलता है कि मां लक्ष्मी ने यह स्वरूप भगवान विष्णु को कुबेर के कर्ज से मुक्ति दिलाने के लिया था। ऐसे में देव के इस स्वरूप की आराधना से साधक को कर्ज से मुक्ति मिल सकती है।

धान्यलक्ष्मी – मां लक्ष्मी के तीसरे स्वरूप का नाम धान्य लक्ष्मी है। जैसा कि नाम से ही ज्ञात होता है, मां लक्ष्मी का यह स्वरूप संसार में धान्य यानी अन्न के रूप में वास करती हैं।

संतान लक्ष्मी – मां लक्ष्मी के चौथे स्वरूप को संतान लक्ष्मी कहा जाता है। देवी के इस रूप की आराधना से देवी भक्तों की रक्षा अपने संतान के रूप में करती हैं।

गजलक्ष्मी – मां लक्ष्मी के पांचवें स्वरूप का नाम गज लक्ष्मी है। इस स्वरूप में मां लक्ष्मी हाथी के ऊपर कमल के आसन पर विराजमान हैं। ऐसा कहा जाता है कि मां गजलक्ष्मी की उपासना से कृषि में लाभ देखने को मिलता है।

वीर लक्ष्मी – मां लक्ष्मी के छठे स्वरूप का नाम वीर लक्ष्मी है। माता लक्ष्मी ने इस स्वरूप में अपने हाथों में तलवार और ढाल जैसे अस्त्र-शस्त्र लिए हुए हैं। मां लक्ष्मी का यह स्वरूप युद्ध में विजय दिलाता है।

विजयलक्ष्मी – मां लक्ष्मी के सातवें स्वरूप का नाम विजय या जय लक्ष्मी भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि विजयलक्ष्मी की पूजा-अर्चना से जीवन के हर क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है।

विद्यालक्ष्मी – मां लक्ष्मी के आठवें स्वरूप का नाम विद्या लक्ष्मी है। मां लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा ज्ञान, कला तथा कौशल की प्राप्ति के लिए की जाती है। साथ ही विद्यालक्ष्मी की साधना से शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

13 नंबर को क्यों माना जाता है इतना अशुभ

ज्योतिष शास्त्र में बताए गए हैं इसके कारण

ईसाई धर्म में माना जाता है कि जब भी 13 तारीख शुक्रवार के दिन पड़ती है, उस दिन कोई-न-कोई अशुभ घटना जरूर घटती है। इस तारीख पर फ्राइडे द 13 नामक एक फिल्म भी बनी है, जो काफी हिट भी रही। साथ ही आपने यह भी देखा होगा कि कई इमारतों में 12वीं मंजिल के बाद सीधा 14वीं मंजिल होती है। ऐसे में चलिए ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जानते हैं कि 13 नंबर को इतना अशुभ क्यों माना जाता है।

ज्योतिष शास्त्र से जुड़ी मान्यताएं

अंक 13 पर बृहस्पति का भी प्रभाव होता है। बृहस्पति ग्रह को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, लेकिन जब बृहस्पति किसी राशि में 13वें स्थान पर होते हैं, तो इसका अशुभ प्रभाव पड़ता है।

करना पड़ता है संघर्ष

चंद्रमा चक्र में 13 चरण होते हैं, लेकिन 13वें चरण में चंद्रमा घटने लगता है। इसलिए इसे गिरावट से जोड़कर देखा जाता है। वहीं मंगल ग्रह को ऊर्जा और आक्रामकता से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में जब यह ग्रह किसी राशि के 13वें अंश में होता है, तो उस जातक को संघर्ष का सामना करना पड़ता है।

क्या कहती हैं हिंदू धर्म की मान्यताएं

लेकिन अगर धार्मिक दृष्टि से देखा जाए, तो 13 तारीख को काफी शुभ माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, त्रयोदशी तिथि को भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए शुभ माना जाता है। वहीं, महाशिवरात्रि का पर्व भी माघ माह के 13वें दिन पर पड़ता है। इतना ही नहीं सावन और भाद्रपद की इसी तिथि पर महिलाओं द्वारा तीज का किया जाता है।

इस दुर्लभ पेड़ के नीचे आराम करते थे श्रीकृष्ण

लोग आज भी बांधते हैं डोर, सारी मुरादें हो जाती हैं पूरी!

भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं के कई किस्से आपने सुने होंगे। मथुरा से गोकुल पहुंचने के बाद जब श्री कृष्ण ने यहां पर चलना सीखा। चलने के साथ-साथ यहां पर अपनी लीलाओं को भी किया। गोकुल में एक

वृक्ष ऐसा है, जिसके नीचे भगवान कृष्ण विश्राम करते थे।

सप्तमी की वह काली रात और कड़कड़ाती बिजली, घनघोर बारिश के बीच श्री कृष्ण को मथुरा की जेल से गोकुल ले जाया गया। यहां से वासुदेव श्री कृष्ण को गोकुल के लिए ले गए। यहां से चलने के साथ-साथ यमुना जी भी श्री कृष्ण के चरणों को स्पर्श करना चाहती थीं। जैसे ही वासुदेव ने यमुना में कदम रखा तो एक बार तो यमुना जी उनके चरणों को स्पर्श करने के लिए धीरे-धीरे अपना रूप बदलने लगीं। जब तक कृष्ण के चरणों का स्पर्श नहीं किया, तब तक वह उफान लेती रहीं।

श्री कृष्ण के चरणों का स्पर्श होने के बाद वह स्वत ही अपनी अवस्था में पहुंच गईं। वासुदेव ने बाबा नंद के यहां कृष्ण को छोड़ दिया और वहां से योग माया लेकर उन्हें मथुरा कारागार में आ गए। नंद भवन में आज भी एक पेड़ द्वापर कालीन समय से खड़ा हुआ है। इस पेड़ को पारस नाम से जाना जाता है। यहां पर यह द्वापर कालीन समय से लगा हुआ है।

इस पेड़ को भगवान श्री कृष्ण के जमाने से देखा चला आ रहा है। यह पेड़ देखने में पीपल से अलग-अलग लगता है। इसलिए इसे पारस नाम दिया गया है। क्योंकि यह पेड़ अद्भुत है। नंद भवन के अलावा आपको कहीं भी देखने को नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस पेड़ पर जो भी अपनी मनौती की डोर बांधता है। उसकी सारी मनोकामना पूर्ण हो जाती है और यहां आने के बाद जो व्यक्ति मनौती पूर्ण हो जाती है। वह अपनी श्रद्धा के अनुसार भगवान को भोग अर्पित करते हैं।

दुर्गा पूजा कब है, नोट कर लें महालया से दशहरा तक की तिथियां

हिंदू धर्म में दुर्गा पूजा का उत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान मां दुर्गा ने अलग-अलग नौ रूपों की अराधना की जाती है।

महालया से शुरू होकर दुर्गा पूजा का उत्सव विजयादशमी तक चलता है। आइये जानते हैं इस साल कब है दुर्गा पूजा। साथ ही जानते हैं महालया से लेकर विजयादशमी तक की महत्वपूर्ण तिथियां और इससे जुड़े महत्व-

दुर्गा पूजा 2024 कब

पंचांग के अनुसार दुर्गा पूजा अश्विन महीने के शुक्ल की प्रतिपदा तिथि से दशमी तिथि तक मनाया जाता है। जो आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर के महीने में पड़ती है। इस साल दुर्गा पूजा 2 अक्टूबर 2024 को शुरू होगी और इसका समापन 12 अक्टूबर 2024 को होगा। दूर्गा पूजा में षष्ठी से लेकर दशमी तक की तिथियां महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

महालया 2024 कब

मान्यता है कि महालया के दिन ही मां दुर्गा का आगमन धरतीलोक पर होता है। महालया का दिन 15 दिनों के पितृपक्ष के अंत का भी प्रतीक है। पितृपक्ष के अंतिम दिन ही महालया होती है, जोकि इस साल 2 अक्टूबर 2024 को है। इस दिन को सर्वपितृ अमावस्या या महालया अमावस्या के नाम से जाना जाता है।

दुर्गा पूजा 2024 कैलेंडर

महालया	2 अक्टूबर
महापचंमी	8 अक्टूबर
महाषष्ठी	9 अक्टूबर
महा सप्तमी	10 अक्टूबर
महाअष्टमी	11 अक्टूबर
महानवमी	12 अक्टूबर
विजयादशी या दशहरा	12 अक्टूबर

दुर्गा पूजा का महत्व

दुर्गा पूजा को लेकर कई कथाएं व मान्यताएं प्रचलित हैं। धार्मिक पौराणिक कथा के अनुसार, दुर्गा पूजा के दौरान देवी दुर्गा अपने बच्चों संग मायके जाती हैं।

साथ ही यह पर्व भारतीय हिंदू संस्कृति की आध्यात्मिकता, एकता, महिला शक्ति, अधर्म के प्रति धर्म की जीत और सांस्कृतिक विधिवता का भी प्रतीक है।

धार्मिक मान्यता यह है कि, मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस के साथ 9 दिनों तक युद्धि किया और आश्विन शुक्ल की दशमी के दिन ही उसका वध किया। इसलिए हिंदू धर्म में दुर्गा पूजा के दौरान नौ दिनों तक देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा होती है और दसवें दिन विजयादशमी मनाई जाती है।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर रिलीज

राजकुमार-तृप्ति ने लगाया रोमांस के साथ कॉमेडी का तड़का

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर आ-खिरकार रिलीज हो गया है। ट्रेलर काफी मजेदार है और कॉमेडी से भरपूर है। फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं उनके साथ ही मल्लिका शेरावत, विजय राज, मस्त अली जैसे कलाकार सपोर्टिंग रोल में हैं। इनके अलावा शहनाज गिल और दलेर मेहंदी का गाने में स्पेशल अपीयरेंस है।ट्रेलर की शुरूआत में विक्की और विद्या अपनी का इंटीमेट वीडियो बनाते हैं और इसे रिकॉर्ड करते हैं लेकिन इसकी सीडी प्लेयर कहीं चोरी हो जाती है। इसी को खोजने की जद्दोजहद में मेकर्स ने गजब का कॉमेडी का तड़का लगाया है जिसमें विजय राज एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में हैं जो मल्लिका शेरावत के प्यार में पड़ जाता है।

हाल ही में मेकर्स ने इसका अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया था जो काफी दिलचस्प था। इस दिलचस्प टीजर में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी टीवी जर्नलिस्ट की भूमिका में नजर आ रहे हैं और अपनी फिल्म के कलाकारों और क्रू को पेश करने के लिए एक शो होस्ट कर रहे हैं। इस टीजर को दर्शकों ने खूब पसंद किया।फिल्म टी-सीरीज, बालाजी टेलीफिल्म्स, वाकाओ फिल्म्स और थिंकिंग पिक्चर्स का ज्वाइंट वेंचर है। यह फिल्म 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि यह आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर जिगरा से टकराएगी, जो उसी दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो राजकुमार पिछली बार मिस्टर एंड मिसेज माही में जाह्नवी कपूर के साथ नजर आए थे। वहीं उनकी अकपमिंग फिल्मों में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और मालिक है। दूसरी ओर तृप्ति की पिछली फिल्म बैड न्यूज थी जिसमें उनके साथ विक्की कौशल और एमी विर्क थे।

बॉलीवुड में डेब्यू करते ही स्टार बन गईं रूहानी शर्मा

बॉलीवुड में कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जो एंट्री करते ही रातोंरात स्टार बन गई थीं। अब उसी लिस्ट में अनुष्का शर्मा की बहन रुहानी शर्मा भी शामिल हो गई हैं।बॉलीवुड में एक्ट्रेस रूहानी शर्मा ने फिल्म आगरा से डेब्यू किया है। फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई है जिसमें से एक्ट्रेस के इंटीमेट सीन्स का वीडियो वायरल हो रहा है।रूहानी शर्मा बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा की कजिन हैं। उनका जन्म हिमाचल प्रदेश के सोलन में हुआ है। पंजाब यूनिवर्सिटी से अपनी ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख दिया था।रूहानी ने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया। उसके बाद उन्होंने तमिल फिल्मों से एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू किया। तमिल के बाद तेलुगू में भी रूहानी डेब्यू कर चुकी हैं। दोनों ही इंडस्ट्री में रूहानी की एक्टिंग को लेकर खूब तारीफ हुई है।

उसके बाद रूहानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आगरा मूवी से डेब्यू किया। इस फिल्म में मोहित अग्रवाल, प्रियंका बोस, रूहानी शर्मा, विभा चिब्बर और सोनल झा अहम किरदार निभाती नजर आईं हैं। फिल्म का 2023 कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर हुआ था।फिल्म के ऑनलाइन लीक होने के बाद सोशल मीडिया पर इंटींमेट सीन का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

इंटीमेट सीन की वजह से रूहानी को खूब ट्रोल भी किया जा रहा है। ट्रोलिंग के बाद रूहानी चुप नहीं बैठीं। उन्होंने एक स्टेटमेंट शेयर करके अपनी निराशा जाहिर की।रूहानी शर्मा आखिरी बार फिल्म ब्लॉकआउट में नजर आईं थीं।

इस फिल्म में उनके साथ विक्रांत मैसी, सुनील ग्रोवर, मौनी रॉय अहम किरदार निभाते नजर आए थे। वो जल्द ही तमिल फिल्म मास्क में नजर आएंगी।रूहानी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।उनकी क्यूटनेस के फैंस दीवाने हैं।

मीना कुमारी की बायोपिक कमाल-मीना का टीजर आउट

दिग्गज एक्ट्रेस की लव स्टोरी का खुलेगा राज

हिंदी सिनेमा की दिग्गज और खूबसूरत एक्ट्रेस मे से एक मीना कुमारी के बारे में कौन नहीं जानता। मीना कुमारी जितनी सुंदर थीं, उससे कई ज्यादा उनके अभिनय में खूबसूरती नजर आती थी, जिन सिनेप्रेमियों को मीना कुमारी के बारे में जानकारी नहीं हैं, उनके लिए एक गुडन्यूज है। दरअसल, हिंदी सिनेमा का आइकॉनिंग सॉन्ग चलते-चलते (पाकीजा) फेम एक्ट्रेस मीना कुमारी की बायोपिक का टीजर रिलीज हो गया है। इस मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर को संजय दत्त ने भी शेयर किया है। मीना कुमारी का बायोपिक लंबे समय से चर्चा हो रही थी।संजय दत्त ने मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर को शेयर कर लिखा है, डियर साची और बिलाल, नए वेंचर के लिए ऑल द बेस्ट, भगवान करे यह सुपरहिट हो, संजय मामू की तरफ से हमेशा प्यार बना रहेगा, यह मस्ट वॉच फिल्म है।मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर की बात करें तो इसमें मीना कुमारी और उनके पति कमाल अमरोही की लव स्टोरी के पल दिख रहे हैं। कमाल अमरोही फिल्म डायरेक्टर और स्क्रीनराइटर थे। उनका असली नाम सैय्यद आमिर हैदर कमल नकवी था और उनका स्क्रीन नाम कमाल अमरोही था।वहीं, सारेगामा ने भी अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर मीना कुमारी का बायोपिक कमाल-मीना का टीजर शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, एक सपना जो खत्म होने से डरा नहीं, एक ऐसा प्यार जो सीमाओं से परे गया। इस फिल्म को सिद्धार्थ मल्होत्रा, बिलाल अमरोही बना रहे हैं। फिल्म में इरशाद कामिल ने गाने लिखे हैं। इन गानों के एआर रहमान ने अपना मधुर संगीत दिया है।बता दें, मीना कुमारी को हिंदी सिनेमा में सुपरस्टार दिलीप कुमार की तरह एक टैग मिला हुआ था। दिलीप कुमार ट्रेजेडी किंग तो मीना कुमारी ट्रेजेडी क्वीन माना जाता था। कहा जाता है कि घर की मजबूरियों के चलते पढ़ाई ना कर सकीं मीना कुमारी को ना चाहते हुए भी हिंदी सिनेमा का दामन थामना पड़ा था। मीना का जन्म 1 अगस्त 1933 को मुंबई के दादर में हुआ था और वहीं 31 मार्च 1972 को महज 39 साल की उम्र में लीवर खराब होने से उनकी मौत हो गई।

येलो और रेड साड़ी पहन भोजपुरी क्वीन मोनालिसा दिखी हॉट

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच कहर बरपाती रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने गणपति उत्सव की कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका खूबसूरत और ग्लैमरस लुक देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।मोनालिसा ने गणेश भगवान जी की पूजा के दौरान बेहद ही सुंदर येलो और रेड कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में गोल्ड के इयरिंग्स और गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते रहते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

युध्रा का लेटेस्ट ट्रैक हट जा बाजू रिलीज

दिखा सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल का धमाकेदार डांस मूव्स

एक्सेल एंटरटेनमेंट युध्रा के साथ एक थ्रिलिंग एंटरटेनमेंट देने के लिए तैयार है। दो एक्शन से भरपूर ट्रेलर, एक रोमांटिक सॉन्ग साथिया और एक हाई-एनर्जी पार्टी सॉन्ग सोहनी लगदी रिलीज करने के बाद, उन्होंने अब अपना लेटेस्ट ट्रैक हट जा बाजू को रिलीज कर दिया है। सिद्धांत चतुर्वेदी और राघव जुयाल पर फिल्माए गए इस स्टाइलिश ट्रैक में दोनों स्टार्स को जबरदस्त और स्टाइल के साथ एक-दूसरे से मुकाबला करते हुए दिखाया गया है।जब सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहनन और राघव जुयाल ने पुणे के एक कॉलेज इवेंट में हट जा बाजू लॉन्च किया, तब फिल्म और गाने को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया। ये ट्रैक ना सिर्फ राघव जुयाल के 4 साल बाद डांस में वापसी को मार्क करता है, बल्कि उनके जबरदस्त मूव्स को सिद्धांत के साथ शोकेस भी करता है। ये एक लाइवली और स्टाइलिश सॉन्ग है, जिसमें बहुत सारा ग्रूव है और जो दोनों स्टार्स के बीच की जबरदस्त केमिस्ट्री को हाईलाइट करता है।

हट्ट जा बाजू में केली डिलीमा, विशाल ददलानी और अर्श मोहम्मद ने अपनी दमदार आवाज़ दी है, जबकि गीतकार मशहूर जावेद अख्तर हैं। इसे शंकर-एहसान-लॉय ने कंपोज किया है और पीयूष-शाजिया ने कोरियोग्राफ किया है।

यह गाना फिल्म के लिए लोगों का उत्साह बढ़ाने वाला है।एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा प्रोड्यूस, युध्रा 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में गजराज राव, राम कपूर, राज अर्जुन और राघव जुयाल जैसे शानदार कलाकार हैं, जो एक यादगार सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं।

प्रगति पथ पर प्रशस्त हिन्दी महाविद्यालय

दक्षिण की भूमि हैदराबाद के केंद्र में स्थापित संपूर्ण दक्षिण भारत का कल्पवृक्ष हिन्दी महाविद्यालय वर्ष 1961 से अपनी अविराम गतिविधियों एवं उपलब्धियों के कारण नगरद्वय की शिक्षण संस्थाओं का प्रेरणास्रोत रहा है। महाविद्यालय को सर्वप्रथम वर्ष 2006 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन समिति द्वारा मान्यता प्रदान की गई। वर्ष 2012 में स्वायत्तता प्रमाण पत्र के साथ संस्था की प्रगति की दिशा में नया अध्याय जुड़ गया है। सितंबर 2017 को महाविद्यालय ने राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन एवं प्रत्यायन का तीसरा चक्र सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए बी. प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। इसी क्रम में अगस्त 2018 को हिन्दी महाविद्यालय ने स्वायत्तता की द्वितीय प्रक्रिया पूर्ण कर ली है।

स्थापना के समय से जिन लक्ष्यों को लेकर यह शिक्षण संस्था आगे बढ़ी उन्हें प्राप्त करते हुए महाविद्यालय प्रबंध समिति के नेतृत्व में ज्ञान ज्योति से निरंतर प्रज्वलित हो रहा है। स्व. चेयरमैन एमिरेटस सुरेंद्र लूणिया, अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, कार्यदर्शी श्री शीलकुमार जैन संयुक्त कार्यदर्शी सुरेशचंद्र लाहोटी, कोषाध्यक्ष सीए एस.बी. काबरा एवं समिति के सक्रिय सदस्यों के दिशा-निर्देश में कई कीर्तिमान स्थापित कर रही है और हीरक जयंती पूर्ण कर चुकी है। राष्ट्र के प्रति सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का निर्वाह करते हुए विभिन्न वर्गों के छात्रों को अद्यतन एवं शिक्षाजन्य हर संभव सहायता उपलब्ध कराना, तकनीकी ज्ञान प्रदान करना तथा महाविद्यालय में आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराना समिति का ध्येय है। इसी को ध्यान में रखते हुए छात्र एवं छात्राओं के लिए हॉस्टल की व्यवस्था की गयी है।

हैदराबाद के पूर्व वित्त मंत्री माननीय विनायक राव विद्यालंकार की इच्छा शक्ति का साकार रूप हिन्दी महाविद्यालय ने विगत 57 वर्षों में बार-बार यह सिद्ध किया है कि हिन्दी माध्यम से उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों का भविष्य उत्कृष्ट एवं उज्जवल बना है। सुप्रसिद्ध समाज सेवी पन्नालाल पित्ती जी का संस्था की स्थापना में जो अतुल्य योगदान है वह चिरस्मरणीय है। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय भवन का शिलान्यास आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीलम संजीव रेड्डी के करकमलों से हुआ था।

संस्थापक प्राचार्य कृष्णदत्त, पूर्व कार्यदर्शी गंगाराम, खंडेराव कुलकर्णी सहित अनेक हिन्दी सेवियों के निःस्वार्थ योगदान और समर्पण की यहां की हर शिला साक्षी है। कला महाविद्यालय के रूप में स्थापित हिन्दी महाविद्यालय ने प्रगति के सोपान तय करते हुए अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। वर्ष 1969 में वाणिज्य तथा वर्ष 1971 में विज्ञान का अध्ययन-अध्यापन प्रारंभ हुआ। वर्ष 1991 में माननीय राज्यपाल कृष्णकांत के आशीर्वाद से संस्था ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम.एम. हिन्दी के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वास्तव में इस संस्था ने उत्तर को दक्षिण से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

सभी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में इस संस्था ने दक्षिण भूमि पर असंभव को संभव बनाया। छात्रों के चतुर्दिक विकास को

केंद्र में रखते हुए नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की योजना के तहत अंग्रेजी माध्यम से क्रमशः वर्ष 2007-08 में बी.एससी तथा 2011-12 में बी.बी.ए. पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। उपलब्धियों की दृष्टि से वर्ष 2012-13 महत्वपूर्ण रहा है। उसी वर्ष हिन्दी स्नातकोत्तर विभाग स्वायत्तता की परिधि में आ गया तथा स्वतंत्र परीक्षा विभाग की स्थापना हुई। स्वायत्तता के अंतर्गत परीक्षाओं से जुड़ी गतिविधियों के लिए गठित परीक्षा विभाग को भी आधुनिक तकनीक से युक्त किया गया है। छात्रों के लिए सभी सूचनाएं वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। स्वायत्तशासी संस्था के रूप में हिन्दी महाविद्यालय ने विकास के कई चरण पूर्ण किये हैं। संस्था अपने विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता के लिये कटिबद्ध है। संस्था उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध रहते हुए नवीन पाठ्यक्रमों की रचना करने और उनका संचालन करने में स्वतंत्र है।

छात्रों को उच्चतम शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखते हुए सुप्रसिद्ध सामाजिक विभूति स्वर्गीय माणिकचंद गुप्त के आर्थिक सहयोग से महाविद्यालय परिसर में जेएनटीयू से संबद्ध एम सी गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एमबीए) की स्थापना की गयी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से कौशल विकास योजना से जुड़े पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की नीति के अंतर्गत वर्ष 2015 से बी. वोकेशनल स्टडीज के अधीन स्नातक स्तर पर बैंकिंग एंड इंश्योरेंस तथा हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि अकादमिक वर्ष 2016-17 में बी.एससी स्तर पर बायोटेक्नॉलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, गणित, सांख्यिकी, भौतिकशास्त्र तथा कंप्यूटर साइन्स से जुड़े पाठ्यक्रमों का नवीनीकरण हुआ है। आज इन सभी पाठ्यक्रमों में छात्रों की प्रवेश संख्या बढ़ी है। विज्ञान विषयों की सभी प्रयोगशालाएं आधुनिक उपकरणों से लैस हैं।

कंप्यूटर ज्ञान एवं अंग्रेजी संप्रेषण कौशल को महत्व देते हुए सभी संकायों के विद्यार्थियों के लिये विशेष कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। अंग्रेजी विभाग वाणिज्य विभाग एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र लगभग 78 इंटरनेट युक्त कंप्यूटरों से संपन्न है। महाविद्यालय समिति द्वारा आधारभूत शिक्षा के विकास एवं विस्तार के तहत प्रतिवर्ष नगर स्थित एकल शिक्षक विद्यालयों को भी अनुदान राशि दी जा रही है।

यहां का पुस्तकालय इस संस्था की धुरी है और नगरद्वय के शोधार्थियों का लिए आकर्षण का केंद्र है। यह कला, वाणिज्य, विज्ञान, सामान्य ज्ञान संदर्भ ग्रंथों और साहित्य से जुड़ी 45,000 पुस्तकों से समृद्ध है। इसके अतिरिक्त विद्यालय एवं विद्यालयेतर अध्येताओं के लिए पृथक रूप से अध्ययन कक्ष की व्यवस्था की गयी है। छात्रों के चतुर्दिक विकास को ध्यान में रखते हुए सन् 1998 में स्थापित क्रिकेट कोचिंग अकादमी में प्रशिक्षित विद्यार्थी क्रिकेट जगत में कीर्ति अर्जित कर रहे हैं। अकादमी की प्रमुख विशेषता यह है कि यह नगरस्थ विकलांग, खिलाड़ियों को भी प्रशिक्षण दे रही है। महाविद्यालय के विशाल खेल मैदान में ओपन स्टेडियम बनाया गया है। यह राज्य स्तर की खेल स्पर्धा और प्रतियोगिताओं का आकर्षण स्थल है। युवा शक्ति का प्रतीक एनसीसी इकाई वर्ष 1994 से सक्रिय है। इस इकाई में संप्रति 125 से अधिक कैडेट्स प्रशिक्षणाधीन हैं। वर्ष 2017 में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का नवीनीकरण किया गया है, जिसमें वर्तमान में 100 से अधिक छात्रों ने राष्ट्रसेवक के रूप में प्रवेश लिया है। इस इकाई का उद्देश्य श्रेष्ठ नागरिक के रूप में छात्रों को सामाजिक सेवा कार्यों की दिशा में प्रोत्साहित करना है।

सेल्फ फाइनांस संस्था के रूप में महाविद्यालय द्वारा शिक्षा का निरंतर विस्तारीकरण करते हुए अकादमिक वर्ष 2017-18 से अंग्रेजी माध्यम से ही बी.कॉम कंप्यूटर तथा वर्ष 2018-19 से स्नातकोत्तर स्तर पर एम.कॉम प्रारंभ किया गया है। यहाँ स्नातक स्तर पर बीएससी मेथमेटिक्स, फिजिक्स, केमेस्ट्री, बी.वोकेशनल योगा तथा अकाउंटेंसी एवं स्नातकोत्तर स्तर पर एम.एससी मेथमेटिक्स, स्टैटिसटिक्स, एम. कॉम तथा एम.ए. स्तर पर शिक्षा प्रदान की जा रही है। स्वर्गीय चेयरमेन एमिरेट्स श्री सुरेंद्र लूणिया जी का स्वप्न डायमंड जुबिली ब्लॉक स्टेडियम के ऊपरी भाग में करीब 3,300 वर्ग फीट पर पूर्ण हो चुका है। इस भवन में वाणिज्य, प्रबंधन एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (स्किल डेवलपमेंट) की कक्षाएँ सुचारू रूप से चल रही हैं। भवन में 33 कक्षाओं तथा स्टॉफ रूम की व्यवस्था है। उत्तम शिक्षा के सभी मानदंडों को चरण दर चरण पूर्ण करने में क्रियाशील तथा दृष्टि 2030 के लक्ष्यों की सृष्टि की ओर निरंतर अग्रसर हिन्दी महाविद्यालय आज प्रगति के उच्च शिखर पर विराजमान है।

*** डॉ. सुरभि दत्त एवं डॉ. रजनी धारी**

विश्वभाषा हिंदी

सहस्त्रों वर्षों की संपत्ति है हिंदी भाषा
सकल जन संघ की संगी भाषा
सुधा की निधि है हिंदी भाषा
भारत की यह भव्य भाषा
नवरस साहित्य की भाषा
नवनीत स्वाद,सुनाद-सुराग भाषा
सुवर्ण,सुविशाल इतिहास की भाषा

आदिकाल की अमृत भाषा
वीरगाथाओं की विपुल भाषा
चंदबरदाई की कीर्ति की चंदन भाषा
जगनिक कलम की जनपद भाषा
विद्यापति के विख्यात लोकगीत की भाषा

रीतिकाल की ख्याति भाषा
कविवर वृंद की नीति भाषा
भूषण का आभूषण भाषा
चिंतामणि के चित्त-मन की भाषा
बिहारी के गागर में सागर की भाषा

भक्तिकाल के ऐक्य राग की आध्यात्मिक भाषा
भजन कीर्तन की मनभावन भाषा
संत कबीर के मानवीय मूल्यों की भाषा
सूर के कंठ में कृष्ण लीलाओं की भाषा
तुलसी कृति-सुधा रामचरित की रमणीय भाषा
मीरा के हिय में गोपाल के गान की भाषा
रैदास के पद में अमूल्य रत्न की भाषा
रहीम की नीति और प्रेम संदेश की भाषा

आधुनिक काल का आधार है यह हिंदी भाषा
भारतेंदु के निज विचार उन्नत की अत्युत्तम भाषा
हरिऔध के प्रिय प्रवास की प्रीति भाषा
प्रेमचंद का सम समाज पथ निर्माण की भाषा
यशपाल के यश गाने वाली क्रांति की भाषा
पंत के वर्णन में, प्रकृति के सरगम की भाषा
आज्ञेय की यात्रा में नावों की झंकार भाषा
हिंदीतर भाषी, रंगेयराघव की संगी भाषा
दिनकर के कुरुक्षेत्र में धर्मोपदेश की भाषा
जयशंकर की कामायनी की कमनीय भाषा
लक्ष्मीबाई की शौर्यगाथा, सुभद्रा की रौद्र भाषा

विश्व पटल पर अटल बिहारी का
अद्भुत भाषण की गौरव भाषा
विजय ध्वज फहराने विजयी भाषा
अनंत कलमों की आत्मीय भाषा
ज्ञानपीठ सम्मान की भाषा
विद्यालयों में छात्रों के
भविष्य निर्माण पाठ की भाषा

आजादी की अमर कहानी समर की भाषा
राष्ट्र विकास में चैतन्य की भाषा
राज-काज के भार संभालने वाली
भारत का भाग्य राजभाषा

विदेशी विश्वविद्यालयों में
विराजमान है हिंदी भाषा
विश्व भर में अपनी सुगंध फैलाकर
सुना रही है जय-जयकार
विश्व के कंठ में हिंदी की अमृत धार
बिन हिंदी के जग में सांझ न भोर।

के.एल.प्रभाकर प्राणसुमन,
जहीराबाद, तेलंगाना।

हिंदी भाषा भारत की गौरवमयी संस्कृति एवं परंपरा की प्रतीक

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं। भारत विविधताओं का देश है। यह विविध भूमि, विविध लोगों, विविध संस्कृतियों और विविध भाषाओं का देश है। हिन्दी भाषा भारत की गौरवमयी संस्कृति एवं परंपरा की प्रतीक है । हिन्दी संवैधानिक रूप से भारत की राजभाषा के साथ-साथ भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। हिन्दी दिवस हर साल 14 सितंबर को देशभर में मनाया जाता है। वर्ष 1949 में 14 सितंबर को संविधान सभा ने एकमत होकर इसे भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था।

राजभाषा विभाग के दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए हमारा संस्थान इस वर्ष 14-29 सितंबर, 2024 के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन कर रहा है। संस्थान द्वारा हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ 14 सितम्बर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली से किया जायेगा। हमारा संस्थान गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए वचनबद्ध है। मैं ग्रामों में बसे करोडों भारतवासियों के विकास द्वारा राष्ट्र के विकास में पिछले 6 दशकों से कार्यरत राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के महानिदेशक के रूप में कार्य कर रहा हूं और इस संस्थान में हिन्दी भाषा के माध्यम से ग्राम विकास कार्यों से जुड़ा हुआ हूं। हमारा संस्थान ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है जो ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान है। संस्थान में ग्रामीण विकास से जुड़े

व्यवसायियों से लेकर उच्च कार्यपालकों को प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्थान ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओं, पीआरआई के चयनित प्रतिनिधियों, बैंकर्स, एनजीओ तथा अन्य स्टेकहोल्डरों का प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्श जैसे अंतर संबंधित क्रियाकलापों द्वारा क्षमता निर्माण करता है। एक शीर्ष क्षमता निर्माण संस्थान होने के नाते एनआईआरडीपीआर की पूरे भारत में एक अद्वितीय पहुंच है। हमारे संस्थान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। हमारा कार्यालय ग्रामीण विकास मंत्रालय के विचार भंडार के रूप में भी कार्य करता है।

ग्रामीण विकास की अवधारणा को साकार करने और इसे सही दिशा देने के लिए जन सहयोग और जन भागीदारी जरूरी है। ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाने की प्रतिबद्धता के साथ ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित मनरेगा, दीन दयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, प्रधान मंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, दीन-दयाल उपाध्याय-गामीण कौशल्य योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना इत्यादि अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रचार-प्रसार हिन्दी भाषा में किया जा रहा है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से हमारा कार्यालय गरीबी मुक्त गांव के सपने को साकार करने का प्रयास कर रहा है।

डॉ. जी. नरेन्द्र कुमार, आईएएस
महानिदेशक,एनआईआरडीपीआर
राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान,राजेंद्रनगर, हैदराबाद

हिंदी एक ऐसी सशक्त और जीवंत भाषा है जो राष्ट्रीय चेताना जागृत करने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाती रही है। भारत में अनेक भाषाएं बोली जाती है, इसलिए हम संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय एवं प्रांतीय भाषाओं को बढ़ावा देते हैं। भाषा न केवल जनता और सरकार के बीच संवाद सेतु का काम करती है बल्कि यह हमारे कार्यक्रमों में जन सहयोग और जन भागीदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हिंदी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग हमें उन लोगों के नजदीक ले जाता है जिनके जीवन स्तर को सुधारना और समृद्ध बनाना हमारे संस्थान के कार्यक्रमों का उद्देश्य है । हमारा संस्थान भी इस दिशा में प्रयासरत है। संस्थान राजभाषा विभाग के दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य करता है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति 2 का अध्यक्ष होने के नाते मैं समिति की नियमित बैठकों की अध्यक्षता करता हूं और उपस्थित सदस्य कार्यालय के उच्च अधिकारियों को राजभाषा हिन्दी का पूर्णतः अनुपालन करने का निर्देश भी देता हूं।

संस्थान तेलंगाना राज्य के ऐतिहासिक शहर हैदराबाद में स्थित है। हैदराबाद में मुख्य परिसर के अलावा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की आवश्यकता की पूर्ति के लिए संस्थान का उत्तर-पूर्वी प्रादेशिक केन्द्र, गुवाहाटी, और दिल्ली में भी कार्यरत है। हिंदी दिवस के अवसर पर मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि भाषा की मधुरता, सरलता, सुबोधता और सहजता से हिंदी विश्व भाषा अवश्य बनेगी, हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि हमारी सामाजिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करनेवाली तथा देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने की एक मजबूत डोर भी है जिसका प्रचार-प्रसार करना सभी की जिम्मेदारी है।

समाज, उपनिवेश, देश के आधार स्तंभ भाषा एवं संस्कृति

संस्कृति अर्थात परिष्कृत अथवा सुधारित रूप। जब कच्चे माल या सामग्री का प्रसंस्करण किया जाता है तब हमें उच्च गुणता एवं मूल्य का उत्पाद प्राप्त होता है। समाज के संदर्भ में भी हमारे आचार-विचार, रहन-सहन, भाषा-भाव का सुधारित रूप उस समाज, उपनिवेश, देश की संस्कृति कहलाती है। भारतीय संस्कृति अत्यंत सर्वसमावेशी, विशद व अनन्य है, क्योंकि भारत के एक छोर से दूसरे छोर तक विविधता अपने चरम पर होते हुए भी वह भारत को एक सूत्र में बांधे हुए है और संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने में भाषा का अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान होता है। भाषा एवं संस्कृति अनवरत रूप से एक-दूसरे को आगे बढ़ाने का कार्य करते रहती हैं।

संस्कृति लोगों के रहन-सहन, वेषभूषा, आचार-विचार, भाषा-व्यवहार आदि को परिभाषित ही नहीं उनका सेवन भी करती है और उक्त सभी का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में अंतरण भी करती है और उसका माध्यम वहां की भाषा होती है। अतः किसी भी संस्कृति व भाषा को एक दूसरे से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। भारत की संस्कृति एवं भाषा के संदर्भ में देखें तो भारत में संयुक्त परिवार की संकल्पना है अर्थात यहां की भाषाओं में कुछ रिश्तों के द्योतक शब्द कई हैं जैसे मामा, काका, मौसा ताऊ आदि, परंतु इनके लिए अंग्रेजी में केवल एक शब्द अर्थात अंकल पर्याप्त है। यह कहना अत्युक्ति न होगी कि किसी भी संस्कृति को वहां की भाषा एवं वहां की भाषा को संस्कृति से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। अतः भाषा एवं संस्कृति अन्योन्याश्रित है।

भारत के संदर्भ में हिंदी को वहां की सामासिक संस्कृति का संवाहक कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि भारत की विविधता को वर्षों से एकता रूपी पानी से सींचने का काम हिंदी करते रही है और आज भी बखूबी कर रही है। यह इस देश की विडंबना है कि यहां अलग-अलग समय में विदेशी आक्रांतियों का प्रभूत्व रहा, परिणास्वरूप हमनें उनकी संस्कृति के भी कुछ अंश को अपनाया और उसे अनुचित भी नहीं कहा जा सकता। परंतु विकास के नाम पर आज हम जो कर रहे हैं वह हमारी भाषा एवं संस्कृति के लिए उपयुक्त नहीं है। भारत में न्यूनतम प्राथमिक स्तर तक शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषाओं को वरीयता दी जानी चाहिए और उच्च पदों पर भर्ती हेतु आयोजित परीक्षाओं में एक विषय के रूप में अंग्रेजी की अनिवार्यता को हटाया जाना चाहिए। अन्यथा इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त कार्यों हेतु भारतीय भाषाएं सक्षम नहीं हैं। भारत की वर्तमान शिक्षा नीति काफी हद तक इसी दिशा में आगे बढ़ रही है जिसे हमें पूर्ण समर्थन देने की आवश्यकता है। हम अपनी भाषाओं के साथ ही हमारी संस्कृति का संरक्षण कर सकते हैं।

डॉ. महेश कुमार
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

देश को एकता के सूत्र में बांधती है हिंदी

भारत विविधताओं से भरा देश है। यहां अलग-अलग धर्म व जाति के लोग रहते हैं। अलग-अलग भाषाएं, बोलियां बोलने वाले, अलग-अलग वेश-भूषा, खानपान व संस्कृति के लोग रहते हैं। ये हिंदी भाषा ही है जो देश के सभी लोगों एकता के सूत्र में पिरोती है। देश को एक रखने में हिंदी का बहुत बड़ा योगदान है। साथियों हमारे देश की महान हस्तियां भी हिंदी को प्रोत्साहित करने के लिए पुरजोर समर्थन देती रही हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी को जनमानस की भाषा कहा था। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा था कि जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य के गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि मैं दुनिया की सभी भाषाओं की इज्जत करता हूं पर मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं सह नहीं सकता।

ये हिंदी भाषा ही है जो देश के विभिन्न धर्मों और

संस्कृतियों के लोगों को एकता के सूत्र में पिरोती है। देश को एक रखने में हिंदी का बहुत बड़ा योगदान है। 14 सितंबर का दिन इसी हिंदी को समर्पित है। मातृभाषा की उन्नति बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है तथा अपनी भाषा के ज्ञान के बिना मन की पीड़ा को दूर करना भी मुश्किल है। हिंदी के महत्व के मद्देनजर हर वर्ष 14 सितंबर के दिन देश में हिंदी दिवस मनाया जाता है। आजादी मिलने के दो साल बाद 14 सितबंर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। 14 सितंबर 1953 को पहली बार देश में हिंदी दिवस मनाया गया। तब से हर साल पूरे देश में हिंदी दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है।

रामप्रकाश अग्रवाल
गोयल फार्मा एंड गोयल ड्रग्स, हैदराबाद

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

कैमूर में जीविका दीदियों का धरना

मानदेय बढ़ोतरी और शोषण के खिलाफ 11 सूत्री मांगें रखीं

पटना (एजेंसियां)।

कैमूर जिले के दुर्गावती में जीविका दीदियों ने 11 सूत्री मांगों को लेकर जीविका परियोजना कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया। यह धरना शुक्रवार को आयोजित किया गया, जिसमें जीविका दीदियों ने मानदेय में बढ़ोतरी की मांग की। साथ ही उनके द्वारा दी गई सेवाओं के उचित मूल्य की आवश्यकता पर जोर दिया।

धरना के दौरान, जीविका दीदियों ने 'दो हजार में दम नहीं, 20 हजार से कम नहीं' जैसे नारे लगाए। उनका कहना है कि उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जीविका में तैनात पदाधिकारी उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी देते रहते हैं, जो उनकी स्थिति को और कठिन बना रहा है।

जीविका दीदियों ने चेतावनी दी कि अगर मानदेय के संशोधित आदेशों को जल्द लागू नहीं किया गया, तो वे क्रमबद्ध आंदोलन जारी रखेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग की मनमानी के कारण उनके साथ शोषण हो रहा है, जिससे उनके परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो गया है।

धरना प्रदर्शन के जरिए जीविका दीदियों ने अपने अधिकारों की रक्षा करने और उनके मानदेय में उचित वृद्धि सुनिश्चित करने की मांग की है। अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तो वे आगे भी धरना प्रदर्शन और अन्य विरोधात्मक कदम उठाने की योजना बना रही हैं।

मोतिहारी में निगरानी विभाग ने चार और शिक्षकों के खिलाफ दर्ज की प्राथमिकी

जाली कागजों से ली थी नियुक्ति

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी में फर्जी शिक्षकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निगरानी विभाग ने हाल ही में फिर चार फर्जी शिक्षकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इनमें से तीन शिक्षक पिपराकोठी और एक शिक्षिका तुरकौलिया की है। यह साल की तीसरी प्राथमिकी है जो निगरानी विभाग द्वारा दायर की गई है।

निगरानी विभाग की जांच के अनुसार, ये शिक्षक फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नियुक्त हुए थे। अब इन पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है। निगरानी के डीएसपी ने पिपराकोठी थाना में एनपीएस पासवान टोली में कार्यरत शिक्षिका सपना कुमारी, यूएमएस हथियाही में कार्यरत संजय कुमार और यूएमएस झखरा में कार्यरत नवल किशोर राम के साथ-साथ तुरकौलिया थाने में मध्य विद्यालय टिकैता में कार्यरत शिक्षिका कुमारी रूपलता पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है।

इस वर्ष अब तक निगरानी विभाग ने 14 फर्जी शिक्षकों को पकड़ा है। पिछले वर्षों में भी कई फर्जी प्रमाण पत्रों पर नियुक्त शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। निगरानी विभाग इन शिक्षकों की नियुक्ति के लिए दिए गए प्रमाण पत्रों की वैधता की जांच कर रहा है।

शिक्षक नियोजन में फर्जी प्रमाण पत्रों के मामलों में हाल ही में काफी गर्मी देखी गई है। सरकार ने भी प्रमाण पत्रों की जांच को लेकर कदम उठाए हैं, और हाई कोर्ट के निर्देश पर निगरानी विभाग को प्रमाण पत्रों की जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

कुएं में दम घुटने से तीन युवकों की मौत, गया के गांव में मचा कोहराम

गया (एजेंसियां)।

गया जिले से बड़ी घटना सामने आई है, जहां कुएं में दम घुटने से तीन युवकों की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को पास के सीएचसी अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। मौके से पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं, घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। उक्त घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। यह पूरा मामला गया जिले के वजीरगंज थानाक्षेत्र के चकसेव गांव का है।

जानकारी के मुताबिक, मृत तीनों युवकों की पहचान ललन कुमार (25), चिंकू तिवारी और सुभाष कुमार के रूप में हुई है। मृत तीनों युवक एक ही गांव के रहने वाले हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को दोपहर करीब एक बजे गया जिले के वजीरगंज थानाक्षेत्र अंतर्गत चकसेव गांव का एक युवक चिंकू तिवारी सफाई के लिए कुएं में उतरा था। कुएं की सफाई के दौरान चिंकू तिवारी का दम घुटने लगा। यह देख दूसरा साथी सुभाष कुमार कुएं में कूद पड़ा। तभी दोनों युवकों का कुएं के अंदर दम घुटता देख, तीसरे साथी ललन कुमार ने भी छलांग लगा दी। इस दौरान तीनों युवकों का दम घुटने लगा और वे युवक बेहोश हो गए।

उसके बाद गांव वालों ने डायल 112 की पुलिस को सूचना दी और कुएं से तीनों युवकों को बाहर निकाला गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों की इलाज के लिए पास के सीएचसी अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना के बाद गांव में मातम छा गया। वहीं, मृत तीनों युवकों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने मृत तीनों युवकों की शवों को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। साथ ही मामले की छानबीन में जुट गई।

गोपालगंज में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई, दो किन्नरों की मौके पर ही मौत

सारण (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थानाक्षेत्र के भोजपुरवा गांव के पास तेज रफ्तार में जा रही स्कार्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस दर्दनाक हादसे में दो किन्नरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

जानकारी के मुताबिक, सभी किन्नर स्कॉर्पियो में सवार होकर जिले के जादोपुर थानाक्षेत्र से एक सांस्कृतिक कार्यक्रम को लौट रहे थे।

दुर्घटना में मृत दोनों किन्नरों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है, जबकि गंभीर रूप से जख्मी की पहचान नेहा किन्नर और

अंजला किन्नर के रूप में हुई है। गाड़ी में सवार चालक और तीन अन्य लोग घटना के बाद फरार हो गए हैं।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो गाड़ी का चालक बहुत तेजी से गाड़ी को लेकर आ रहा था। तभी भोजपुरवा गांव के पास अचानक चालक को झपकी आने से कार डिवाइडर से टकरा गई और डिवाइडर को तोड़ते हुए पलट गई। इस हादसे में दो किन्नर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल है। घायलों को ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को नाजुक देखते हुए अंजला किन्नर को बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है।

वहीं, इस मामले में माझागढ़ थाना अध्यक्ष संग्राम सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में दो नर्तकियों की मौत हुई है। वहीं, दो लोग गंभीर रूप से जख्मी भी हैं। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मामले की जांच की जा रही है।

चंपारण में 15 साल की लड़की से हैवानियत

छह लड़कों ने किया सामूहिक दुष्कर्म, वीडियो भी वायरल किया

पटना (एजेंसियां)।

पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में 15 साल की लड़की के साथ हैवानियत हुई है। छह नाबालिग लड़कों ने मिलकर पहले सामूहिक दुष्कर्म किया फिर उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। अब पीड़ित के पिता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया और जांच के बाद छह में से तीन आरोपियों को पकड़ लिया। घटना मोतिहारी में बिजधरी थाना क्षेत्र के एक गांव की है।

परिजनों का कहना है कि चार सितंबर को गांव से ही छह किशोरों ने मिलकर उनकी बच्ची के साथ दरिंदगी की। इतना ही नहीं विरोध करने पर बच्ची को बेरहमी से पीटा। फिर उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने धमकी दी कि अगर वह इस बारे में किसी से कुछ बताएगी तो वह उसे और उसके परिवार को मौत के घाट उतार देगा।

आरोपियों ने बच्ची से कहा कि उसके पिता को जान से मार देगा। परिजनों ने कहा कि इन छह आरोपियों में एक हमलोगों का रिश्तेदार लगता है।

परिजनों ने कहा कि लोकलाज और जान के डर से हमलोग सात दिन तक चुप रहे। लेकिन, जब वीडियो वायरल हुआ तो हिम्मत बनाकर पुलिस के पास गए और सभी आरोपियों के खिलाफ न्याय की गुहार लगाई। मामले में डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों के आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्ची को मेडिकल के लिए भेजा गया। इसके बाद मामले में शामिल तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। वहीं अन्य आरोपियों की तलाश चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

सांसद संजय झा ने रेल मंत्री को यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए ज्ञापन सौंपा

पटना (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी सरकार में सीएम नीतीश कुमार की पार्टी सबसे प्रमुख सहयोगी के रूप में उभरी। बिहार में भाजपा के बराबर सीटें जीतकर जदयू ने अपना कद बढ़ा लिया। अब केंद्र सरकार से समय-समय पर बिहार के लिए जदयू नेता मदद मांगते रहते हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जतना दल यूनाईटेड के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने पूरी तरह कमर कस ली है। खासकर उत्तर बिहार में जदयू का प्रदर्शन बेहतर रहे, इसकी भी तैयारी चल रही है। इसी को लेकर राज्यसभा सांसद और सीएम नीतीश कुमार करीबी संजय झा गुरुवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मिले।

सांसद संजय झा ने रेल मंत्री को उत्तर बिहार में रेल नेटवर्क और ट्रेनों की संख्या बढ़ाने तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि रेल नेटवर्क और ट्रेनों की संख्या बढ़ाने तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए रेल मंत्री से मुलाकात हुई।

विधानसभा चुनाव में भी उतरेंगी लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य!

पिता को लेकर लिखा लंबा पोस्ट

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या ने काफी लंबा पोस्ट लिखा है। पिता की एंजियोग्राफी के बाद रोहिणी आचार्य एक बार फिर से कमर कसती हुई नजर आ रही हैं। इस वक्त वह मुंबई में अपने पिता की देखभाल कर रही हैं। इधर, राजनीतिक पंडितों का कहना है कि लोकसभा में हार के बाद रोहिणी विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमा सकती हैं। हालांकि, राजद या लालू परिवार की ओर से अब तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन रोहिणी के सोशल मीडिया पोस्ट को पढ़कर लोग यह कयास लगा रहे हैं कि वह चुनावी मैदान में उतर सकती हैं। रोहिणी ने भाजपा और जदयू के नेताओं का नाम लिए बिना उन्हें सामंती सोच वाला बताकर उनपर हमला भी बोला।

रोहिणी ने लिखा कि सामाजिक, आर्थिक न्याय की अवधारणा के क्रियान्वयन के लिए हिमालय के समान अडिग और लोकतंत्र एवं आवाम की बेहतरी के लिए दृढ-प्रतिज्ञ देव-तुल्य मेरे पिता पर मेरी आस्था ईश्वर से भी अधिक है। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि ईश्वर ने मुझे लालू जी जैसे विराट व्यक्तित्व की बेटी होने का सौभाग्य प्रदान किया है श्र राजनीतिक परिवेश में पलने-बढ़ने, अपने पिता के सानिध्य में और अपनी अल्प राजनीतिक सक्रियता के काल में मैंने ये बखूबी समझा है कि गरीबों, शोषितों वंचितों, दलितों और हाशिए पर खड़ी आबादी को 1990 के बाद से मिली ताकत का राजनीतिक इजहार ही मेरे पिता लालू जी की राजनीति का सार है।

रोहिणी ने आगे लिखा कि लालू जी के प्रयासों की वजह से ही बिहार में लोकतंत्र से लोकतांत्रिक व्यवस्था से पिछड़ों का, वंचितों का, दलितों का गहरा जुड़ाव प्रभावी हुआ और

ऐसे ही जुड़ाव के कारण हमारे देश में लोकतंत्र चल भी रहा हैश्र दीगर बात तो ये है कि जो संकुचित, सामंती सोच के संक्रमण से ग्रसित वर्ग है, जो बदलाव की दिखाऊ बातें तो करता है, लेकिन यथार्थ से भागता है। उसे यह बिल्कुल अच्छा नहीं लगता कि कोई भैंस चरानेवाला जन नेता बन देश, समाज व् राजनीति को नयी दिशा दे। हाशिए पर खड़े किए गए समूह-समुदाय से आने वालों को आमजनों की अगुवाई करने का मौका दे।

राजद नेत्री ने आगे लिखा कि लालू जी ने किसी चप्पल-जूता सीने वाले के बेटे को विधायक और मंत्री बनने का अवसर प्रदान किया। उन्हें मंत्रालय-शासन-सरकार के संचालन की जिम्मेदारी की। किसी पत्थर तोड़ने वाली महिला को सांसद बना वंचितों को मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश की। किसी कपड़ा इस्तरी करने वाली महिला को उच्च सदन की सदस्य के तौर पर नीति-निर्धारक की भूमिका निभाने का दायित्व दिया। इस यथार्थ से कोई विवेकशील इंसान इनकार नहीं कर सकता कि पिछड़े, दलित, गरीब वर्ग और अल्पसंख्यकों की सबसे बड़ी राजनैतिक जीत सांसद, नेता प्रतिपक्ष, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री के रूप में लालू जी ही थे और आज भी लालू जी इनका गौरव बोध हैं।

उन्होंने लिखा कि लालू जी ने ही पिछड़े-गरीब-दलित वर्ग को पहली बार खुद के रूप में सत्ता व सियासत का वो चेहरा दिया, जो खुद एक गरीब और पिछड़े की संतान हैं। जो उनकी ही तरह जीते हैं, उनकी भाषा में ही बातें करते हैं, उनके बाजू में बैठ उनकी समस्याओं को सुनते हैं। अपने चुनाव अभियान और पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र में प्रचार-अभियान के दौरान आम जनता के बीच जा कर सीधे संवाद के क्रम में मैंने ये अच्छी तरह से जाना और समझा कि हाशिए और समाज के अंतिम पायदान पर खड़ी आबादी स्पष्ट तौर पर ये मानती है कि लालू जी के बगैर राजनीति में उनकी भागीदारी अधूरी हैश्र इस सच को भी नकारा नहीं जा सकता कि लालू जी ने ही ये साबित कर दिखाया कि राजनीति महज सत्ता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाज को समझने और उसे बदलने का उपकरण भी है।

राजद नेत्री ने आगे लिखा कि आज के दौर की राजनीति का सबसे प्रचलित शब्द है 'विकास' लेकिन सतही विकास और यथार्थवादी विकास में बड़ा भेद हैश्र व्यापक सन्दर्भ में विकास की परिभाषा पिछले चार दशकों के दौरान काफी बदल गई है। अब विकास को समाज में स्वतंत्रता के विस्तार के संदर्भ में ज्यादा समझने और देखने की जरूरत है । ऐसे में सड़क और संरचनाओं का निर्माण अगर विकास है, तो दबे और बुनियादी अधिकारों से वंचित समूहों की स्वतंत्रता में विस्तार उससे कहीं बड़ा विकास है। इसके मद्देनजर ही लालू जी की प्रासंगिकत , लालू जी का योगदान औरों से ज्यादा है और इसी सामाजिक, वैचारिक, राजनीतिक यथार्थ की वजह से तमाम दुष्प्रचारों, प्रतिशोधात्मक कानूनी पचड़ों में फंसाये जाने के बावजूद लालू जी का कद हिमालय की ऊंचाई के समान बरक़रार है।

गयाजी पथ की दीवारों पर मिथिला पेंटिंग करेगी आर्कषित

श्री राम-कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन

पटना (एजेंसियां)।

पितृपक्ष में मोक्षस्थली के रूप में चर्चित गयाधाम में अपने पूर्वजों की मृतात्मा की शांति के लिए पिंडदान करने आने वाले तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इसके लिए जिला प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। इस वर्ष देश दुनिया से गयाजी आने वाले तीर्थयात्रियों को पीने के लिए गंगाजल के साथ-साथ गंगाजल घर ले जाने को भी मिलेगा। इसके अलावा पवित्र सीताकुंड, रामशिला, विष्णुपद पाथ-वे समेत विभिन्न पिंडवेदियों और मेला क्षेत्र के दिवालों पर मिथिला पेंटिंग से माता सीता के जीवन को रेखांकित किया गया है। साथ ही इसके अलावे प्रभु श्री राम और कृष्ण की बाल लीलाएं को भी देखने को मिलेगा।

इस साल गयाजी आने वाले तीर्थयात्रियों को भक्तिमय माहौल बनाने के लिए जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में रबर डैम के पूर्वी छोर पर स्थित सीताकुंड को जाने वाले पथ पर मिथिला की पेंटिंग नजर आ रही है। पेंटिग की थीम माता सीता की जीवनी से जुड़ी है। रामायण की चौपाइयों पर आधारित घटनाओं के आधार पर मिथिला पेंटिंग की गई है। साथ ही रामशिला तालाब और विभिन्न पिंडवेदियों के आसपास प्रभु श्री राम और कृष्ण की बाल लीलाओं को दर्शाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com